जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, मंगलवार 16 सितम्बर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

जन- जन के साथ, विकास और अंत्योदय का मार्ग

ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारम्भ

17 सितम्बर, 2025

शिविरों में होने वाले प्रमुख कार्य

ग्रामीण सेवा शिविर

- रास्ते खोलना, आपसी सहमति से विभाजन एवं नामान्तकरण।
- लम्बित नोटिसों की तामीली एवं फार्मर रजिस्ट्री को पूर्ण करवाया जाना।
- मूल निवास, जाति प्रमाण-पत्र एवं स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे बनाना एवं वितरण करना, किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी करवाना।
- दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना हेतु 10 हजार और गांवों का बीपीएल सर्वे।
- पशुओं की जांच, इलाज एवं टीकाकरण।
- विधायक, सांसद स्थानीय क्षेत्र कार्यक्रम और क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम द्वारा स्कूलों इत्यादि की मरम्मत हेतु स्वीकृतियां एवं कार्य।
- वृक्षारोपण, नमो वन को विकसित करना एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्य।
- क्षतिग्रस्त स्कूलों, आंगनवाडी, छात्रावासों एवं सडकों के सुधार के कार्य।
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्य।
- पीएमजेवाई कार्ड बनाना एवं वितरित करना एवं बीज मिनी किट वितरण।
- PMJDY, PMJJBY, PMSBY, APY एवं आदि कर्मयोगी अभियान के तहत गतिविधियाँ।
- NFSA अन्तर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण, सदस्यों की ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग करना।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री घुमन्तु आवास योजना एवं UDID कार्ड बनाने से सम्बंधित कार्य।
- महिलाओं के लिए मैटरनिटी न्यूट्रिशन योजना।
- जनहानि, पशुहानि एवं मकानों के नुकसान के आवेदन प्राप्त करना एवं स्वीकृति जारी करना।

शहरी सेवा शिविर

- सफाई व्यवस्था में सुधार एवं ब्लैक स्पॉटों की समाप्ति।
- सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था के तहत बंद पड़ी लाइटों को चालू करना।
- राईजिंग राजस्थान के प्राप्त निवेश प्रस्तावों हेतु भूमि चिन्हीकरण, स्वीकृतियाँ।
- जन्म, मृत्यु, विवाह पंजीयन, फायर एन. ओ. सी., ट्रेड लाईसेंस, साईनेज लाईसेंस , सीवर कनेक्शन, ओ. एफ. सी-मोबाइल टावर एन.ओ.सी./ई.डब्लयू.एस. प्रमाण पत्र आदि जारी करना।
- नमो पार्क को विकसित करना एवं सड़क मरम्मत/पेच वर्क के कार्य करना।
- आवारा पशुओं को पकड़ना।
- पार्किंग स्थलों का चिन्हीकरण कर, विकसित करना।
- नालियों की मरम्मत, फेरोकवर व मैन हॉल्स की मरम्मत, सीवर लाईन के लीकेज की मरम्मत।
- पीएम और सीएम स्वनिधि योजना के तहत आवेदन प्राप्त करना एवं लम्बित प्रकरणों को ऋण वितरण करना।
- कृषि भूमि के पर बसी आबादियों में लीज होल्ड/फ्री होल्ड पट्टे जारी करना।
- लीज मुक्ति प्रमाण-पत्र, नामान्तरण एवं नाम हस्तातन्तरण।
- निकायों की योजनाओं में विक्रय आवंटित भूमि/भूखण्ड के लीज होल्ड/फ्री होल्ड पट्टे जारी करना।
- लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे (आवंटन नीति, कच्ची बस्ती, स्टेट ग्रांट के पट्टे, नियम 1974 के नियम 18 से 19 में आवंटित भूमि को छोड़कर)।
- अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं विकलांग पेंशन आदि।

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

सलाम, जगदीप छोकर साहब

दिनांक 12 सितंबर 2025 को प्रोफेसर जगदीप छोकर 81 वर्ष की आयु में इस दुनिया से विदा हो गए। पाठकों में से संभवतया कई इस नाम से अपरिचित होंगे और यह सोच रहे होंगे कि मैं इन पर संपादकीय स्तंभ क्यों लिख रहा हूं?

इसलिए, पहले उनके जीवन के बारे में जानकारी देना उपयुक्त होगा। जगदीप छोकर ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री ली और भारतीय रेल में कुछ समय तक नौकरी की। इन्होंने इसके बाद व्यवहार संगठन विषय में अमेरिका से एम बी ए और पीएचडी की । इसके बाद वे शैक्षिक जगत में आ गए और 1985 से 2006 तक आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर रहे । इनके चयन के पीछे की कहानी है कि आई आई एम, अहमदाबाद के तत्कालीन निदेशक आईजी पटेल, ने उन्हें संदेश भेजा कि वे साक्षात्कार के लिए आएं। उन्होंने उत्तर भेजा कि उन्हें उसी होटल में ठहराया जाए जिसमें पटेल ठहरे हुए हैं एवं उसी श्रेणी का विमान यात्रा का किराया दिया जाए जिसमें पटेल यात्रा करते हैं। छोकर का आत्मविश्वास और स्वाभिमान देखकर उन्हें बिना साक्षात्कार के ही आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर के पद पर नियुक्त कर लिया गया। सन् 2005 में उन्हें आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक पद का प्रस्ताव दिया गया, किंतु इन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। वे कुछ समय तक आई आई एम अहमदाबाद के कार्यवाहक निदेशक अवश्य रहे ।

अहमदाबाद में काम करते हुए छोकर और उनके साथियों ने महसूस किया कि राजनीति में पारदर्शिता का नितांत अभाव है तथा मतदाताओं को अपने उम्मीदवारों के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं होती है । इस बारे में किसी की जवाबदेही भी नहीं थी ।

इसी को दृष्टिगत रखते हुए इन्होंने 1999 में अपने 10 अन्य साथियों के साथ एक संगठन ए डी आर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) की स्थापना की। इस संस्था ने जगदीप छोकर के नेतृत्व में अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से गुजरात चुनाव में सभी उम्मीदवारों के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त कर मतदाताओं को उपलब्ध कराई। उस समय, उम्मीदवारों की संपत्ति, शैक्षणिक योग्यता एवं उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी किसी को प्राप्त नहीं होती थी। इसलिए, मतदाताओं के लिए अपने क्षेत्र के लिए सही उम्मीदवारों का चयन करना कठिन होता था।

इसके लिए छोकर ने ए डी आर के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। कानूनी जानकारी में दक्षता प्राप्त करने के लिए उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद से रिटायरमेंट से पहले कानून की पढ़ाई भी की और एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद वे सर्वोच्च न्यायालय से यह आदेश प्राप्त करने में सफल रहे कि उम्मीदवारों के सम्बन्ध में कई आवश्यक जानकारियां नामांकन दाखिल करते समय मांगी जाएं।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार, सन् 2004 के चुनाव से निर्वाचन आयोग ने विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में नामांकन प्रस्तुत करते समय संबंधित उम्मीदवारों से एक शपथ पत्र के साथ में अपनी शैक्षिक योग्यता, परिवार की संपत्ति एवं उनके विरुद्ध चल रहे आपराधिक मुकदमों का विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया । चुनाव में पारदर्शिता एवं शुचिता लाने की दिशा में यह एक बहुत बड़ा कदम था। यह सब केवल एक व्यक्ति के अनवरत संघर्ष और प्रयास का ही फल था, और उस व्यक्ति का नाम था जगदीश छोकर।

आज प्रत्येक उम्मीदवार की शैक्षिक योग्यता, परिवार की संपत्ति और उसके विरुद्ध चल रहे आपराधिक प्रकरणों की पूरी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है। छोकर ने ए डी आर के माध्यम से उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी का विश्लेषण करके उसे सरल रूप में जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। इसी से यह पता लगा कि संसद में लगभग 22 प्रतिशत ऐसे सांसद हैं जिनके विरुद्ध दो वर्ष से अधिक की सजा वाले आपराधिक मुकदमे लंबित हैं । उन्होंने यह भी विश्लेषण किया कि किस उम्मीदवार की संपत्ति पिछले चुनाव की तुलना में कितनी बढ़ गई है? जगदीप छोकर निरंतर लोकतंत्र को मजबूत बनाने और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के अपने काम में लगे रहे। कभी न्यायालय में विभिन्न प्रकार की याचिका दायर करके तो कभी सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज में जागृति पैदा करके, लगातार इस कोशिश में लग रहे कि हमारे चुनाव में पारदर्शिता और ईमानदारी हो।

जगदीप छोकर के निधन से हुआ रिक्त स्थान लंबे समय तक नहीं भरा जा सकेगा। उनकी कमी उन सभी लोगों को अखरेगी जो चुनाव व्यवस्था को शुद्ध और पारदर्शी बनाना चाहते हैं। जब भी चुनाव प्रक्रिया में सुधार की बात होगी तो जगदीप छोकर का जिक्र सबसे पहले आएगा । उनके द्वारा प्रारंभ किए गए प्रयास को अपने लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए कई छोकर चाहिएं। दूसरा जगदीश छोकर शायद शीघ्र हमें न मिले। हम सभी भारतीयों का यह कर्तव्य है कि उनके द्वारा प्रारंभ की गई मुहिम को अपनी अपनी तरह से आगे बढ़ाएं ताकि राजनीति और चुनाव में अधिक शुचिता और ईमानदारी आ सके।

ये प्रत्येक चुनाव से पूर्व उम्मीदवारों से संबंधित ब्यौरा विभिन्न संचार माध्यम से जनता के सामने लाते रहे। किन उम्मीदवारों के विरुद्ध कितने आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं, किसकी कितनी संपत्ति है और किसकी संपत्ति किस गति से बढ़ रही है ? यों कहें कि मतदाताओं को अपना निर्णय लेने के लिए सारी आवश्यक सूचना प्रदान करने का काम इस व्यक्ति ने किया।

इन्होंने प्रत्येक राजनीतिक दल के लेखों का भी परीक्षण किया और जनता के सामने लाए कि किस दल को कितना पैसा मिला और उन्होंने उसका किस प्रकार से उपयोग किया? इलेक्टोरल बांड योजना के संबंध में भी याचिका सर्वोच्च न्यायालय में छोकर में ही प्रस्तुत की जिसे अंततः सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संवैधानिक मानकर निरस्त किया गया।

हाल ही जो याचिका बिहार में एसआई आर के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई थी, उसमें भी पहले याचिका कर्ता जगदीश छोकर थे। सर्वोच्च न्यायालय ने तो यहां तक कह दिया कि जब किसी मतदाता या राजनीतिक दल ने कोई विरोध नहीं किया है तो, ए डी आर जैसी संस्था दिल्ली में बैठकर 'डाटा माइनिंग' कर रही है, जो सही नहीं है। लेकिन यह व्यक्ति की लगन ही थी कि जो आंकड़े चुनाव आयोग से ही उपलब्ध होते हैं, उनका विभिन्न प्रकार से विश्लेषण करके उन्हें इस रूप में जनता के सामने प्रस्तुत किया कि वह समझ सके और तय कर सके कि कौन सा उम्मीदवार उनका प्रतिनिधित्व ठीक तरह से कर पाएगा ?

इन्होंने आई आई एम अहमदाबाद से सेवानिवृत होने के बाद लगातार यह काम अपने स्वयं के पैसे से किया, किसी काम के लिए कोई पैसा किसी से नहीं लिया । लोकतंत्र और राजनीति में ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए अनवरत काम करने वाला ऐसा व्यक्ति आज के युग में शायद ही कोई मिले। जगदीप छोकर की विशेषता यह भी थी उन्होंने अपने आप को कभी आगे नहीं रखा बल्कि अपने द्वारा किए गए कार्य के माध्यम से ही वे जनता तक अपनी बात पहुंचाते रहे। उनसे एक बार किसी ने पूछा कि इस प्रकार के अपराधिक पृष्ठ भूमि के व्यक्ति कैसे चुनाव में जीत जाते हैं तो उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वे लोगों की पसंद नहीं होते । उम्मीदवार, राजनीतिक दल तय करते हैं न कि जनता।

चुनाव आयोग ने जब कोई जानकारी लोगों तक पहुंचाने में आनाकानी की तो उन्होंने न्यायपालिका का सहारा लिया ।

जगदीप छोकर बहु आयामी के व्यक्तित्व के धनी थे । उन्होंने पक्षी विज्ञान में डिप्लोमा भी किया।

वे अपनी बात बड़ी बेबाकी और स्पष्टता के साथ कहते थे। विभिन्न टीवी साक्षात्कारों में उन्होंने अपनी बात को सदैव पूरे आंकड़ों के विश्लेषण के साथ रखा। आज के युग में जहां सभी व्यक्ति केवल अपने ही बारे में चिंतित रहते हैं, वहां जगदीप छोकर ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद अपना पूरा जीवन, लोकतांत्रिक व्यवस्था में ईमानदारी और जवाबदेही, सुनिश्चित करने में खपा दिया ।

जगदीप छोकर के निधन से हुआ रिक्त स्थान लंबे समय तक नहीं भरा जा सकेगा। उनकी कमी उन सभी लोगों को अखरेगी जो चुनाव व्यवस्था को शुद्ध और पारदर्शी बनाना चाहते हैं। जब भी चुनाव प्रक्रिया में सुधार की बात होगी तो जगदीप छोकर का जिक्र सबसे पहले आएगा ।

उनके द्वारा प्रारंभ किए गए प्रयास को अपने लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए कई छोकर चाहिएं। दूसरा जगदीश छोकर शायद शीघ्र हमें न मिले। हम सभी भारतीयों का यह कर्तव्य है कि उनके द्वारा प्रारंभ की गई मुहिम को अपनी अपनी तरह से आगे बढ़ाएं ताकि राजनीति और चुनाव में अधिक शुचिता और ईमानदारी आ सके।

सलाम, छोकर साहब !

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कृषि विश्वविद्यालयों के भविष्य के लिए राजस्थान सरकार क्या योजना रखती है, विखंडन या उन्नयन?

वीर बहादुर सिंह

एक कृषि विश्वविद्यालय को विखंडित कर पांच बना देने से शिक्षा और अनुसन्धान में गुणवत्ता नहीं बढ़ती और न ही संस्थानों में पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं के आकर्षक भवन और उनमे खरीदकर रखी अनेक महंगी पुस्तकें, रिसर्च जर्नल्स और प्रयोगशाला में सजे महंगे उपकरण किसी भी प्रकार से शिक्षा और अनुसन्धान की गुणवत्ता को नहीं बढ़ाते यह सर्वविदित है।

विज्ञान में कहावत है कि यदि किसी स्थूल पदार्थ को पहले छोटे-छोटे और फिर उन्हें सूक्षम से सूक्षमतम कणों तक बिखंडित किया जाय तो एक अदृश्य अणु प्राप्त होता है जो स्थूल अथवा भौतिक पदार्थ से सर्वथा भिन्न तो होता ही है अपितु स्थूल पदार्थ से अनेक भौतिक और रासायनिक गुणों में भी भिन्न होता है। ऐसा ही कुछ प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के साथ सरकार ने विगत वर्षों में किया है। मेरी अभी तक समझ नहीं आया कि राजस्थान प्रदेश की जो भी सरकारें आजादी के बाद बनी उन्हें सौभाग्य अथवा दुर्भाग्य से कृषि विश्व विद्यालय के औचित्य के बारे में कभी ठीक से बोध ही नहीं हो पाया। अब तो कई दशक बीत गए लेकिन एक उचित बोध किसी के मस्तिष्क में अभी तक नहीं पनप सका है।

मेरा मानना है यह प्रदेश भेड़, ऊँट, बाजरा और मक्की तक ही अपनी सोच रखता था उसके आगे नहीं। अतः कृषि के बारे में एक बृहत सोच की परिकल्पना करना युक्तसंगत नहीं रहा। फिर भारतीय परिवेश में ऐसे अनेक समुदाय हैं जो पीढ़ीओं पुरानी अपनी परम्पराओं से इतने गहरे आबद्ध हैं कि उन्हें उस परिवेश में ही परम संतुष्टि मिलती है, शायद प्रदेश के लोगों की भी ऐसी ही मनोदशा है। उससे परे वे निकलना ही नहीं चाहते। विकास से भी वे आबद्ध नहीं होना चाहते लेकिन उसका भोग करने को आतुर रहते हैं।

वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का सूत्र पात हुआ था जिसके कारण देश में आज खाद्यान उत्पादन में देश आत्मनिर्भर होकर सरप्लस में है। पहले अमेरिका से पीएल 480 योजना के अंतर्गत लाल रंग का गेंहू हम भारतीओं को सरकार खाने के लिए राशन की दुकानों से उपलब्ध करवाती थी। अनाज लेने के लिए लोग घंटों लाइन में लगकर अनाज ले पाते थे। आज स्थिति बिलकुल उलट चुकी है यह स्तिथि कैसे आई पिछली कुछ सरकारों ने इस पर मनन किया? अनाज उत्पादन में तो देश आत्मनिर्भर बना ही अन्य उत्पादन जैसे शक्कर, दूध, अंडे, मांस-मछली, विभिन्न तेल, कपास, आदि में भी देश काफी संतोषप्रद उत्पादन कर रहा है। यह सब और इससे सम्बंधित उत्पाद कृषि शिक्षा व् सतत अनुसन्धान और उत्तम बीजों के विकसित करने से संभव हो सका है। कृषि वैज्ञानिकों ने इसमें अपने कठोर परिश्रम और लगन से देश को वर्तमान स्थिति तक पहुँचाया है। सचिवालयों में बैठे प्रसाशनिक अधिकारी, जन प्रतिनिधि व मंत्री और मुख्यमंत्री संभवतः इस मूल सच्चाई से लगभग ढाई दशक से अनभिज्ञ हैं, और यह प्रभाव पीढ़िओं के अंतराल से उत्पन्न और अधिक चौड़ा हुआ है जिसके परिणाम अब दृष्टिगोचर होने लगे हैं। कृषि शिक्षा और अनुसन्धान लगभग ढाई दसक से अधोगति की तरफ अग्रसर हो चुके हैं, कुछ ही समय बाद पहले जो ढांचा खड़ा किया था वह अणुओं में बिखर अदृश्य हो जायेगा। और फिर स्वामीनाथन और वर्गीज़ सरीखे वैज्ञानिक पुनः कृषि उत्थान के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। देश के प्रधान मंत्री चहुमुखी किसान और कृषि विकास के पक्षधर हैं लेकिन उनको पता नहीं चलता कि प्रदेश की सरकारें कृषि विकास शिक्षा में अवरोध डालने के लिए कैसे मायावी ताने वाने बुनती रहती हैं ?

राजस्थान सरकार किसी संसाधन को निर्मित करने के लिए नक़ल करने को तो आतुर रहती है लेकिन उसके उपरांत निष्क्रिय हो जाती है। ऐसा ही कुछ हुआ प्रदेश में कृषि विकास को गति प्रदान करने वास्ते कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने बावत। उत्तरप्रदेश पंतनगर (अब उत्तराखंड) में देश का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद ही राजस्थान के उदयपुर में भी वर्ष 1962 में दूसरा कृषि विश्व विद्यालय बना था जो अल्प समय में ही राजनीतिज्ञों की महत्वाकांक्षाओं की भेंट चढ़ गया और सब भविष्य के गर्त में समा गया। तब से फिर वर्ष 1987 में पृथक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में विदेशी कर्ज लेकर बनाया जा सका। इससे ढांचागत सुविधा तो बना ली गई परतु आगे फिर सरकारी अफसरों की नसमझी से उसका विकास पल्लिवत नहीं हो सका, फलस्वरूप गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा और अनुसन्धान अहिरावण की गिरफ्त में चले गए। विगत वर्षों से कोई हनुमान प्रदेश में पैदा नही हुआ जो तारणहार बनता।

सरकार ने बीकानेर स्थिति विश्व विद्यालय को कुछ वर्षों बाद ही विभाजित कर चार और कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर, कोटा, जोधपुर और जोबनेर में बना दिए। ये सभी संस्थान भवनों में भले ही पूर्ण होते हों अन्य सुविधाओं यथा वांछित कृषि शिक्षक या विषय विशेषज्ञ व अनुसन्धान कर्ता संख्या में अभी पिछड़े तो हैं ही सभी अपने स्वरूपों के विखंडन का सरकारी इन्तजार भी कर रहे हैं। विखंडन पश्चात् इनके बचे स्वरूपों की क्या उपयोगिता होगी ये भविष्य बताएगा? कोई जांच एजेंसी वर्ष 2001-2 में उपलब्ध अनुमोदित वैज्ञानिकों की संख्या का आज मौजूद संख्या से मिलान करे तो किसी स्पष्टीकरण की जरुरत नहीं पड़ेगी सब कुछ स्वतः स्पष्ट हो जाएगा और कर्णधार तब जबाव देने से मुंह छिपाते दिखेंगे।

सरकार ने जब-जब कृषि विश्वविद्यालय प्रदेश में खोले, घोषणा पश्चात् सरकार ने एक तदर्थ कुलपति की नियुक्ति कर दी साथ ही सचिवालय ने एक एक्ट और उसके साथ कतिपय मोटे मोटे उपनियम (स्टटयूटस) बनाकर गजट में नोटिफिकेशन करवा कर विधिबत सञ्चालन आरम्भ करवा दिया। बाद का कार्य फिर कुलपति, सरकार व् अन्य के सहयोग से करता रहा है। विश्वविद्यालय में पढ़ाई एवं अनुसन्धान के लिए वांछित विषय वैज्ञानिकों के पद सरकार सृजित कर कुलपति को उन पर उपयुक्त नियुक्ति करने का निर्देश देती है। इस प्रकार एक महाविद्यालय में डिग्री प्रोग्राम में पढ़ाये जाने वाले विभिन्न विषयों के न्यूनतम तीन से चार लोग हो जाते हैं। उदाहरणार्थ, कृषि स्नातक कक्षाओं में अनेक मेजर और माइनर विषय पढ़ाने को होते हैं जैसे एग्रोनोमी, हॉर्टिकल्चर, प्लांट ब्रीडिंग, मृदा विज्ञान, पशुपालन व डेरी, फार्म प्रवंधन और कृषि अर्थशास्त्र, सांख्यकी, प्रसार शिक्षा आदि। फिर अन्य संकाय यथा, कृषि अभियांत्रिकी, डेरी और खाद्य प्रौद्योगिकी, मतस्य पालन विज्ञान, होम साइंस, आदि के स्नातक पाठ्यक्रम के लिए दर्जनों वैज्ञानिकों/ विषय विशेषज्ञों की जरुरत हो जाती है कियोंकि लगभग 45 से पचास विषय 8 सेमेस्टर में पढ़ाने की बाध्यता डिग्री के लिए होती है। इसलिए हर मेजर विषय को पढ़ाने तीन से चार विषय विशेषज्ञों की जरुरत होती है।

एक सेमेस्टर में छात्र को पांच या छः उपविषय चुनने होते हैं फलस्वरूप प्रति सप्ताह उसे हर प्रश्नपत्र के लिए पांच से छः घंटे पढ़ाई करनी होती है। सेमेस्टर के यदि पांच उपविषय निर्धारित हैं तो प्रति सप्ताह 32 से 40 कालांश उसको विशेषज्ञ पढ़ाते हैं। इससे अधिक भार न तो छात्र वहन कर सकता है और न ही विषय विशेषज्ञ पढ़ा सकता है। इन्ही आधारों पर पढ़ाई का कुल भार का आंकलन किया जाता है। और इसी भार पर अध्यापकों की मांग की गड़ना और स्वीकृति सरकार प्रदान करती है जिस पर कुलपति नियुक्तियाँ करते हैं। सरकार सोचती है कि विश्व विद्यालय में अध्यापक अधिक है जबकि संस्था प्रधान सदैव कमी का रोना रोते रहते हैं। तो क्यों नहीं सरकार के तथाकतिथ बुद्धिमान सचिव और संस्था के अधिष्ठाता मिलकर भार के अनुरूप स्टाफ की सख्या का आंकलन करते हैं। यदि कोई भी पक्ष इस पर अपनी बेरुखी दिखाता है तो समझा जाना चाहिए कि वह शिक्षा के प्रति वफादार नहीं हैं। इस आधार पर सरकार ने कभी कोई आंकलन न तो किया और न करवाया। फिर अध्यापकों की मांग और आपूर्ति पर सामन्जस्य कैसे बैठे ?

इस समस्या समाधान के लिए जब तक सरकार अपना लंगोट बांधती है तब तक एक सेमेस्टर बिना पढ़ाये बीत जाता है, और छात्र भले ही परीक्षा में उत्तीर्ण हो जायँ कृषि अनुसन्धान परिषद् के नेट पर उपलब्ध नोट्स पढ़कर, गुणवत्ता में वह टीचर द्वारा पढ़ाये हुए की बराबरी नहीं कर सकता। यह बात अभी कुछ दिन पूर्व ही प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी ने कही जो अखवारों की सुर्खियां भी बनी। यह पहला अवसर है जब मैंनें किसी मुख़्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से यह स्वीकारोक्ति करते सुना हों। उन्होंने कहा कि हज़ार लाइब्रेरी भी एक टीचर की बराबरी नहीं कर सकती।

मुख्यमंत्री के सार्वजानिक कथन से प्रेरित होकर और कुछ वरिष्ठ वैज्ञानिकों के अनुरोध पर ही मैंनें यह लेख लिखने का मानस बनाया। मुझे अब कहने में बिलकुल भी संकोच नहीं कि प्रदेश की कृषि शिक्षा की गुणवत्ता का बंटाधार और अवनति के लिए प्रदेश की पूर्व की कोंग्रेसी और बीजेपी सरकारें एक के बाद एक पूर्णरूप से दोषी हैं। आगे भविष्य बताएगा जब करोड़ों के उपकरण भी धूल चाटकर और जंग खाकर बिना उपयोग में लिए कवाड़ में बिकेंगे। उन सबकी खरीद पर काफी व्यय सरकार, कृषि अनुसन्धान परिषद् और विश्व बैंक कोष से अनुदान स्वरुप मिला धन खर्च हुआ है। सब व्यर्थ हो गया बीस पच्चीस वर्षों में। धन के अपव्यय की ऐसी मिसाल इस प्रदेश में ही मिलती है अन्य जगह नहीं। इसका मूल कारण जवावदेही की कमी। हम सरकार में बिराजमान सुप्रीम सचिवों को तो जवाब देह ठहरा नहीं सकते भले ही वे किसी मसले पर अनुमति देर से दें या बिलकुल न दें? विश्वविद्यालय भवनों से नहीं चलते वे ज्ञानी और अनुभवी विषय विशेषज्ञों से संचालित होते हैं और विश्वविद्यालय भी चापलूसी से नियुक्त कुलपति और वैज्ञानिकों से भी नहीं चला करते उनके लिए विद्वान्, कर्मठ और ईमानदार लोग ही सही संचालन कर सकते हैं।

बड़ी विडम्बना एक और है कि छात्र वर्ग अब निर्विचार हो चुका है उसे कोई मतलब नहीं कुछ भी होता रहे जबकि उसके अधिकारों पर यह सीधा कुठारा घात है। उसे तो बस डिग्री मिलनी चाहिए जो उसे वर्तमान में मिल ही जाती है। लगभग पांच दसक पूर्व बाबू जयप्रकाश नारायण जी ने छात्र और युवाओं के सहयोग से देश में भूचाल ला दिया था यह विदित ही है। तब के एक रेल मंत्री ने भी ऐसा चक्का जाम किया था कि स्टेशन पर डिब्बे और इंजन भी नदारद हो गए थे और स्टेशन लगता सम शान स्थल। अब वो लीडरशिप कहाँ है खाना तो वही है आबोहवा भी वही फिर अपना भला बुरा देखने की प्रवति का लोप हमारे युवाओं में क्यों हो गया? उनकी शिक्षा पर व्यय माता-पिता करते हैं फिर वे भी सब उदासीन ?

कृषि शिक्षा व अनुसन्धान के गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु प्रत्येक महाविद्यालय में नियमानुसार दो कमेटी यथा डिपार्टमेंट समिति ,बोर्ड ऑफ़ स्टडीज समिति या कोर्स समिति होती हैं वैसे तो इनमे सदस्पता निर्धारित है परन्तु विभागाध्यक्ष के निर्देश पर सभी लोग इनमे भाग लेते हैं। यही वो जगह है जहाँ विषय पढ़ाने पर आयी किसी भी बाधा पर सभी दृष्टिओं से संवाद होकर हल निकाला जाकर सुचारु पढ़ाई संभव होती है। वर्तमान में जब वांछित संख्या में विषयवार विशेषज्ञ ही न हों तो फिर न तो कोई समिति संभव है और न कोई सम्बाद। लिहाजा विषय की पढ़ाई जैसे तैसे लचर-पचर चलती रहती है। पढ़ाने वाले ने जैसा संभव बन पडा पढ़ा दिया, गुणवत्ता बढ़ाने की कोई संभावना नहीं रहती। उपरोक्त समितियां होते हुए छोटे अनुसन्धान के लिए भी सम्बाद कर कुछ रिसर्च भी सम्पादित संभव हो जाती है। और कभी बड़े प्रोजेक्ट की आधारशिला बनाकर उनके लिए वांछित आर्थिक मदद के लिए किसी बड़ी संस्था को अग्रेषित कर दिए जाते हैं। ध्यान रहे विभाग के स्थाई वैज्ञानिक ही इस कार्य को संपन्न करने के योग्य माने जाते हैं। इसलिए एक विभाग उन्नति के लिए ऐसे काम करता है जैसे फौज में सिपाही अपनी यूनिट के लिए। इसलिए शिक्षकों की सख्या में अपार कमी से संस्था के सञ्चालन हेतु बने एक्ट आदि नियमावली के प्रावधान स्वतः राज्य सरकार के हाथ अपास्त हो चुके हैं।

सड़क से बटोरे शिक्षकों से ऐसी सब अपेक्षायें नहीं की जा सकती कि वे विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में छात्रों के लिए कोई निर्णय करें इसके लिए नियमों में भी कोई प्रावधान नहीं है ऐसे टीचर वास्तव में विश्व विद्यालय पर एहसान करते हैं जिससे संस्था को कहने को होजाता है कि छात्रों की पढ़ाई ठीक से जारी है। इसी प्रकार यूनिवर्सिटी स्तर पर अकादमिक कौंसिल भी होती है जिसमे अक्रॉस फैकल्टी विभिन्न संकाय / विषयों के सदस्य होते हैं कुछ विषय विशेषज्ञ अन्य संस्थानों से भी नामित किये जाते हैं ताकि उनके अनुभव का लाभ भी प्राप्त हो सके। अकादमिक उन्नयन के लिए ये तीन समीतिआं आवश्यक समझी गई हैं। सरकार द्वारा शिक्षकों के बिगाड़े गए संतुलन से विश्व विद्यालय इन समितिओं के कार्य को कैसे सम्पादित कराते हैं? यह जांच का मुद्दा है।

शिक्षा के सुचारु प्रवंधन के लिए संस्था हेड की नियुक्ति कुलपति बिना किसी नियम कायदों के करते हैं स्वाभाविक है ऐसे में जिस प्रकार सरकार कुलपति नियुक्त करती है, कुलपति भी अपने स्वंय के विवेक से महाविद्यालय अधिष्ठाता और निदेशक अनुसन्धान व् निदेशक प्रसार शिक्षा और विभागाध्यक्ष नियुक्त कर देते हैं यह सब वांछित और अनुमोदित योग्यताओं की अनदेखी कर संपन्न होता है।

कुछ भी हो, नियम कायदे और योग्यता अनुभव को दरकिनार कर जब ऐसे कार्य किसी शिक्षा संस्थान में होते हैं तो संशय शंकाएं और स्टाफ में असहयोग बलवती होने लगता है और परणिति आखिर में बताता चलू कि कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा कृषि विश्व विध्य्लयों के लिए मानक प्रमाणिकता (एक्रीडिटेशन) की बाध्यता आज थोथी बन चुकी है वर्तमान स्थिति में इसका औचित्य प्रश्नात्मक है। विश्व् विद्यालय स्तर पर ऐसी मानक वाध्यता स्नातकोत्तर विषय पढ़ाने के लिए भी होती है जिसे विश्व विद्यालय की पी.जी. कौंसिल विशेषज्ञ की योग्यता और अनुभव के आधार पर प्रदान करती है। जिससे व्यक्ति स्नातकोत्तर कक्षाएं पढ़ाने के लिए अनुमोदित होता है। काफी कुछ पक्ष कृषि शिक्षा संस्थानों में व्याप्त मसलों पर मैंनें वर्णित कर दिए हैं, जिन्हें समय रहते सरकारी और विश्वविद्यालय स्तर पर सुधारना आवश्यक है। सरकार यदि अपना दृष्टिकोण बदलने में सक्षम नहीं है तो अन्य विकल्प, कृषि शिक्षा की सम्पूर्ण जिम्मेदारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् को बजट सहित हस्तांतरित कर दे, इसी में प्रदेश की भलाई है।

मनन करें, विचारें, साथिओं से सम्बाद करें और यदि आप उपरोक्त कथन से सहमत हैं तो और क्या और कैसे किया जा सकता है? ध्यान रहे सभी कुछ सरकार पर छोड़ने की अपेक्षा सरकार को देश हित और कृषि शिक्षा हित के लिए उचित तरीके से बाध्य करना और उत्तरदायी बनाना हम सब का उत्तरदायुत्व है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं अधिष्ठाता,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान

बोराज गांव में फिर पैंथर का आतंक, ग्रामीणों में दहशत

अजमेर, (कासं)। वरुण सागर स्थित बोराज गांव में एक बार फिर पैंथर का आतंक नजर आया। रविवार देर रात पैंथर ने बाड़े में घुसकर गौवंश को अपना शिकार बनाया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर पैंथर पास के पहाड़ों की ओर भाग गया, लेकिन गांव में अब भी दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने सोमवार को वन विभाग को सूचना देकर पिंजरा लगाकर पैंथर को पकड़ने की मांग की है।

- **पैंथर ने बाड़े में घुस कर गौवंश को शिकार बनाया, ग्रामीणों के शोर मचाने पर पहाड़ों की ओर भाग गया**
- **ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर पिंजरा लगाकर पैंथर को पकड़ने की मांग की**

ग्रामीण गामा रावत ने बताया कि रविवार देर रात बोराज गांव में लेपर्ड एक घर के पीछे बाड़े में घुस गया था। लेपर्ड ने वहां पर बकरी और गाय के बछड़े पर हमला कर दिया। हमले में गाय के बछड़े दम तोड दिया। जानवरों की आवाज सुनकर ग्रामीण नींद से जाग गये और उन्होंने देखा कि पैंथर गाय के बछड़े को खा रहा था। ग्रामीणों की आवाज सुनकर पैंथर वहां से भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि गाय ने एक माह पहले ही बछड़े को जन्म दिया था। पैंथर के हमले में बछड़े की मौत हो गई। सुबह तक गाय बछड़े के पास खड़ी रही और उसे छोड़ने को तैयार नहीं थी। बछड़े के शरीर पर पैंथर के पंजों के निशान नजर आ रहे हैं।

नवयुवक मंडल अध्यक्ष गामा रावत ने बताया कि पैंथर की हलचल गांव के आसपास लंबे समय से बनी हुई है। गत दिनों भी चामुंडा माता मंदिर के पास ग्रामीण लाखन सिंह पुत्र मोहन सिंह के जानवरों को पैंथर ने अपना शिकार बनाया था। उन्होंने वन विभाग से पिंजरा लगाने और पैंथर को पकड़ने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के आसपास के पहाड़ी क्षेत्र पैंथर का सुरक्षित ठिकाना बन गया है। रात के समय वह अक्सर गांव में घुस आता है। इससे गांव के पशुपालक और किसान दहशत में हैं। पैंथर मूवमेंट की वन विभाग को सूचना दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते वन विभाग ने ठोस कदम नहीं उठाए तो बड़े हादसे की आशंका बनी रहेगी।

अवैध बजरी खनन व परिवहन जारी, प्रशासन मौन

बौंली/बामनवास, (निसं)। क्षेत्र में सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेशों के बाद भी अवैध बजरी खनन व परिवहन बेधड़क चल रहा है। क्षेत्र के सभी प्रमुख मार्ग व ग्रामीण सड़कों पर बजरी से भरे डंपर, ट्रैक्टर-ट्रॉली व छोटे ट्रक हर समय दौड़ते नजर आते हैं, इनके कारण अनेकों दुर्घटनाओं में लोग जान गवा चुके हैं

गौरतलब है कि सबसे बड़ी बात यह है बौंली नगर के मुख्य सड़क मार्ग निवाई, बौंली व लालसोट मार्ग पर पुलिस थाने के सामने से अवैध बजरी के वाहन निकालते रहते हैं, उनको नगरवासी तो देखते हैं, लेकिन पुलिस की नजर ही नहीं पड़ती, कुछ बजरी माफिया तो जब यह अवैध बजरी से भरे ओवरलोड वाहन निकलते हैं तो मेन रोड लाइट को ही बंद कर देते हैं। वहीं रात्रि के समय में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पिलर नंबर 258.5 पर बजरी माफियाओं ने फिर से अपना अखाड़ा जमा लिया है। कुछ दिनों पूर्व ही यहां पर एक सड़क दुर्घटना में पूरा परिवार मौत के मुंह में समा गया था, फिर भी पुलिस प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। बौंली पुलिस ने 14 व 15 सितंबर को कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर ट्राली जब्त की है।

पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि उप निरीक्षक राजेंद्र गिरी, हैड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह व हैड कांस्टेबल सुनील दत्त के नेतृत्व में गठित अलग-अलग तीन टीमों ने रामदेव तिराहा के पास खिरनी व ग्राम बहनौली, पीपलवाड़ाव चांदा की झोपड़ियां से दबिश देकर अवैध बजरी खनन व परिवहन करते तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया है। चालक व मलिक पुलिस टीम को देखकर फरार हो गए।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 16 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र प्रातः 6:46 तक, वारियान योग रात्रि 12:34 तक, वणिज करण दिन 12:57 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:29 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से प्रातः 6:46 तक है। कुमार योग प्रातः 6:46 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 12:57 से रात्रि 12:23 तक है। आज आश्विन संक्रांति, सूर्य कन्या में रात्रि 1:47 पर प्रवेश करेगा। आज दशमी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:19 से 10:50 तक, लाभ-अमृत 10:50 से 1:53 तक, शुभ 3:25 से 4:36 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:27

मेष

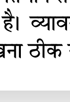

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन

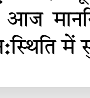

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आज मानसिक तनाव नहीं रहेगा। मनःस्थिति में सुधार होगा।

कर्क

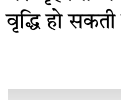

व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला

नवीन कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

धनु

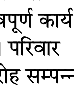

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

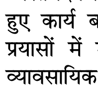

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

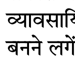

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन

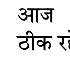

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 46 प्रभात जयपुर, मंगलवार 16 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

He Invented The Zoo But Tested On People First

In 1874, when a friend suggested that Hagenbeck display indigenous Sami herders, alongside his next shipment of Scandinavian reindeer, the impresario needed no convincing

Words With A History

Meet the First Barbie With Type 1 Diabetes

वक्फ अमैंडमैंट एक्ट के तीन विवादास्पद प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगाया

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि शेष अधिनियम के खिलाफ कोई केस नहीं बनता है

- **चीफ जस्टिस गवई और जस्टिस मसीह की बैंच ने जिन तीन प्रावधानों पर रोक लगाई है, उनमें पहला कलैक्टर को दिए गए ''अत्यधिक'' अधिकारों से संबंधित है। कोर्ट ने कहा, कलैक्टर को नागरिकों के निजी अधिकारों का निर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह ''सैपरेशन ऑफ पावर्स'' के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। जब तक इस प्रावधान पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक इस धारा को स्थगित किया जाता है।**
- **दूसरा प्रावधान वक्फ बोर्ड तथा केन्द्रीय वक्फ काउन्सिल में गैर मुस्लिम सदस्यों से संबंधित था, कोर्ट ने इसे भी स्थगित कर दिया है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर भी रोक लगा दी, जिसके तहत 5 साल से इस्लाम का पालन करने वाला व्यक्ति ही वक्फ घोषित कर सकता है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की तीन प्रमुख धाराओं पर अंतरिम रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि पूरे कानून पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं है, लेकिन जिन धाराओं पर संवैधानिकता को चुनौती दी गई है, उन पर निर्णय आने तक उन्हें स्थगित रखा जाएगा।

अधिनियम में जिलाधिकारी को दिए गए अत्यधिक अधिकारों पर सवाल उठाते हुए कोर्ट ने कहा:

''कलेक्टर को नागरिकों के निजी अधिकारों का निर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इससे सत्ता के पृथक्करण (सैपरेशन ऑफ पावर्स) के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। जब तक वक्फ ट्रिब्यूनल द्वारा कोई निर्णय नहीं होता, तब तक किसी तीसरे पक्ष के पक्ष में कोई अधिकार नहीं बनाया जा सकता। इसलिए, कलेक्टर को दिए गए ऐसे अधिकारों वाली धारा स्थगित की जाती है।''

नए कानून के अनुसार, जिलाधिकारी को वक्फ संपत्ति के स्वामित्व से जुड़े विवादों में अंतिम निर्णायक बना दिया गया था। अधिनियम में कहा गया था: ''यदि जिलाधिकारी की रिपोर्ट में उल्लेख है कि संपत्ति (पूरी या आंशिक रूप से) विवादित है या सरकारी संपत्ति है, तो उस हिस्से को वक्फ के रूप में पंजीकृत नहीं किया जाएगा, जब तक कि किसी सक्षम न्यायालय द्वारा विवाद का निपटारा न हो जाए।''

इस प्रावधान का मुस्लिम संगठनों ने विरोध करते हुए कहा था कि इससे वक्फ संपत्तियों पर अवैध दावों की बाढ़ आ जाएगी।

पीठ ने यह भी कहा कि किसी वक्फ बोर्ड में तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए और केंद्रीय वक्फ परिषद में चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश गवई ने यह भी कहा कि कानून में जो प्रावधान था कि ''कोई व्यक्ति जिसने कम से कम पांच वर्षों तक इस्लाम का पालन किया हो, वही वक्फ घोषित कर सकता है,'' उसे भी स्थगित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''ऐसे किसी तंत्र के बिना यह प्रावधान मनमानी शक्ति के प्रयोग का कारण बन सकता है।''

कोर्ट ने यह भी कहा कि उसका रुख हमेशा यह मानकर चलता है कि कोई भी कानून संविधान के अनुकूल होता है, और किसी अधिनियम में हस्तक्षेप ''बहुत ही दुर्लभ मामलों में'' किया जाना चाहिए।

1995 के वक्फ कानून में संशोधन, जिसे अप्रैल में संसद ने पारित किया और राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई, के बाद देश भर में विरोध-प्रदर्शन हुए। मुस्लिम संगठनों ने इसे संविधान-विरोधी बताते हुए वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने साजिश करार दिया था। वहीं सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि कई वक्फ संपत्तियां भूमि विवादों और अतिक्रमण में फंसी हैं, और नया कानून इन्हें सुलझाने के लिए है।

वक्फ संशोधन अधिनियम को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

88 वर्षीय महिला की पैंशन क्यों रोकी?

जयपुर, 15 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 88 वर्षीय महिला को अतिरिक्त राशि देने को आधार बनाकर उसकी फैमिली पेंशन रोकने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पेंशन निदेशक, कोषाधिकारी और एसबीआई के शाखा प्रबंधक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश शशिकला बाबेल की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाई कोर्ट ने पैंशन निदेशक, कोषाधिकारी व एसबीआई के शाखा प्रबंधक से जवाब मांगा।**

याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पति कार्मिक विभाग से सितंबर, 1994 में सहायक सचिव पद से रिटायर हुए थे। इसके बाद उनकी पेंशन आरंभ हो गई। वहीं अगस्त, 2008 में पति का निधन होने पर विभाग ने याचिकाकर्ता को फैमिली पेंशन देना शुरू कर दिया। याचिका में कहा गया कि 26 दिसंबर, 2024 को कोषागार अधिकारी ने याचिकाकर्ता को पत्र लिखकर जानकारी दी कि उसे 8.76 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान हो गया है और संबंधित बैंक को कोषागार के पक्ष में इस राशि का डीडी जमा कराने को कहा गया है।

याचिका में कहा गया कि इस पत्र के आधार पर बैंक ने गत जनवरी माह से उसकी पेंशन का भुगतान रोक लिया। याचिका में कहा गया कि वह 88 साल की महिला है और पूरी तरह इस पेंशन पर आश्रित है। इसके अभाव में बीते करीब नौ माह से उसका जीवन यापन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिहार के एस.आई.आर. में हम अलग से निर्णय नहीं दे सकते'

सुप्रीम कोर्ट ने साथ में यह भी कहा कि चुनाव आयोग, एक संवैधानिक संस्था है, अतः हम मानते हैं कि सभी कानून व कायदों का अनुसरण कर रहा होगा, नई मतदाता सूची बनाने में

- **पर, अगर यह पाया गया कि सूची फाइनल करने की प्रक्रिया में कुछ गैरकानूनी तरीके अपनाये गये हैं, तो सूची बनाने की पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जायेगी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब सुप्रीम कोर्ट को यह बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद, चुनाव आयोग के अधिकारी, आधार कार्ड को उस बारहवें दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिसकी आवश्कता होती है, नाम व पते के प्रमाण के लिए।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15, सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन-एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई गैरकानूनी तरीका पाया गया, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।

बैंच ने यह स्पष्ट किया कि वह केवल बिहार के मामले में टुकड़ों में राय नहीं दे सकती, बल्कि यह निर्णय देशभर में होने वाले सभी एसआईआर प्रक्रियाओं पर लागू होगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि वह यह मानकर चलती है कि चुनाव आयोग, एक संवैधानिक संस्था होने के नाते, एसआईआर की कवायद में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अंतिम सुनवाई की तारीख 7 अक्टूबर तय की है, जिसमें बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया की वैधता पर बहस होगी। इससे पहले, कोर्ट ने 8 सितम्बर (सोमवार) को आदेश दिया था कि इस समय चल रही एसआईआर में, आधार कार्ड को बिहार के मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 12वें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। कोर्ट का यह हस्तक्षेप तब आया, जब उसे ऐसी शिकायतें मिलीं कि चुनाव अधिकारी पहले के निर्देशों के बावजूद आधार को मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार कर रहे थे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं जॉयमाल्या बागची की बैंच ने चुनाव आयोग की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि भले ही आधार ''नागरिकता का प्रमाण नहीं'' हो सकता, लेकिन यह पहचान और निवास का ''वैध दस्तावेज'' है

यह सुनवाई उन ''आशंकाओं और आरोपों'' के संदर्भ में हो रही है, जो ''विपक्षी दलों'' ने उठाए हैं कि प्रक्रिया के तहत असली मतदाताओं के नाम बिना उचित सत्यापन के हटा दिए जा रहे हैं।

विपक्ष का कहना है कि यह एसआईआर प्रक्रिया ''अनुचित सफाई अभियान'' है, क्योंकि नाम जोड़ने के लिए जिन 11 दस्तावेजों की जरूरत बताई गई है, उसमें आधार कार्ड शामिल नहीं था, जबकि यह अन्य दस्तावेजों की अपेक्षा आम नागरिकों के पास सामान्यत: होता ही है। चुनाव आयोग ने ''18 अगस्त'' को उन 65 लाख लोगों के नामों की सूची जारी कर दी थी, जो एसआईआर प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से हटाये गये हैं।

'आयकर रिटर्न जमा करने की डैड लाइन नहीं बढ़ाई गई है'

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने डैड लाइन 30 सितम्बर किए जाने की वायरल खबर को फ़र्ज़ी करार दिया

- **हाल ही में वॉटसएप और सोशल मीडिया पर यह खबर वायरल हो रही है कि आयकर रिटर्न की डैड लाइन, जो पहले 15 सितम्बर थी, को बढ़ाकर 30 कर दिया गया है।**
- **वित्त मंत्रालय ने कहा कि ऐसा कोई सरकारी नोटिस जारी नहीं किया गया है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15, सितंबर। अगर आपने भी यह वायरल हुई खबर देखी है कि इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 सितम्बर तक बढ़ा दी गई है, तो सतर्क हो जाइए, यह दावा फर्जी है।

इनकम टैक्स विभाग ने पुष्टि की है कि आधिकारिक अंतिम तिथि सोमवार, 15 सितम्बर ही है।

वॉट्सएप और सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे एक भ्रामक संदेश में दावा किया गया है कि केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की तारीख 30 सितम्बर तक बढ़ा दी है।

वित्त मंत्रालय ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि पहले से बढ़ाई गई 15 सितम्बर की तारीख के बाद कोई आधिकारिक आदेश या अधिसूचना जारी नहीं की गई है। विभाग ने इस फर्जी प्रेस विज्ञप्ति को ऑनलाइन साझा किया है, जिस पर ''फेक'' (फर्जी) की लाल मुहर लगी हुई है ताकि करदाताओं को सचेत किया जा सके।

एक बयान में विभाग ने कहा: ''एक फर्जी खबर प्रसारित हो रही है, जिसमें कहा गया है कि आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि (जो पहले 31.07.2025 थी और फिर 15.09.2025 तक बढ़ाई गई) को और बढ़ाकर 30.09.2025 कर दिया गया है। आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15.09.2025 ही बनी हुई है। करदाताओं को सलाह दी जाती है कि केवल आधिकारिक ''इनकम टैक्स इंडिया अपडेट'' पर ही भरोसा करें।''

15 सितम्बर की अंतिम तिथि उन करदाताओं पर लागू होती है, जो टैक्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायकों की खरीद -फरोख्त के मामले का हाई कोर्ट ने केस बंद किया

जयपुर, 15 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने विधायकों की खरीद-फरोख्त से जुड़े एसीबी प्रकरण में, एसीबी की ओर से पेश एफआर के आधार पर केस को बंद कर दिया है। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने ये आदेश भरत मालानी व अशोक सिंह की आपराधिक याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि एसीबी ने स्वयं ही प्रकरण में अपराध बनना प्रमाणित नहीं मानते हुए एफआर पेश की है। ऐसे में एफआईआर को चुनौती देने का कोई औचित्य नहीं है।

- **अदालत ने कहा एसीबी ने अपराध को प्रमाणित नहीं मानते हुए एफआर पेश की है।**

याचिकाकर्ताओं की ओर से पांच साल पहले पेश याचिका में एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोई भी भारतीय क्रिकेटर पाकिस्तान के खिलाफ खेलना नहीं चाहता था'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने भारतीय टीम को मजबूर किया था, पाकिस्तान के साथ खेलने के लिए

- **स्पोर्ट्स तक चैनल से एक वार्ता में सुरेश रैना ने दावा किया कि एक भी भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के साथ खेलने के लिए मन से तैयार नहीं था।**
- **भारतीय टीम की अनिच्छा पूरे मैच के दौरान नज़र आई। जब भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से बात करना तो दूर औपचारिक ''हैंड शेक'' तक नहीं किया।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने दावा किया है कि एशिया कप 2025 की टीम में शामिल किसी भी भारतीय खिलाड़ी की दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने में कोई रुचि नहीं थी, लेकिन बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के दबाव में खिलाड़ियों को मैदान में उतरना पड़ा।

रविवार को एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने केवल खेल पर ध्यान केन्द्रित रखा। खेल के दौरान बल्ले और गेंद के बीच की प्रतिस्पर्धा को छोड़कर दोनों टीमों के बीच कोई मेलजोल नहीं हुआ। पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाना भारतीय टीम का पूर्व नियोजित निर्णय था, जिससे सलमान अली आगा की अगुवाई वाली पाक टीम हैरान रह गई। अब यह भी सामने आया है कि भारतीय खिलाड़ी यह मैच खेलना ही नहीं चाहते थे।

स्पोर्ट्स तक के साथ बातचीत में पूर्व भारतीय स्टार क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा, ''मेरी जानकारी के अनुसार, टीम का कोई भी खिलाड़ी एशिया कप खेलना नहीं चाहता था। एक तरह से वे मजबूर थे क्योंकि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट खेलने के लिए हामी भर दी थी।'' रैना ने कहा, ''मुझे दुख है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ खेला, लेकिन मैं दावे से कह सकता हूं कि अगर सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम से व्यक्तिगत राय ली जाती, तो वे मना कर देते।

किसी का मन नहीं था खेलने का।'' पहलगाम आतंकी हमला, और उसके बाद शुरू हुए ''ऑपरेशन सिंदूर'' के चलते, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते एक अपूर्व निचले स्तर पर पहुंच गए। दोनों देशों के बीच के तनाव को मद्देनज़र रखते हुये, यह भी सवाल उठने लगे थे कि इस साल एशिया कप होगा भी या नहीं। लेकिन अंतत: बीसीसीआई और अन्य क्रिकेट बोर्डों ने टूर्नामेंट कराये जाने पर सहमति जताई।

बीसीसीआई द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने की मंजूरी दिए जाने के बाद, मैच के बहिष्कार की मांग भी उठी थीं। सोशल मीडिया पर भी इस मैच को लेकर गहरी नाराजगी देखी गई। फिर भी भारतीय टीम ने शोर को नज़रअंदाज़ कर निर्धारित मैच खेलने का साहस दिखाया।

भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर मैदान पर जीत तो हासिल की ही, साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता का संदेश भी दिया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 15 मूक बधिर बच्चे हवाई यात्रा करेंगे

नयी दिल्ली, 15 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर 15 मूक-बधिर बच्चे हवाई यात्रा करेंगे। पूर्वी दिल्ली के पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल के प्रयास से पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित प्रमिला बाई मूक-बधिर स्कूल के 15 बच्चे और 3 शिक्षिकाएं हवाई जहाज से जयपुर जाएंगे।

- **ये बच्चे तीन शिक्षिकाओं के साथ 16 सितम्बर को हवाई जहाज से जयपुर जायेंगे।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का भरपूर स्वागत किया

विपक्ष के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट का आदेश उनके सोच व तर्क की पुष्टि है, वक्फ संशोधन विधेयक असंवैधानिक है तथा मुसलमानों को लक्ष्य बनाकर गढ़ा गया है

- **पर, सरकार का कहना है, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि पूरे विधेयक के क्रियान्वयन पर ''स्टे'' लगाने की जरुरत नहीं, पर, विधेयक के कुछ अंश पर ''पॉज़'' का बटन लगाने की जरुरत है, जब तक उस याचिका पर निर्णय नहीं होता जिसमें विधेयक की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है।**
- **जयराम रमेश, एम.के. स्टालिन, के.सी. वेणुगोपाल, तृणमूल सांसद सागरिका घोष, अखिलेश यादव, जमीअत-ए-हिन्द नेता मौलाना अरशद मदनी, ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम ''स्टे'' का स्वागत करते हुए कहा कि इस आदेश से यह साबित हुआ कि जनता में जो विश्वास व भरोसा सुप्रीम कोर्ट के बारे में है, वो जायज़ है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15, सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने संसद द्वारा इस साल अप्रैल में पारित नए वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की कुछ अहम धाराओं के लागू होने पर आज रोक लगा दी। विपक्ष ने इस अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि यह साबित करता है कि उनका यह कहना सही था कि यह क़ानून असंवैधानिक है और इसे जानबूझकर एक समुदाय को निशाना बनाने के लिए लाया गया है।

वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम की प्रमुख धाराएँ, जिन पर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए थे, अब रोक दी गई हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इनमें से कुछ प्रावधान शक्तियों के ''मनमाने'' इस्तेमाल का रास्ता खोलते हैं।

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने कहा कि पूरे क़ानून पर रोक लगाने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन कुछ धाराओं को सुरक्षा चाहिए। इन धाराओं को तब तक रोका गया है, जब तक इस अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फ़ैसला नहीं हो जाता।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को, संसद में इस क़ानून का विरोध करने वालों की जीत बताया।

उन्होंने कहा, आज का आदेश न सिर्फ़ उन दलों की जीत है, जिन्होंने संसद में इस मनमाने क़ानून का विरोध किया था, बल्कि उन सभी संयुक्त संसदीय समिति के सदस्यों की भी जीत है, जिन्होंने विस्तार से असहमति दर्ज कराई थी, जिसे नज़रअंदाज़ किया गया था, पर अब वो सही साबित हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा, इस आदेश से सुप्रीम कोर्ट ने कलेक्टर की शक्तियों पर रोक लगाई है, मौजूदा वक़्फ़ संपत्तियों को संदिग्ध दावों से सुरक्षित किया है और उस धारा पर रोक लगाई है, जिसमें वक़्फ़ बनाने के लिए 5 साल से मुसलमान होने का सबूत माँगा गया था। यह आदेश न्याय, समानता और भाईचारे जैसे संवैधानिक मूल्यों की जीत है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, जिनकी पार्टी डीएमके याचिकाकर्ताओं में शामिल थी, ने कहा, यह आदेश भाजपा सरकार द्वारा किए गए असंवैधानिक और ग़ैरक़ानूनी संशोधनों को रद्द करने की दिशा में एक बड़ा क़दम है। डीएमके ने शुरू से ही संसद में इस विधेयक का विरोध किया था।

उन्होंने आगे कहा, आज का आदेश जनता की उस उम्मीद और भरोसे को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सही'

नयी दिल्ली, 15 सितंबर। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत का निर्णय लोकतंत्र के हित में है।

- **संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने विधेयक को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है। यह निर्णय लोकतंत्र के हित में है।**

रिजिजू ने वक्फ संशोधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घग्घर नदी का पानी अनूपगढ़ क्षेत्र के किसानों के लिए मुसीबत बना

प्रशासन ने फसलों को बचाने के लिए किसानों की मदद से खेतों के पास बांध बनवाए थे, पर पानी की अधिक आवक के कारण बांध टूट गए

- बांध टूटने के कारण लगभग 3200 बीघा में खड़ी 15 करोड़ रुपए की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई
- 'किसानों द्वारा सूचना मिल रही है कि बांध टूटने से काफी फसल खराब हो गई है, एसडीम के निर्देशों पर खराब फसल का सर्वे किया जा रहा है'

अनूपगढ़, (निसं)। क्षेत्र में घग्घर नदी के पानी से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित गांव 35 एपीडी, 34 एपीडी, 36 एपीडी, एक बीएसएम और 2 बीएसएम में नरमे और धान की फसलें जलमग्न हो गई है।

घग्घर नदी को इस क्षेत्र की जीवनदायिनी माना जाता है। इसका पानी जमीन को रिचार्ज करता है और उर्वरक शक्ति बढ़ाता है, लेकिन इस बार नदी का पानी किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। प्रशासन ने फसलों को बचाने के लिए किसानों की मदद से खेतों के पास बांध बनवाए थे। पर पानी की अधिक आवक के कारण बांध टूट गए। इससे लगभग 3200 बीघा में खड़ी 15 करोड़ रुपए की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। किसान अपनी आंखों के सामने फसलों को डूबते देख रहे हैं। वे इस स्थिति में कुछ भी नहीं कर पा रहे है। प्रशासन अब नुकसान का आंकलन करने के लिए सर्वे करवा रहा है। जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजू के द्वारा घग्घर नदी से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया गया था तो उस दौरान ग्रामीण कश्मीर कम्बोज सहित अन्य किसानों ने जिला कलेक्टर को बता दिया था कि नदी के बांध कमजोर हो चुके हैं और यह बांध कभी भी टूट सकते हैं।

इस पर जिला कलेक्टर ने कहा था कि बीएसएफ के अधिकारियों से अपील की जाएगी कि पानी को आगे जाने के लिए रास्ता दिया जाए और वहीं सिंचाई विभाग और फ्लड विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए थे कि बांधों को मजबूत किया जाए, मगर आज गांव 35 एपीडी में कटाव आने के कारण करीब 1250 बीघों में खड़ी नरमे और धान की फसल खराब हो गई।

किसान बलराज सिंह ने बताया कि घग्घर नदी के पानी को निकालने के लिए सही रास्ते की जरूरत है, मगर प्रशासन घग्घर नदी के बहाव के लिए सही रास्ता नहीं बना पाया। प्रशासन गांव को बचाने के लिए, किसानों के खेतों के पास बने बांध तुड़वा रहा है, जिस कारण से किसानों की फसल खराब हो रही है। उन्होंने बताया कि इन दिनों किसानों के खेत में नरमें और धान की फसल है। धान की फसल करीब चार से पांच फीट की ऊंचाई तक पहुंच चुकी है, मगर नदी के पानी ने सारी फसल को डूबा दिया है।

किसान नवीन बिश्नोई और मोनू स्वामी ने बताया कि घग्घर नदी में एक बार पानी की आवक कम हो गई थी, मगर वापस से पानी बढ़ने लग गया है। वापस पानी बढ़ने के कारण और पानी जाने के लिए रास्ता नहीं होने के कारण भारत पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास के किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अगर बांध टूटता है तो किसान जनजीवन भी प्रभावित हो जाएगा। प्रशासन के द्वारा कोई विशेष बंदोबस्त नहीं किया जा रहे हैं। इस कारण से ग्रामीण अपने ही स्तर पर और अपने ही खर्च पर बांधों को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से भी सहयोग की अपील की है।

पटवारी इंद्रजीत ने बताया कि किसानों के द्वारा सूचना मिल रही है कि बांध टूटने से काफी फसल खराब हो गई है। उन्होंने बताया कि एसडीम सुरेश राव के निर्देशों पर खराब फसल का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे की रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को सौंप जाएगी और फिर सरकार को भिजवाई जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि जिन किसानों का नुकसान हुआ है उन किसानों को नियम अनुसार मुआवजा दिलवाया जाए।

कार से अवैध नकदी व दस्तावेज जब्त

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान कार जब्त कर नकदी व बैंक से जुड़ दस्तावेज जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी मय टीम रविवार को तलाशी अभियान के दौरान जहां मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर दिक्षित कलाल पुत्र प्रवीण कलाल निवासी गामा बामणिया सागवाड़ा ओवरी डूंगरपुर द्वारा बैंक खाते खरीद फरोख्त करने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां अटलबीहारी वाजपेयी सामुदायिक भवन के समीप खड़ी कार में अरविन्दसिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह चौहान कार में मिला। पूछताछ में उसने दिक्षित की कार होकर उसकी कार लेकर जयपुर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने गई अपनी बहन कुसुम सौहान को लेने आने की जानकारी दी। इस पर उसकी व कार की तलाश ली तो उसमें 500 रूपये की 9 गिड्डियां कुल 4 लाख 50 हजार रूपये नकदी तथा कुछ पासबुकें सहित बैंक से संबधित दस्तावेज, हिसाब डायरी मिली तथा अरविन्द के मोबाइल में भी संदिग्ध जानकारी मिली। इस पर कार नकदी व दस्तावेज जब्त कर दिक्षित के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया, जिसकी जांच एसआई ममता देवी को सौंपी है।

घर में घुसकर दलित महिला से दुष्कर्म

महिला चिल्लाई तो पड़ोसियों ने आकर बचाया, युवक घर में ही बक्से में छुप गया, पुलिस को सौंपा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र में एक युवक ने महिला को घर में अकेली देखकर मौका पाते ही घर में घुस गया और छेड़छाड़ करते हुए रेप किया। वहीं महिला चिल्लाई तो पड़ोसियों ने आकर महिला का बीच–बचाव किया। वहीं युवक महिला के घर में ही लोहे के बक्से में छुप गया आसपास के पड़ोसी दौड़कर आए और घर की तलाशी ली। इस दौरान युवक लोहे के बक्से में बैठा हुआ दिखाई दिया ग्रामीणों ने युवक को घर पकड़कर मोहल्ले में ले आए और पेड़ से बांधकर थाने में सूचना दी।

शंभूगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची ग्रामीण के चुंगल से युवक को छुड़ाकर थाने ले आई महिला ने युवक पर छेड़छाड़ अश्लील हरकत करते हुए रेप का आरोप लगाया। महिला ने दी रिपोर्ट में बताया कि शंभूगढ़ थाना क्षेत्र निवासी जगदीश पिता माधु लाल जाट मुझे कई दिनों से परेशान करते हुए अश्लील वार्तालाप करता है। वही युवक मुझे साथ चलने एवं जबरन मोबाइल पर बात करने का दबाव बना रहा था। मेरे द्वारा आरोपी के साथ नहीं जाने व फोन पर बात नहीं करने पर युवक मुझे जबरन घर से उठाकर ले जाने की धमकी दे रहा था। इस दौरान में सोमवार को सुबह चार बजे मेरा पति मवेशियों का दूध निकालने के लिए घर से बाहर गया, तभी जगदीश जाट मुझे अकेली पाकर मेरे घर में घुसा और मकान के गेट को अंदर से बंद कर मुझे जान से खत्म करने की धमकी देते हुए मेरे साथ अश्लील हरकतें करने लगा और छेड़छाड करते हुये जबरन रेप किया। इस दौरान में घर में अकेली थी। मेरे चिल्लाने पर आसपास के पड़ोसी ने आकर मेरा बीच–बचाव किया।

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :– 0151–2226906, फोन :– 0151–2226902, 0151–2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक / निर्माण / 2025–26 / 15702 दिनांक 12.09.2025

ई– निविदा–सूचना सं0 93/2025–26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 30.00 लाख
UBN Number :- DLB2526WSOB18053

राज.संवाद / सी / 25 / 10024 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

प्रोपर्टी डीलर पर फायरिंग, दो आरोपी डिटेन

- घायल प्रोपर्टी डीलर को अस्पताल ले जाया गया और उपचार कराया, परिजन और लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दिया

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती फिटकासनी रिंग रोड पर रात में हुई हाथापाई के बाद सोमवार सुबह बदमाशों ने कॉल कर प्रोपर्टी डीलर को बुलाया और फायरिंग कर दी। इसमें प्रोपर्टी डीलर के बाएं पैर की जांघ में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। फायरिंग की सूचना पर एक्टिव हुई पुलिस ने दो बदमाशों को डिटेन कर लिया। इधर घायल के परिजन और समाज के लोगों ने झालामंड स्थित लाइट चौराहा के पास में धरना और प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस के आलाधिकारियों ने उनसे समझाइश कर शान्त किया। बताया जाता है कि छह–सात महिने पहले दोनों पार्टियों के बीच विवाद के चलते राजीनामा हुआ था, मगर उसके बावजूद एक पार्टी रंजिश रखे हुए थे। मामला एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में पड़ने से पुलिस जांच कर रही है। धरना स्थल पर पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार झालामंड के लाइट चौराहा फिटकासनी रोड के पास रहने वाले नत्थूराम प्रजापत और रवि विश्नोई के बीच किसी बात को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। विवाद के चलते छह–सात महिने पहले उनमें राजीनामा भी हुआ था। कुछ दिन पहले शांत रहा, मगर रवि विश्नोई फिर भी रंजिश रखे हुए थे। बताया गया कि रविवार की रात में रवि विश्नोई और उसके साथियों ने नत्थूराम को कॉल कर बुलाया था। तब वह अपने घर के नजदीक लाइट चौराहा झालामंड पहुंचा। जहां पर उनके बीच में हाथापाई भी हुई। नत्थूराम और उसके साथ वाले भाई हीरालाल ने जैसे तैसे बच कर अपनी जान बचाई थी। आज सुबह रवि विश्नोई ने फिर से कॉल कर नत्थूराम को बुलाया। इस पर नत्थूराम, उसका भाई हीरालाल आदि गाड़ी लेकर रिंग रोड फिटकासनी पर पहुंचे। उनके गाड़ी से उतरते ही आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जिससे नत्थूराम के बाएं पैर की जांघ में गोली जा धंसी। फायरिंग के तीन चार राउण्ड किए गए, जोकि गाड़ी के शीशे, बोनट और उसके नीचे लगना प्रतीत हुआ है। इधर घायल हुए नत्थूराम को बाद में तत्काल अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची।

एसीपी बोरानाडा आनंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि मामला एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में है। इस पर एसीपी मंडोर नगेंद्र कुमार, एयरपोर्ट थानाधिकारी रामकृष्ण ताडा भी वहां पहुंचे। घटना के कुछ समय बाद ही क्षुब्ध परिजन और समाज के लोगों ने झालामंड लाइट चौराहा के पास में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग रखते हुए धरना दे दिया। पुलिस ने दो लोगों को डिटेन किया जाना बताया है। इसमें मुख्य आरोपी रवि विश्नोई भी बताया जाता है।

पीड़ित पक्ष नत्थूराम के परिजन के अनुसार आरोपियों ने रात में झगड़े के बाद उनके घर के आगे पेट्रोल बम भी फैंका था। जिस पर पुलिस वहां पहुंची थी। मौके की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। उनकी गाड़ी को भी जलाने का प्रयास किया गया। मौके पर बोतलें मिली है, पुलिस जांच में जुटी है।

बीकानेर जेल में भुजिया के पैकेट में जमीन में छिपाकर रखा एंड्रॉयड मोबाइल बरामद

बीकानेर केन्द्रीय कारागृह में गैंगस्टर रोहित गोदारा के चार साथी एंड्रॉयड मोबाइल इस्तेमाल कर रहे थे

- जेल में मोबाइल कौन, कहां से और कैसे लाया, इसका पता नहीं चल पाया है, पुलिस जांच में जुटी

बीकानेर, (निसं)। यहां केन्द्रीय कारागृह एक बार फिर चर्चा में है। जेल में गैंगस्टर रोहित गोदारा के साथी रहे हिस्ट्रीशीटर सहित चार लोग एंड्रॉयड मोबाइल इस्तेमाल कर रहे थे। मोबाइल को भुजिया के पैकेट में डाल जमीन में छिपाकर रखा गया था जो बरामद किया गया है।

नापासर पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधी जो पूर्व में गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग में रहा है, जुलाई माह से बीकानेर जेल में है। जेल में ही उसकी चूक के सजायाफ्ता बंदी श्रवण कुमार, विचाराधीन बंदी अनिल शर्मा उर्फ पंडत और झुंझुनूं निवासी प्रदीप मंगवा से दोस्ती हो गई। चारों बंदी जेल में रहकर एंड्रॉयड मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रहे थे। जेल में रहकर बाहर के लोगों से लगातार बातचीत करते थे। जेल कार्मिकों को इन बंदियों की गतिविधियों पर शक था, इसलिए उनकी मुखबिरी की जा रही थी। इस दौरान बंदियों के पास मोबाइल फोन और बाहर बातचीत किए जाने की जानकारी मिली। जेल कार्मिकों ने वार्ड नं. 8 के बैरक नं. 30 की तलाशी ली। इस दौरान बैरक के पीछे भुजिया के पैकेट में डालकर जमीन में छिपाया गया वीवो कंपनी का एंड्रॉयड फोन बरामद हो गया। फोन पर लगे पासवर्ड से उसे खोला गया और जांच–पड़ताल की गई तो सामने आया कि चारों बंदियों ने व्हाट्सअप कॉल के जरिये जेल से बाहर बातचीत की है। मोबाइल जब्त कर लिया गया। प्रहरी श्यामसुन्दर बिश्नोई की ओर से बीछवाल पुलिस थाने में चारों बंदियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मामले की जांच एसआई सुशीला को सौंपी गई है। जेल में मोबाइल कौन, कहां से और कैसे लाया, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस तो मामले की जांच करेगी ही, जेल अधिकारी भी अपने स्तर पर छानबीन में जुटे हैं। बीकानेर जेल में वर्ष 2023 से अब तक मोबाइल, मादक पदार्थ और अन्य संदिग्ध सामग्री मिलने के 24 मुकदमे दर्ज हो चुके है। वर्ष 2024 में 17 मुकदमे दर्ज हुए थे। इस साल अब तक सात मुकदमे दर्ज हो चुके है। बीछवाल थाना पुलिस ने इनकी जांच की तो सामने आया कि जेल में ज्यादातर की–पैड मोबाइल बरामद किए गए। ये मोबाइल रिश्तेदारों, सुरक्षाकर्मी और स्टॉफ की मिलीभगत या बाहर से थ्रो कर दीवार के उस पार भेजे गए।

जेल में बंदियों से अक्सर की–पैड वाले मोबाइल फोन बरामद होते रहे हैं, लेकिन, नया एंड्रायड मोबाइल बरामद होना खतरे की घंटी है, क्योंकि, केन्द्रीय कारागृह में हार्डकोर अपराधी और गैंगस्टर के गुर्गे बंद हैं। हरियाणा–पंजाब सहित अन्य राज्यों के और पाकिस्तानी बंदी भी हैं। जेल से मोबाइल के जरिये बाहर लोगों को धमकी देकर फिरौती मांगने की वारदातें हो चुकी है। मुख्यमंत्री तक को धमकी दी जा चुकी है। पिछले दिनों एक बंदी की ओर से जेल के अंदर बनाया गया वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। एंड्रॉयड मोबाइल से जेल में रहकर भी आपराधिक वारदातों को अंजाम देना और गिरोह चलाना आसान है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/141 - 143 Date :- 12/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 38/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 666.86 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	15.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 09.10.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	15.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 09.10.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	10.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे (तकनिकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00252, ITU2526WSOB00253

राज.संवाद/सी/25/10034 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

औरंगजेब की प्रशंसा पर सुखाड़िया वि.वि. में हंगामा, छात्रों ने कांच फोड़े

- कुलगुरु सुनीता मिश्रा का पुतला फूंका, हटाने की मांग की

उदयपुर, (कासं)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में औरंगजेब की प्रशंसा करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को भी छात्रों ने कुलगुरु सुनीता मिश्रा के खिलाफ हंगामा किया। छात्र प्रशासनिक भवन में पीछे के गेट से घुसे और दरवाजों के कांच फोड़ दिए। कुलगुरु का पुतला फूंका, इसके बाद टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को बिगड़ते विश्वविद्यालय प्रशासन ने पुलिस को बुलाया।

जानकारी के अनुसार कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने एक संगोष्ठी में अपने सम्बोधन के दौरान मुगल बादशाह औरंगजेब को कुशल प्रशासक बताया था। इसके बाद से उनका विरोध हो रहा है। कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने अपने बयान के लिए माफी मांग ली है। इसके बावजूद छात्र उनको हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। उल्लेखनीय है कि गत 12 सितंबर को यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टिकोण से हम महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान और अकबर जैसे कई राजा–महाराजाओं के बारे में सुनते हैं। इनमें कुछ औरंगजेब जैसे कुशल प्रशासक भी थे। इधर विवाद बढ़ने के बाद कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने माफी मांगते हुए एक बयान जारी किया। सुनीता मिश्रा ने कहा कि वक्तव्य को गलत तरीके से तोड़–मरोड़कर पेश किया गया है। यदि उनके पूरे वक्तव्य को सुना जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि उन्होंने औरंगजेब की प्रशंसा में कुछ नहीं कहा है। ये मूलतः अहिन्दी भाषी हैं जिसके कारण सुनने में भाषा संबंधी असमंजस हो जाता है। उनका मंतव्य किसी की भावनाओं को आहत करने का नहीं था और यदि उनके वक्तव्य से किसी को ठेस पहुंची हो तो वे क्षमा चाहती है।

कुलपति सुनीता मिश्रा के बयान का मेवाड़ क्षत्रिय महासभा शहर शाखा एवं बजरंग सेना मेवाड़ द्वारा विरोध व्यक्त करते हुए संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मेवाड़ की पवित्र भूमि प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप की वीरता और बहादुरी से भरी पड़ी है। इस पर कुलपति द्वारा औरंगजेब की प्रशंसा करना कहां का न्याय है। जिसने मंदिरों को तोड़ा, हिंदुओं को लूटा, ऐसे व्यक्ति के बारे में प्रशंसा को लेकर मेवाड़ क्षत्रिय महासभा शहर शाखा के अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह केरेलिया एवं बजरंग सेना मेवाड़ के प्रमुख कमलेंद्र सिंह पंवार ने प्रशासन से मांग की है कि कुलपति को तुरंत बर्खास्त किया जाए अन्यथा हम आंदोलन की ओर अग्रसर होना पड़ेगा।

युवती से 24 हजार की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी तंबोलिया में रहने वाली एक युवती को शातिर ने खाते में गलती से रूपए आने की बात कहकर वापस रूपए भेजने को कहा। इस पर युवती ने उसकी बात में आकर 24 हजार की रकम बदमाश के खाते में ट्रांसफर कर दी। बाद में उसे पता लगा कि खाते में कोई रूपए आए नहीं थे। उसने साइबर पोर्टल पर पहले शिकायत दी और अब माता का थान पुलिस थाने में फ्रॉड का केस दर्ज कराया है। हेड कांस्टेबल भागीरथ ने बताया कि मगजी की घाटी पन्नालाल गौशाला मंडोर हाल सुंदर सिंह भंडारी योजना बासनी तंबोलिया निवासी दुर्गा मेघवाल ने रिपोर्ट दी कि उसके पास 10 अगस्त को किसी ने कॉल कर कहा कि गलती से उसने खाते में 24 हजार रूपए डाल दिए हैं, वह उसे वापिस लौटाए। इस पर शातिर के बताए खाते पर दुर्गा ने 24 हजार रूपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में दुर्गा ने खाता चैक किया तो पता लगा कि रूपए नहीं आए थे। उसने साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी।

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

No. : MBMU/OIC/2025-26/800 Date :- 13/09/2025

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.**

1. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00039 COMSOL Multiphysics for Mechanical Department (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹32.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025, 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00040 Data Acquisition Systems for Mechanical Department (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹20.00 and last date of bid submission 24.09.2025, 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00041 Equipment for Automobile Lab (UNDER PM-USHA) at M B M University, Jodhpur. with estimated amount ₹19.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
4. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00042 Equipment for Mechanical Workshop for Mechanical Department (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹47.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
5. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00043 Equipment for Thermal Properties Measurement Apparatus (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹19.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
6. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00044 HMT laboratory Equipment's (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹10.30 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
7. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00045 Instrumentation Lab Equipment's for Mechanical Department (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹11.50 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
8. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00046 Refrigeration and Air Conditioning Lab Equipment's for Mechanical Department (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹12.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
9. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00047 3D Cad Software's in computer lab (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹05.00 Lakhs and last date of bid submission 19.09.2025 12:00 Noon.
10. Bids vide UBN No: MBM2526GSRC00048 Rate contract of Stationary Items at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹10.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.
11. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00049 Equipment's for Solar Lab for Mechanical Department (UNDER PM-USHA) at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹13.00 Lakhs and last date of bid submission 24.09.2025 12:00 Noon.

Raj.Samwad/C/25/10042 OIC-Central Store

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 425 दिनांक :- 12/09/2025

निविदा सूचना संख्या 07/2025-26

इस कार्यालय द्वारा 1. द्वारकापुरी अपार्टमेन्ट सेक्टर-26, प्रताप नगर, जयपुर में एच.टी./एल.टी. अन्डर ग्राउण्ड केबल के सुद्दढीकरण का कार्य। 2. गुलाबपुरा, भीलवाड़ा आवासीय योजना में एच.टी. लाईन को शिफ्ट करने का कार्य। उक्त समस्त कार्यों की निविदा इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 16.09.2025 से 25.09.2025 सायं 06:00 बजे तक ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in & http://rhb.rajasthan.gov.in विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं। यू.बी.एन. नं.:- RHB2526WSOB00198 और RHB2526WSOB00199

राज.संवाद/सी/25/10065 आवासीय अभियन्ता, खण्ड-विद्युत, जयपुर

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक :- एफ/साविम/खु.नि. स्टोर/2025-26/02 दिनांक :- 12/09/2025

खुली निविदा सूचना

महाविद्यालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सफाई कार्य हेतु खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की अंतिम तिथी 23.09.2025 है। निविदा का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.raubikaner.org and http://www.sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा निरस्त करने का अधिकार महाविद्यालय के पास सुरक्षित है।
NIB Code : SKA2526A0042, UBN No. : SKA2526WSOB00086

राज.संवाद/सी/25/10046 अधिष्ठाता

सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर

ई-निविदा सूचना संख्या 23/2025-26

इस विश्वविद्यालय में संवेदक के माध्यम से मानव संसाधन उपलब्ध करवाए जाने के लिए जारी ई–बोली आमन्त्रित की जाती है, बोली प्रपत्र दिनांक 10.09.2025 से https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://www.policeuniversity.ac.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है व https://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन भरा जाना है।
UBN No. : SUP2526SLOB00016

राज.संवाद/सी/25/10043 कुलसचिव

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 12/09/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम. / एसबीयू एण्ड पीसी–एल.एस / प्रमुख एवं प्रभारी–एलएस / संविदा–06 / 2025–26 दिनांक 11.09.2025 UBN No. MML2526SLOB00087	कम्पनी की गोटन चूना पत्थर ईकाई, कार्यालय, जिला नागौर पर अवैध खनन् रोकथाम हेतु चार महेन्द्रा जीप (7–सीटर कवर्ड एसी डीजल टैक्सी परमिट) मॉडल वर्ष 2018 या उसके बाद की 24 घण्टे प्रतिदिन कार्य हेतु (3000 किमी प्रति जीप प्रति माह चलाने हेतु)। {चारो वाहनों की सम्मिलित कुल मासिक न्यूनतम निर्धारित किलोमीटर 12000 किलोमीटर प्रति माह} अनुमानित मूल्य (रू.) 10.20 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 20400 / –, निविदा राशि– 1180 / –

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/10049 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

27 साल से फरार इनामी बदमाश गुजरात से गिरफ्तार

वर्ष 1998 से धोखाधड़ी के मामले में फरार था 25 हजार का इनामी बदमाश अकबर

- आरोपी अकबर वाहनों को खरीद फरोख्त के नाम से रूपये लेकर हड़पने का काम करता था

उदयपुर, (निसं)। जयपुर एटीएस एवं एसओजी की टीम ने एटीएस उदयपुर यूनिट के सहयोग से सत्ताईस वर्ष से फरार इनामी बदमाश को गुजरात से गिरफ्तार किया है।

एटीएस महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि वीके सिंहअतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस एवं एसओजी के निर्देशानुसार उदयपुर एटीएस एटीएम टीम के सहयोग से वर्ष 1998 से धोखाधड़ी के मामले में फरार 25 हजार के इनामी बदमाश अकबर पुत्र गनी मोहम्मद निवासी मांगरोल सूरत गुजरात को गिरफ्तार किया। आरोपी अकबर वाहनों को खरीद–फरोख्त के नाम से रूपये लेकर हड़पने का काम करता था, जिसे बांसवाड़ा सहित कई जिलों की पुलिस तलाश कर रही थी, जो अपने ससुराल सूरत मांगरोल में छुप कर रह रहा था। इस मामले में आरोपी के सहयोगी पीर मोहम्मद, हमीद खां, विवेक कुमार, दाउद पूर्व में गिरफ्तार हो चुके है। एटीएस उदयपुर यूनिट ने अकबर के अपने ससुराल सूरत में होने की सूचना पर उससे संपर्क कर वाहन खरीदने की बात की। दो माह तक चले ऑपरेशन में की गई कार्रवाई के चलते आरोपी एटीएस की गिरफ्त में आया। महानिरीक्षक पुलिस जयपुर विकास कुमार ने कार्रवाई में शामिल टीमों को जयपुर एटीएस कार्यालय में सम्मानित करने की घोषणा की।

वृद्धा के जेवर लूटे : उदयपुर में मकान के आंगन में सोई वृद्धा के बदमाश जेवर छीन ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 सितंबर रात में भोपों का गुड़ा सांगवा फला घासा निवासी नंदूबाई (75) पत्नी अमराजी डांगी परिवार सहित अपने मकान के आंगन में सोई थी। रात में आया अज्ञात चोर नन्दूबाई के दाये कान से सोने का गाला लूट ले गया। नींद से जाग होने एवं चिल्लाने पर देखा तो कान से खून निकल रहा था एवं गाला गायब था। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया है।

कार्यालय नगर परिषद चित्तौड़गढ़

पता – रेलवे ऑवर ब्रिज के पास, पुरानी रेलवे फाटक, जिला चित्तौडगढ https://lsgeauction.rajasthan.gov.in

क्रमांक : भूमि / 2025–26 / 5305–11 दिनांक :– 03.09.2025

ई–ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड की नीलामी सूचना बाबत्

नगर परिषद चित्तौडगढ द्वारा ई–ऑक्शन के माध्यम से गांधीनगर आवासीय योजना, महेशपुरम आवासीय योजना एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवासीय योजना चित्तौडगढ में स्थित निम्न सारणी अनुसार आवासीय भूखण्डो को नीलाम किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन शुल्क एवं धरोहर राशि दिनांक 29.09.2025 समय प्रातः 10.00 A.M. बजे से दिनांक 06.10.2025 समय सांय 5.00 P.M. बजे तक जमा करवा सकते है। ई–ऑक्शन दिनांक 07.10.2025 को प्रातः 10.00 AM बजे से शुरू होगा तथा दिनांक 09.10.2025 को सांय 5.00 PM बजे तक रहेगा। नियम / शर्ते एवं नीलामी से संबंधित जानकारी ई–ऑक्शन पोर्टल https://lsgeauction.rajasthan.gov.in(SSO ID के माध्यम से) पर देखी जा सकती है। निलामी में बोली लगाने के लिए प्रतिभागी स्वयं की SSo Id (G2C) से LSG E-action Portal पर अपनी Profile व Refund Account Details भरने के बाद उपलब्ध Live E-action में भाग ले सकते है।

भूखण्डों के लिए विशेष विवरण :–

क्र. सं.	योजना का नाम	Facing Towards	भूखण्ड सं.	आम रोड़	साईज वर्गफीट में	प्रस्तावित न्यूनतम निलामी दर प्रति वर्गफीट (आरक्षित दर)	धरोहर राशि
1	गांधीनगर एफ ब्लॉक सेक्टर नं. 5	East	116	30 फीट	30X64=1920	1500	16000
2	गांधीनगर एफ ब्लॉक सेक्टर नं. 5 आम रोड 40 फीट	South	147	40 फीट	30X64=1920	2000	20000
3	गांधीनगर सेक्टर नं. 5 (विस्तार)	South-East	716-Corner	30 फीट, 30 फीट	25X50=1250	2500	40000
4		North-East	717-Corner	30 फीट, 30 फीट	25X52=1300	2500	42000
5	गांधीनगर सेक्टर नं. 5 (विस्तार)	South-East	692 - Corner	40 फीट, 30 फीट	30X64=1920	2400	62000
6		South	693	40 फीट	30X64=1920	2400	62000
7		South	694	40 फीट	30X64=1920	2400	62000
8	महेशपुरम आवासीय योजना ब्लॉक बी	West	78	30 फीट	20X50=1000	1500	7000
9	श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवासीय योजना ब्लॉक ए	West	11	60 फीट	20X40=800	1000	5100
10		West	12	60 फीट	20X40=800	1000	5100
11		West	13	60 फीट	20X40=800	1000	5100
12	श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवासीय योजना ब्लॉक ए	North-West	16-Corner	60 फीट, 40 फीट	27X40=1080	1000	7000
13		West	17	60 फीट	20X40=800	1000	5100
14		South-East	25-Corner	40 फीट, 30 फीट	27X40=1080	1000	7000
15	श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवासीय योजना ब्लॉक ए	North-East	33-Corner	40 फीट, 30 फीट	27X40=1080	1000	7000
16	श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवासीय योजना ब्लॉक बी	North-West	67-Corner	40 फीट, 30 फीट	33.6X50=1675	1000	11000
17		South-East	73-Corner	40 फीट, 40 फीट	33.6X60=2010	1000	13000
18	गांधीनगर जी ब्लॉक सेक्टर नं. 5	South	78	40 फीट	30X64=1920	2000	20000
19		South	79	40 फीट	30X64=1920	2000	20000
20		West	113	20 फीट	20X49=980	1500	10000

उपरोक्त सभी ये भूखण्ड नगर परिषद सीमा क्षैत्र में स्थित होकर प्राईम लोकेशन पर है।
नोट :– आमजन द्वारा निलामी में भाग लेने हेतु सम्पूर्ण प्रक्रिया SSO-ID (G2C) के माध्यम से LSG E-auction की App/Portal पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद / सी / 25 / 10009 प्रशासक आयुक्त

'राइजिंग राजस्थान के महज 9 महीने में पांच लाख करोड़ रु. के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास'

जयपुर (कासं)। राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया था। इस सम्मेलन के महज 9 महीनों में, 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के समझौता ज्ञापनों का शिलान्यास हो चुका है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर ''राइजिंग राजस्थान'' समिट में एम.ओ.यू. करने वाले निवेशकों के साथ नियमित बैठक कर तमाम प्रोजेक्ट्स को शीघ्र धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। सुधांश पंत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तमाम प्रोजेक्ट्स की समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए निवेशकों के साथ समन्वय स्थापित कर काम करें।

बैठक के दौरान पंत ने प्रमुख क्षेत्रों में विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत जानकारी की समीक्षा की, प्राप्त लक्ष्यों पर प्रकाश डाला और जी.बी.सी. लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभाग के अधिकारियों की सराहना की। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा, ''नियमित बैठकें, निवेशकों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई और पारदर्शी प्रक्रिया बनाए रखने से समझौता ज्ञापनों का त्वरित कार्यान्वयन सुनिश्चित होगा और प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।'' मुख्य सचिव ने आगे कहा कि नई शहरी आवास विकास नीति लागू होने से समझौता ज्ञापनों के कार्यान्वयन के लिए भूमि आवंटन में तेज़ी लाने में मदद मिलेगी, जिससे परियोजनाओं का शिलान्यास शीघ्रता से शुरू हो सकेगा।

इसके अलावा, पंत ने अधिकारियों को निवेशकों को रीको की प्रत्यक्ष भूमि आवंटन योजना से अवगत कराने के निर्देश दिए। यह योजना उन निवेशकों को आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंड प्रदान करती है जिन्होंने 27 अगस्त 2025 से पहले ''राइजिंग राजस्थान'' के तहत राज्य के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रत्यक्ष भूमि आवंटन योजना और ई-नीलामी के चौथे चरण तक, 1200 से अधिक भूखंड आवंटित किए जा चुके है। रीको की प्रत्यक्ष भूमि आवंटन योजना का पाँचवाँ चरण 12 सितंबर 2025 को शुरू हुआ और रीको द्वारा विकसित विभिन्न नए और मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों में निवेशकों को 6 हजार से अधिक औद्योगिक भूखंड प्रदान करेगा।

बैठक में पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, खेल सचिव नीरज के. कुमार, पशुपालन सचिव डॉ. समित शर्मा, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव (अतिरिक्त) डॉ. जोगा राम, कृषि विभाग के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव राजन विशाल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव वी. सरवण कुमार, निवेश संवर्धन ब्यूरो (बीआईपी) के आयुक्त सुरेश कुमार ओला और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के एम.ओ.यू. की प्रगति की समीक्षा की।

■ अधिकारी, निवेशकों के साथ नियमित बैठकें कर प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतारने के काम में तेजी लाएं : मुख्य सचिव

कलयुगी बेटे ने गला दबाकर कर दी अपनी मां की हत्या

वाई-फाई कनेक्शन छेड़ने को लेकर दोनों में हुई थी कहासुनी

जयपुर । करधनी थाना इलाके में एक बेटे ने अपनी मां की गला दबाने और डंडे से सिर पर वार हत्या करने का मामला सामने आया है।

पुलिस जांच के अनुसार सोमवार दोपहर को वाईफाई कनेक्शन छेड़ने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई थी। इसके बाद बेटे ने मां के साथ मारपीट शुरू कर दी और परिवार बचाने आया तो उनके साथ भी मारपीट की। गला दबाने और डंडे से सिर पर वार करने से महिला घायल हो गई। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया।

इस संबंध में मृतका के बड़े बेटे ने आरोपित भाई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है।

■ मृतका के बड़े बेटे की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नवीन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना इलाके में मृत महिला संतोष (51) पत्नी लक्ष्मण सिंह मूर्ति हरियाणा के (महेंद्रगढ़) की रहने वाली थी। पति लक्ष्मण सिंह करीब 10 साल पहले सेना से रिटायर्ड हुए थे। महिला शेखावत मार्ग पर अपने पति लक्ष्मण सिंह बेटे नवीन सिंह और दो बेटियों के साथ रहती थी। साल-2020 में नवीन की शादी हुई थी। इसके बाद उसकी पत्नी छोड़कर चली गई पत्नी ने यूपी के बुलंदशहर में दहेज का केस दर्ज कर रखा है। सोमवार दोपहर वाई-फाई कनेक्शन को लेकर बेटे नवीन की अपनी मां संतोष से झगड़ा हुआ था नवीन ने अपनी मां के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने उसके पिता और बहन आईं। उनके साथ भी मारपीट की गई। गला दबाने और डंडे से सिर पर वार करने थे संतोष बेहोश हो गई थी। इलाज के दौरान मौत हो गई।मृतक के बड़े बेटे ओमपाल ने छोटे भाई के नवीन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने नवीन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

120 यूनिट रक्त संग्रह, युवाओं ने दिखाया उत्साह

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को मालवीय नगर स्थित सेक्टर-6 विजयवर्गीय गार्डन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 120 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा में अपना योगदान दिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने भी शिविर में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम संयोजक जय नायक एवं चंद्र प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में युवाओं ने पूरे जोश और सेवा भावना के साथ रक्तदान किया। उन्होंने बताया कि इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य केवल रक्त संग्रह करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा और जागरूकता की भावना को भी बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में पार्षद रामप्रसाद शर्मा, ओम स्वामी, नरेंद्र सिंह, मनमोहन शर्मा, सुरेश अरोड़ा (डिंपी), खेम सिंह, वीरेंद्र नायक, रामावतार शर्मा, तन्मय चौधरी, प्रवीण मेहता, सतीश शर्मा, ध्रुव पटेल, मोहित यादव, अजय मीणा मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने की राज्य सरकार की योजनाओं की प्रशंसा

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को आयोजित अहम बैठक में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जयपुर के सर्किट हाउस में हुई बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी, आयुक्त नगम निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, आयुक्त विशेष योग्यजन केसरलाल मीना सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अठावले ने केंद्रीय मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं की गत तीन वर्षों के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विशेष योग्यजन विभाग, अनुजा निगम द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

केन्द्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने बैठक में राज्य में अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का राशि वितरण, एससी/एसटी के लिए अत्याचार निवारण अधिनियम का क्रियान्वयन, अंतरजातीय विवाह हेतु अनुदान राशि वितरण, अनुसूचित जाति की छात्राओं के लिए आवासीय विद्यालय के लिए अनुदान राशि वितरण, राज्य में वृद्धाश्रम योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन हेतु अनुदान राशि का वितरण, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की। अठावले ने मैनुअल स्कैवेंजरों (हाथ से मैला ढोने वालों) से संबंधित योजनाएँ एवं अनुदान राशि का वितरण, अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए अन्य योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकानों का आवंटन, जनधन योजना के अंतर्गत बैंक खाते खोलना, बीमा एवं पेंशन की सुविधा, राज्य में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों और गैर-औपचारिक सूक्ष्म उद्यमों हेतु मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण का वितरण, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन का आवंटन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। सामाजिक बैठक में स्वायत शासन, वित्त, आयोजना, खाद्य एवं आपूर्ति, ग्रामीण विकास विभाग सहित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के अधिकारी एवं संबंधित योजना प्रभारी उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को जयपुर में अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की।

केंद्र सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध : अठावले

जयपुर । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने जयपुर में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत देशभर में 56.37 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं, जिसमें से राजस्थान में 3.75 करोड़ से अधिक खाते खोले गए हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत देशभर में 54.69 करोड़ लोगों को 35.34 लाख करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए हैं। राजस्थान में 2.34 करोड़ लोगों को 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है। इसी प्रकार देशभर में 10.33 करोड़ गैस कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत दिए गए, जिनमें से राजस्थान के 73.77 लाख कनेक्शन आवंटित हुए हैं। आवास योजनाओं का जिक्र करते हुए मंत्री ने बताया कि 2015 से 2025 तक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत देशभर में 2.79 करोड़ मकानों का निर्माण किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 94.11 लाख मकान बनाए गए हैं, जिनमें से राजस्थान में 2.41 लाख मकानों का निर्माण हुआ है।

सार-समाचार

इंजीनियरिंग और ए.आई. पर चर्चा

जयपुर । भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती पर इंजीनियर्स डे 2025 के अवसर पर बीएसएनएल राजस्थान सर्कल ने विशेष वेबिनार का आयोजन किया। इसमें आधुनिक इंजीनियरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बदलती भूमिका पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। वेबिनार का शुभारंभ बीएसएनएल राजस्थान के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय के उद्घाटन संबोधन से हुआ। विक्रम मालवीय ने भारत रत्न श्री एम. विश्वेश्वरैया को नमन करते हुये उनके जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एम. विश्वेश्वरैया एक बेहतरीन इंजीनियर तो थे ही साथ ही कृषि, सिंचाई एवं उद्योग जगत मे उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आधुनिक भारत के निर्माण मे उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि-आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रत्येक इंजीनियर के कार्य का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। चाहे दूरसंचार हो, स्वास्थ्य हो या शिक्षा, हर क्षेत्र में एआई इंजीनियरिंग के भविष्य को दिशा दे रहा है। हमें इसे जिम्मेदारी और विश्वसनीयता के साथ अपनाना होगा, ताकि तकनीक मानवता के हित में काम करे। इस मौके पर नई दिल्ली के दूरसंचार विभाग के डीडीजी (अंतरराष्ट्रीय संबंध) अविनाश अग्रवाल, डॉ. जयश्री वाजपेयी, डीन, एमबीएम यूनिवर्सिटी, जोधपुर, डॉ. सुमित्रा पद्मनाभन, एसोसिएट डायरेक्टर (एकेडमिक्स) एवं एडजंक्ट प्रोफेसर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन संदीप सैनी (सहायक निदेशक) ने किया।

जयपुर पुलिस की जांबाजी पर बनेगी फिल्म

जयपुर । जयपुर पुलिस के कार्यों और उनकी जांबाजी पर जल्द ही एक फिल्म बनने जा रही है। वहीं इस फिल्म की कहानी में दिखाया जाएगा कि केस की जांच के दौरान पुलिस को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। किस तरह वे अपराधी को पकड़ने में कामयाब होते हैं।इसके चलते सोमवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने फिल्म का पोस्टर विमोचन किया। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक मोहसिन खान हैं। पोस्टर विमोचन के दौरान थिएटर आर्टिस्ट राजीव महर्षि एडवोकेट और फिल्म में एसपी की भूमिका निभा रहे सीनियर कलाकार दीपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। लेखक और निर्देशक मोहसिन खान ने बताया कि यह फिल्म एक हत्या मिस्ट्री पर आधारित है। जिसे जयपुर पुलिस सुलझाती है। कहानी में दिखाया जाएगा कि केस की जांच के दौरान पुलिस को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। किस तरह वे अपराधी को पकड़ने में कामयाब होते हैं। साथ ही फिल्म में एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से जयपुर की लोकेशन पर की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर आज करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ 17 सितम्बर (बुधवार) को शाम 4 से शाम 7 बजे तक पुलिस थाना खोह नागोरियान में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) मनीष अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व, सहायक पुलिस आयुक्त बस्ती, मालवीय नगर एवं आदर्श नगर एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान पुलिस थाना बस्सी, कानोता, तूंगा, एयरपोर्ट, मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, बजाज नगर, खोह नागोरियान, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, जवाहर नगर एवं जामडोली क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

टोक्यो में परशुराम चेतना का परचम

जयपुर । श्री विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी भगवान परशुराम के आदर्शों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्वभर में प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से कार्यरत इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर परशुराम कॉन्शसनेस का इस्पेक-जापान चैप्टर टोक्यो में विशेष चर्चा का केंद्र बना।इस्पेक-जापान चैप्टर ने जापान की प्रतिष्ठित संस्था 'तरंग' को समाज सेवा हेतु स्पॉन्सरशिप प्रदान की। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम से जुड़े प्रसंगों पर आधारित वीडियो एनीमेशन से हुई। उसके बाद इस्पेक-जापान चैप्टर के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया गया । उपस्थित जन को संगठन की भावी योजनाओं तथा क्रियाकलापों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर इस्पेक, जापान चैप्टर के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, उपाध्यक्ष नितिन तिवारी सचिव-कोषाध्यक्ष मनोज गौड़ को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मार्गदर्शन हेतु इस्पेक की चेयरपर्सन डॉ. हर्षा त्रिवेदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। जापान के पदाधिकारियों ने विप्र फाउंडेशन के संस्थापक संयोजक सुशील ओझा, राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा गुरुजी, इस्पेक प्रभारी प्यारे लाल शर्मा के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

'आर.जी.एच.एस. में 880 करोड़ रुपए दबाए बैठे हैं अधिकारी, 3 लाख से ज्यादा बिल पोर्टल से गायब'

प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति ने प्रदर्शन कर आरोप लगाए, जांच की मांग भी उठाई

जयपुर। आर.जी.एच.एस. (राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम) प्रदेश का सबसे बड़ा हेल्थ स्कैम बनता जा रहा है। अधिकृत दवा दुकानदारों का लगभग 880 करोड़ रुपये विभागीय अधिकारियों और टीपीए की मनमानी में फंसा पड़ा है। अचानक पोर्टल से 3 लाख से ज्यादा बिल गायब हो गए हैं, लेकिन आज तक किसी ने जवाब नहीं दिया। यह आरोप प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति के पदाधिकारियों ने लगाते हुए कहा कि योजना शुरू करते समय सरकार ने वादा किया था कि केमिस्ट को 21 दिन में भुगतान होगा लेकिन अब हालात यह हैं कि दुकानदारों को 6-7 महीने तक भी भुगतान नहीं मिलता है। इसको लेकर सूबे के 5 हजार से अधिक केमिस्ट परिवार न्याय की लडाई लड़ रहे हैं।

समिति अध्यक्ष विवेक विजयर्गीय व उपाध्यक्ष सचिन गोयल ने बताया कि बच्चों की स्कूल फीस बकाया है, दुकानें बंद होने की कगार पर पहुंच गई हैं, कर्ज व उधारी बढ़ती जा रही है, ऐसे में भविष्य को लेकर चिंता सता रही है। सुबोध कुमार सिंघल ने बताया कि मरीज को समय पर दवा जरूर मिल रही है, लेकिन दवा देने वाले दुकानदार खुद आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

समिति सचिव रवि गुप्ता, पवन अग्रवाल, अनुपम बंसल, नीरज बजाज ने बताया कि 880 करोड़ रुपये कहां गए, 3 लाख बिल पोर्टल से कैसे गायब हो गए, क्यों 21 दिन का वादा 6-7 महीने की लूट में बदल गया। यह विभागीय भ्रष्टाचार नहीं तो और क्या है। यह लडाई सिर्फ केमिस्ट की नहीं है बल्कि पारदर्शिता व ईमानदारी की है। 5 हजार परिवार आज आरजीएचसी घोटाले का सच जानना चाहते हैं।

प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति अध्यक्ष विवेक विजयर्गीय और उपाध्यक्ष सचिन गोयल ने आर.जी.एच.एस. में गड़बड़ी का आरोप लगाया।

साइबर धोखाधड़ी का शातिर अपराधी भानु प्रताप गिरफ्तार

जयपुर । बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक साइबर धोखाधडी के शातिर अपराधी भानु प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया है। जिसके बैंक खाते में साइबर धोखाधड़ी से 50 लाख रुपये का लेन-देन होना सामने आया है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक साइबर धोखाधड़ी के शातिर अपराधी भानु प्रताप सिंह निवासी फागी जयपुर ग्रामीण हाल बगरू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित भानु प्रताप सिंह द्वारा आदित्य इंटरप्राइजेज के नाम से एक फर्म बनाई। जो अनजान लोगो से मोबाइल पर सम्पर्क कर उन्हे शेयर मार्केट में राशि निवेश करने पर कम समय में अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों को अपनी बातो में उलझाकर अपनी फर्म के खाते में रुपये डलवा कर साइबर धोखाधड़ी करता था। आरोपित के बैंक खाते की जांच करने पर पाया गया कि पिछले सात दिवस में उसके बैंक खाते में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिये करीब 50 लाख रुपये की राशि जमा हुई है।

आरोपित के बैंक खाते पर अलग-अलग राज्यों से साइबर क्राइम पोर्टल पर पांच शिकायत साइबर फ्रॉड की दर्ज है। आरोपित भानु प्रताप सिंह पर पूर्व में भी एक प्रकरण फर्जी सीमे बेचने का दर्ज है। जिसमें वह गिरफ्तार होकर जमानत पर चल रहा है। आरोपित साइबर अपराध का आदतन अपराधी है।

ए.आई. तकनीक से पकड़ा डमी कैंडिडेट

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने पहुंचा था आरोपी, हरमाड़ा पुलिस ने दबोचा

जयपुर। हरमाडा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एआई तकनीक की मदद से राजस्थान कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने आए एक डमी कैंडिडेट को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि बायोमेट्रिक जांच में सामने आया कि युवक जून-2025 में डीएलएड परीक्षा के दौरान दूसरे व्यक्ति की जगह परीक्षा दे चुका है। हरमाड़ा थाना पुलिस मेन कैंडिडेट और डमी कैंडिडेट को डिटेन कर पूछताछ कर रही है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने बताया कि ए.आई. तकनीक की मदद से हरमाडा थाना पुलिस ने राजस्थान कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने आए एक डमी कैंडिडेट 26 वर्षीय समुन्द्र सिंह निवासी मनिया जिला धौलपुर हाल मानसरोवर जयपुर को पकड़ा है। जोसेफ ने बताया कि बायोमेट्रिक जांच के दौरान मिलान में नाम अलग पाया गया। जांच में पता चला कि आरोपित समुंद्र सिंह डीएलएड एग्जाम में विकास की जगह बैठा था। समुद्र सिंह ने विकास बनकर बायोमेट्रिक का उपयोग कर पेपर दिया था। इस पर पुलिस ने विकास को भी पकड़ लिया है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में परीक्षा देने के चलते दोनों आरोपियों के खिलाफ जीरो नंबर एफआईआर काटकर गांधी नगर थाने भेजी गई। जयपुर पुलिस कमिश्नर ने कहा एआई को बायोमेट्रिक से कनेक्ट किया गया है। बायोमेट्रिक से अटेंडेंस लगाते ही एआई के जरिए कैंडिडेट की पूरी डिटेल आ जाती है। उसने पहले कौन-कौन से परीक्षा, किस जगह और कब दिए है।

सेंट्रल जेल में फिर मिले मोबाइल

जयपुर । लालकोठी थााना इलाके मे स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में मोबाइल मिलने के मामले सामने आए है। जेल प्रशासन की ओर से चलाए गए सर्च ऑपरेशन में सेल के अंदर बंदियों ने जमीन में दो मोबाइल गाढ़कर छिपा रखे थे। जहां पुलिस टीम ने गड्ढे खोदकर दो मोबाइल ढूंढ निकाले। इस संबंध में थाने में जेल प्रशासन की ओर से जयपुर सेंट्रल जेल में मोबाइल मिलने का मामला दर्ज करवाया गया है। वहीं पुलिस की ओर से मोबाइल प्रयुक्त करने वाले बंदियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी रामवीर सिंह ने लालकोठी थाने में मामला दर्ज करवाया है कि जेल प्रशासन की ओर से संदिग्ध और लावारिस चीजों की खोजबीन के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जहां जेल अधीक्षक की निगरानी में चलाए गए सर्च ऑपरेशन में पूरे जेल की सघन तलाशी ली गई। इस सर्च ऑपरेशन में जेल के वार्ड नंबर-4 और वार्ड नंबर-9 में बंदियों ने जमीन में मोबाइल गाढ़कर छिपा रखे थे। जेल प्रशासन ने गड्ढा खोदकर दोनों मोबाइल जमीन से निकाले। दो अलग-अलग सेल में मिले दोनों मोबाइल के बारे में बंदियों से पूछताछ भी की गई।

विश्वभर का जो श्रेष्ठतम है, वह भारतीय संविधान में निहित है : राज्यपाल बागड़े

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व लोकतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संविधान सर्वोच्च है। लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने लोकतंत्र में सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने और सभी को पारदर्शिता से कार्य करने की संस्कृति विकसित करने का आव्हान किया। बागडे सोमवार को इंदिरा गांधी पंचायत राज संस्थान सभागार में 'भारतीय युवा संसद' के अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा देश के कर्णधार हैं, उन्हें 'देश प्रथम' की सोच से कार्य करने के लिए सभी स्तरों पर प्रेरित किया जाए। उन्होंने विश्व में लोकतंत्र के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में बाबा साहेब आम्बेडकर ने संविधान निर्माण के दौरान यह ध्यान रखा कि विश्वभर का जो श्रेष्ठतम है, वह हमारे संविधान में आए।

राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र इसलिए है कि यह समानता, न्याय और उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ा है। उन्होंने सही शिक्षा के जरिए लोकतंत्र को मजबूत किए जाने का आव्हान किया। इसके लिए उन्होंने विद्यालयों और महाविद्यालयों में बौद्धिक और शारीरिक क्षमता बढ़ाते हुए प्रतिभा संपन्न युवाओं की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि थाली में भोजन का जो नियोजन कर सके और खाने के बाद भोजन फेंकना नहीं पड़े, वही राष्ट्र और समाज में नियोजन के लिए कार्य करने में सक्षम हो सकता है। शुरूआत घर से, अपने आप के नियोजन से करनी होगी तभी देश और विश्व का नियोजन सही हो सकता है। उन्होंने कहा कि सुशासन में कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग साक्ष्य आधारित निर्णय लेने, प्रक्रियाओं में तेजी लाने और नागरिक सुविधाओं में बेहतरी के लिए तो ठीक है परन्तु इसका सावधानी से उपयोग होगा तभी तकनीक की सार्थकता है।

ए.आई. मानवीय गरिमा और जीवन मूल्यों पर हावी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। राज्यपाल ने आरंभ में भारतीय संसद के आलोक में प्रकाशित पुस्तिका ''लोकतंत्र वैचारिकी'' का लोकार्पण किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विश्व लोकतंत्र दिवस पर युवा संसद अधिवेशन में स्मारिका का विमोचन किया।

Remembering the Voyage That Shaped History

Mayflower Day is observed on September 16 to commemorate the historic voyage of the Mayflower, the ship that carried the Pilgrims from England to the New World in 1620. On this day, the Mayflower set sail across the Atlantic with over 100 passengers seeking religious freedom and new opportunities, eventually establishing one of the earliest English settlements in America. The journey symbolizes courage, perseverance, and the pursuit of liberty. Mayflower Day serves as a reminder of how this voyage shaped early American history and continues to be celebrated as a milestone in the story of migration and settlement.

#LANGUAGE

Words With A History

The Curious Origins of 'Knockoff,' 'Bootleg,' and 'Coppers'

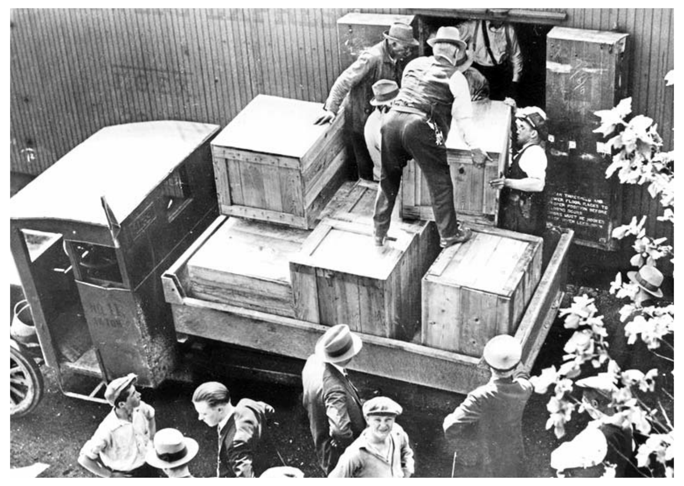

Bootlegging contraband.

Language is a living archive of human history, shaped by war, trade, rebellion, crime, and culture. Many of the words that we use casually today have origins that reach back centuries, often tied to very specific social or political contexts. Take, for instance, the terms knockoff, bootleg, and coppers. At first glance, they may seem like everyday slang, but behind them lie stories of piracy, prohibition, and policing. Their histories not only reflect how people lived but also how they broke the rules, and how society responded.

The word 'knockoff' is today most commonly associated with imitation goods: counterfeit designer bags, fake sneakers, cheap tech gadgets made to look like premium brands. But its roots are industrial and pragmatic. In the early 20th century, the phrase likely emerged from the idea of 'knocking off' a product, either by copying its design or quickly reproducing a cheaper version. In factories and workshops, to 'knock off' something could also mean to produce it with haste, often with little regard for authenticity or quality. Over time, this evolved into the modern notion of a knock-off: something that looks like the real deal but lacks its craftsmanship, originality, or legitimacy. While today the term is often used in a consumer context, its origin speaks volumes about early industrial mass production and the thin line between innovation and imitation.

Moving from counterfeit goods to contraband, the term 'bootleg' has a far more rebellious and shadowy past. Its most famous association comes from early 20th-century America, during the Prohibition era (1920-1933), when the sale and manufacture of alcohol were banned across the United States. People found creative ways to smuggle liquor, and one of the most common methods involved hiding bottles inside the tall boots worn by traders and smugglers. Hence, the term 'bootlegging' was born, literally referring to liquor concealed in one's bootleg. While it began as a description of alcohol smuggling, it soon expanded to include any kind of illicit or unauthorized goods, particularly media like music, movies, and later, software. Even today, when someone refers to a 'bootleg' version of a concert or a film, they're using a term that was born in the dark corners of speakeasies and back-alley deals.

Then, there's the term 'coppers,' a nickname for police officers, especially in Britain and the United States. Its origin is slightly murky, but two main theories prevail. One suggests that it comes from the copper buttons and badges that 19th-century British and American police officers wore as part of their uniforms. These gleaming copper accessories made them easy to identify and may have led to the nickname. Another theory traces the word back to the verb 'to cop,' meaning to seize or arrest, a word derived from the Latin capere, meaning 'to take.' In this sense, a 'copper' is one who 'cops' criminals, one who takes, catches, or arrests wrongdoers. While 'coppers' is now largely considered an old-fashioned term, kept alive in detective novels, vintage films, and British crime shows, it remains a nostalgic echo of an earlier era of law enforcement.

Though, the words have evolved in meaning over time, these words carry with them fragments of history, whispers of prohibition, piracy, protest, and policing. They remind us that language is never static. It grows from human experience, often shaped by the tension between law and lawlessness, between imitation and authenticity, between order and rebellion. And that's what makes it so endlessly fascinating.

Instead of Kit Kat, a copy knockoff.

Carl Hagenbeck opened his Tierpark Hagenbeck in Hamburg, Germany, in 1907. Decades earlier, the impresario had exhibited indigenous humans in conditions that replicated their home environments.

He Invented The Zoo But Tested On People First

Despite the deaths and his supposedly firm resolve 'never to arrange human exhibitions again,' Hagenbeck continued putting people on display well into the 1880s. By the end of the decade, human zoos had taken on a life of their own. They found a welcome audience at world's fairs, beginning with the 1889 Exposition Universelle in Paris. Scholars estimate that over just 50 years in the late 19th and early 20th centuries, 20,000 to 25,000 indigenous people were exhibited in 'living habitats' in the West.

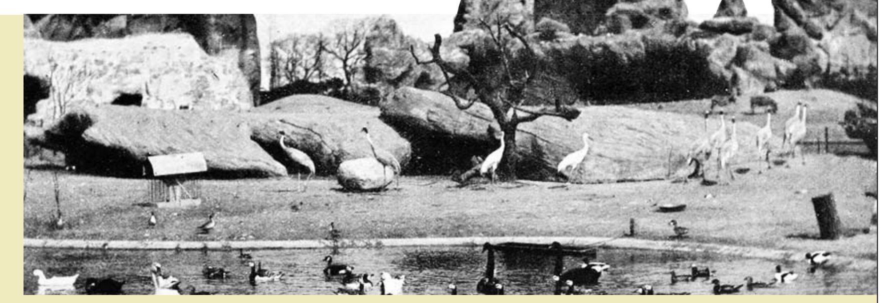

Water birds in a naturalistic zoo habitat.

● Verna Mohon

Carl Hagenbeck opened his Tierpark Hagenbeck in Hamburg, Germany, in 1907. Decades earlier, the impresario had exhibited indigenous humans in conditions that replicated their home environments.

At the turn of the 20th century, the great zoological gardens of Paris, London and New York City would have been hardly recognizable by today's standards. Animals, large and small, those that had evolved to sprint across plains and live half their lives submerged in water, were confined in rows of tiny, barren cages lined with metal bars. "They were often on their own and had nothing natural in their enclosures," says Karen S. Emmerman, an expert on Animal Ethics at the University of Washington. At a time when it was difficult to keep exotic animals alive, let alone healthy, in such constrained conditions, giving the creatures freedom to roam outdoors was viewed as a death sentence.

But Carl Hagenbeck, a German animal trader and entertainment impresario, had a different vision of what zoos could be. These animals, he argued, should be able to engage in innate behaviours 'in an environment which differed as little as possible from their own natural environment.' Ibexes needed mountains to climb. Lions needed grottos for bathing.

When Hagenbeck opened his Tierpark Hagenbeck in Hamburg, Germany, in 1907, it was unlike any zoo seen before. Instead of small indoor cages, he 'recreated the natural landscape of faraway places,' says Nigel Rothfels, a historian at the University of Wisconsin-Milwaukee and the author of *Savages and Beasts: The Birth of the Modern Zoo*. Hagenbeck built 'living habitats,' large outdoor enclosures with sturdy fake rocks and shallow artificial pools. He replaced cage bars with moats and dug deep pits that could be observed from above. He created the perception that the animals, while not exactly free, were living authentic lives that mirrored their experiences in the wild.

Visitors loved the innovations, and over the next several decades, the so-called Hagenbeck revolution spread, transforming zoos around the world in the image of Hamburg's Tierpark. More than a century later, 'living habitats' are still a hallmark of modern zoos. But while Hagenbeck traded, trained and showcased animals his entire life, it wasn't elephants or lions that led him to recognize the need to display exotic species in quasi-natural ecosystems. Hagenbeck first tested his ideas on human beings.

Before there were zoos, there were menageries, collections of living animals that were housed in the gardens of European royalty. Once reserved for aristocrats, these menageries opened to the public in the 17th and 18th centuries; commoners could also attend performances hosted by itinerant showmen who traveled from town to town with exotic species in tow.

By the mid-19th century, zoological gardens had shifted from manifestations of elite status to symbols of power and progress for European cities, growing rapidly by the light of the Industrial Revolution. Because zoos required global acquisition networks and extensive funds to maintain, building them became an expression of a city's political and economic influence. Soon, they were popping up across the continent and in many urban centers in the United States, too. (The Smithsonian's National Zoological Park, now the National Zoo and Conservation Biology Institute, opened in Washington, D.C. in 1891.) "If you're a legitimate city by the end of the 19th century, you better have a zoo," says Rothfels.

Hagenbeck supplied the majority of the wild animals that ended up in Europe's first public zoos. Lanky, with a stoic demeanor, traced his interest in zoos to his youth, recalling in his autobiography how local fishers once gave his father, a fishmonger, at least six seals they had accidentally caught in their nets. A lover of animals with a small personal menagerie of his own, Hagenbeck's father built two large wooden tubs and opened his doors to visitors, charging each 1 shilling for a look. The family business took off from there.

In 1859, at age 14, Hagenbeck assumed responsibility for his father's animal trade, expanding the company's networks across Africa, Asia and the South Pacific, just as a new surge in colonial exploration was carving up the globe. Soon, he was importing giraffes, antelopes, ostriches, rhinoceroses, panthers, cheetahs, birds, buffaloes and dozens of other species for zoos across Europe. In 1872, the American entertainment mogul P.T. Barnum purchased animals worth £3,000 (nearly $400,000 today) from Hagenbeck for his upcoming traveling show. Hagenbeck claimed that Barnum dealt exclusively with him for the rest of his life.

Wilhelm II of Germany speaks to individuals on display in a 'human zoo' at Tierpark Hagenbeck in 1909.

#DID-YOU-KNOW

Carl Hagenbeck, circa 1890.

Hagenbeck poses with a chimpanzee and three lion and tiger cubs.

For close to two decades, the German businessman dominated the exotic animal trade. But the one-two punch of an economic downturn and the rise of a new generation of traders in Europe and the U.S. eventually led Hagenbeck down a less-traveled path. It wasn't just the beasts of distant lands that fascinated audiences in the West, but also the curious, never-before-seen human communities caught in the crosshairs of imperial expansion. In 1874, when a friend suggested that Hagenbeck display indigenous Sami herders, alongside his next shipment of Scandinavian reindeer, the impresario needed no convincing.

Indigenous people from around the world had been displayed as spectacles in Europe since the 16th century, typically in staged performances or as sideshow acts. But Hagenbeck valued authenticity above all else. He felt that the public would be more interested in watching the Sami carry out the routines and rituals of their daily lives than in attending a contrived or dramatized show, and he wasn't wrong.

Reflecting on the 'huge success' of his first ethnographic exhibition, Hagenbeck wrote, "I attribute this mainly to the simplicity with which the whole thing was organized and to the complete absence of all vulgar accessories. There was nothing in the way of a performance."

For this initial 1875 display, Hagenbeck brought two families, the Rastis and the Nielsons, to Hamburg along with their 31 reindeer and their essential items:

Five Kawésqar whose remains were repatriated to Chile in 2010.

Abraham Ulrikab, an Inuit from Labrador, Canada, who died of smallpox while appearing in a Hagenbeck show in Europe.

crates full of tools, skates and snowshoes, as well as sledges and several dogs to pull them. In an open yard behind his home, the Sami raised their tents and hung them with tanned reindeer hides sewn with sinew. They dressed in long deerskin coats and pointed fur caps, and they laid out areas for fixing equipment and preparing meals. Audiences reportedly loved to watch the families milk their reindeer, which milled about the enclosure as if it were their familiar Arctic Circle habitat.

"All Hamburg came to see this genuine 'Lapland in miniature,'" Hagenbeck later wrote. To the impresario and his visitors, the indigenous families were 'unspoiled children of nature,' representatives of a simple, romanticized people who had long ago disappeared from European shores.

For the few weeks, they were on display at Hagenbeck's estate, the Rastis and the Nielsons attracted so many visitors that the businessman wasted little time in recruiting the next guests for his völkerschau ('people show'), what scholars today refer to as 'human zoos.' He went bigger this time, importing a large group of Sudanese men (and one woman, Hadjidje) alongside massive black dromedaries and other species native to their homeland in 1876.

Hagenbeck staged similar Sudanese 'caravans,' as he called them, multiple times, attracting 62,000 people to his Berlin show in a single day, according to Rothfels. He followed up this act by displaying six Greenlandic Inuit adults and children in 1878 and eight more Inuit from Labrador, Canada, in the fall of 1880. The later exhibition ended in tragedy when every member of the group died of smallpox, a disease that Hagenbeck's team had failed to vaccinate them against.

After briefly swearing off human displays, Hagenbeck was soon back at it, this time with a group of indigenous Kawésqar people, who'd been abducted by a German ship captain in Chile's Tierra del Fuego archipelago in 1881. Hagenbeck displayed the 11 men, women and children virtually naked, refusing to give them European-style clothing that would protect them from the cooling autumn temperatures. Unlike previous groups displayed by Hagenbeck, the Kawésqar were not accompanied by tools or domestic animals, adding to a problematic perception pushed by the day's pre-eminent anthropologists: that the tribe was a holdover from the Stone Age, made up of 'primitive' people who'd survived only because their homeland was inhospitable and remote.

"They could have progressed further if the adversity of their environment had not repressed them so much that they remained at the lowest level of social life," claimed German physician and anthropologist Rudolf Virchow. Observing them, he believed, was akin to going back to prehistoric times to observe humanity's ancestors.

Hagenbeck only halted the show after five of the Kawésqar died, likely of tuberculosis and measles. He gifted the bodies of the dead to a Swiss university for study and sent the living back to Chile. One died on the journey home. The Swiss university repatriated the remains of the five kidnapped Kawésqar to the Chilean government in 2010.

Despite the deaths and his supposedly firm resolve 'never to arrange human exhibitions again,' Hagenbeck continued putting people on display well into the 1880s. By the end of the decade, human zoos had taken on a life of their own. They found a welcome audience at world's fairs, beginning with the 1889 Exposition Universelle in Paris. Scholars estimate that over just 50 years in the late 19th and early 20th centuries, 20,000 to 25,000 indigenous people were exhibited in 'living habitats' in the West.

The subtext of these displays wouldn't have been lost on audiences of the time. Told that indigenous people were evolutionarily inferior to white Europeans and Americans, visitors accepted the idea that colonialist progress would soon condemn these groups to extinction.

"Whatever their disagreements, humanitarians, missionaries, scientists, government officials, explorers, colonists, soldiers, journalists, novelists and poets were in basic agreement about the inevitable disappearance of some or all primitive races," writes Patrick Brantlinger in *Dark Vanishings: Discourse on the Extinction of Primitive Races, 1800-1930*. "Savagery, in short, was frequently treated as self-extinguishing."

No longer the only showman trading in indigenous people, Hagenbeck complained that there was too much competition in people shows to make a decent profit anymore. Meanwhile, as the frenzy for human spectacle surged, the animal market once again stabilized. While Hagenbeck never completely abandoned the human zoo, his Tierpark in Hamburg boasted plenty of space to display indigenous people, he reinvested his energy into trading, training and showing exotic animals.

For these captive creatures, extinction seemed similarly inevitable. But unlike indigenous communities whose cultures and ways of life were considered beyond saving by the Western world, advocates of animal zoos came to believe that their most important role was not demonstrating 'colonial power over colonized places,' says Emmerman, but preventing the species they displayed from disappearing forever.

The 'living habitat' championed by Hagenbeck laid the foundation for zoos to begin presenting "themselves as more than merely recreation, places whose mission was described as conservation," Emmerman says. Educating the public about issues like habitat loss and extinction became a primary goal.

Today, zoos are the subject of much debate, with supporters touting the work they have done to save various species and critics questioning the effectiveness of their conservation efforts. There is no doubt, however, that zoo animals are better off today than they were before the introduction of Hagenbeck's innovations. The development of an accreditation process in the early 1970s by the Association of Zoos and Aquariums further advanced standards for zoos, establishing a set of best practices to ensure that captive animals receive proper care.

Despite his complicated legacy, Hagenbeck is widely considered the progenitor of this shift in viewing exotic animals not as objects, but as living beings with needs and intellectual abilities.

"Before Hagenbeck, zoological gardens often struggled to convince the public that it was not so bad to be an animal at the zoo," Rothfels writes in *Savages and Beasts*. Ever since Hagenbeck, animals have not been collected merely for reasons of science or education, or even really for recreation, animals have been put in zoos increasingly because they are nice, healthy, safe places to be and because the animals, we are told, might be better off there than in the real 'wild.'

rajeshsharma1049@gmail.com

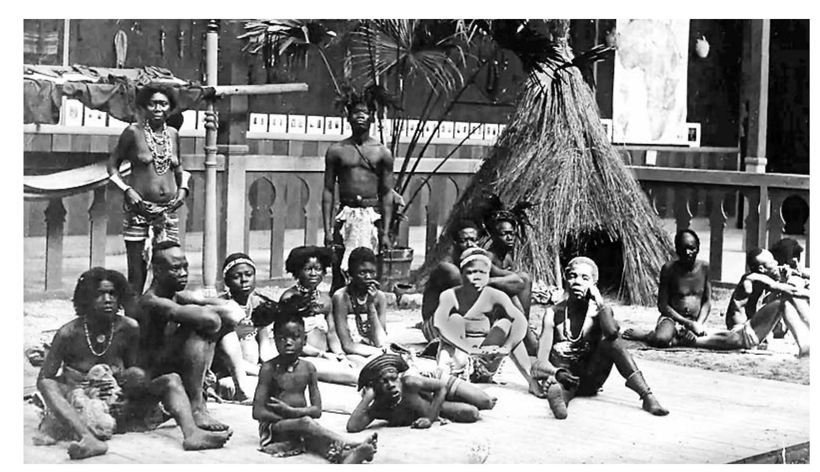

Indigenous people on display at the 1889 Exposition Universelle in Paris.

#REAL TOYS

Meet the First Barbie With Type 1 Diabetes

The new doll boasts a pink continuous glucose monitor to track blood sugar levels and a pink insulin pump

Mattel collaborated with leading diabetes organization Breakthrough T1D to design the first Barbie doll with Type 1 diabetes. Barbie has worn many hats, literally and figuratively since her debut in 1959. The iconic doll has traveled to space, performed surgery, run for the nation's highest office and competed in the Olympics. Now, for the first time, Barbie is showing what it's like to live with Type 1 diabetes, an often-invisible illness.

Mattel debuted the Barbie as part of the Fashionistas line, which seeks to reflect the diversity of the world by showcasing dolls with different skin tones, body types and medical conditions. The new doll is outfitted in a blue polka dot ensemble, a nod to the blue circle, the global symbol of diabetes awareness. She comes with realistic tools that people with Type 1 diabetes rely on every day: a pink continuous glucose monitor (CGM) to track blood sugar levels, a smartphone with an app synced to the CGM and a pink insulin pump to deliver doses of the hormone. Each detail aims to normalize the tools of diabetes care and ensure that the children who use them feel represented in the toys that they play with.

Mattel developed the doll in close collaboration with Breakthrough T1D, a leading diabetes research and advocacy nonprofit. The toy company also consulted focus groups and volunteers who live with Type 1 diabetes.

The new Barbie aims to give children with the condition a higher level of visibility and understanding. "They feel seen. They feel heard. They feel empowered," Pam Morrisroe, chief marketing officer for Breakthrough T1D, tells CBS News' Nancy Chen. "You don't know immediately when somebody has Type 1 diabetes necessarily, unless you see their devices," Morrisroe says. She describes the doll as "a conversation starter" and adds that "it's a great way to educate."

Type 1 diabetes has no known cure, but recent research suggests stem cell treatments might one day be able to reverse the condition. A 2025 study found that 10 of 12 people infused with a stem cell-based treatment no longer needed insulin one year later.

Type 1 diabetes is a chronic autoimmune condition in which the pancreas produces little to no insulin, a hormone necessary for processing blood sugar. Contrary to some media misrepresentations, Type 1 diabetes is not linked to diet or lifestyle, and its exact cause is unknown. The disease requires constant vigilance, as blood sugar levels can shift based on everything from physical activity and food intake to sleep patterns and stress.

In 2021, around 1.7 million adults in the United States reported that they'd been diagnosed with Type 1 diabetes and used insulin to treat the condition; this number is projected to rise to about 2.3 million by 2033. Type 2 diabetes, in which the body can't properly use insulin, is far more common than Type 1 and is often caused by lifestyle factors such as a lack of physical activity.

In addition to launching the new doll, Barbie also honoured model Lila Moss and Peloton instructor Robin Arzón, both of whom live with Type 1 diabetes, with their own one-of-a-kind dolls. As Moss, who has walked international runways while wearing her insulin pump with pride, says in a statement, "To be able to now see Barbie dolls with (Type 1 diabetes), and to receive a Barbie doll that visibly looks like me even wearing her patches, is both surreal and special." Arzón, for her part, says, "I've found a lot of purpose in advocating for people with the condition and educating others about it because knowledge is power, especially for young minds." The doll, which is priced at $10.99, joins a growing range of inclusive toys sold by Mattel. The Barbie Fashionistas collection already includes dolls with hearing aids, prosthetic limbs, Down syndrome and vitiligo, among other traits.

Educators are taking notice of the new product. A preschool teacher told Morrisroe that she preordered the doll to use as a learning tool in her classroom. Two of her students have Type 1 diabetes. "Representation matters so much," Morrisroe tells CBS News. "Visibility matters so much." As Devin Duff, a spokesperson for Mattel, tells CNN's Brenda Goodman, "We know that increasing the number of people who can see themselves in Barbie continues to resonate."

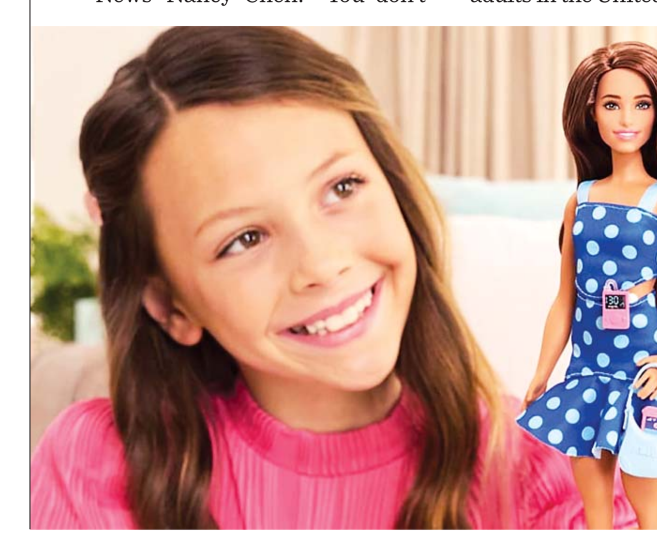

THE WALL

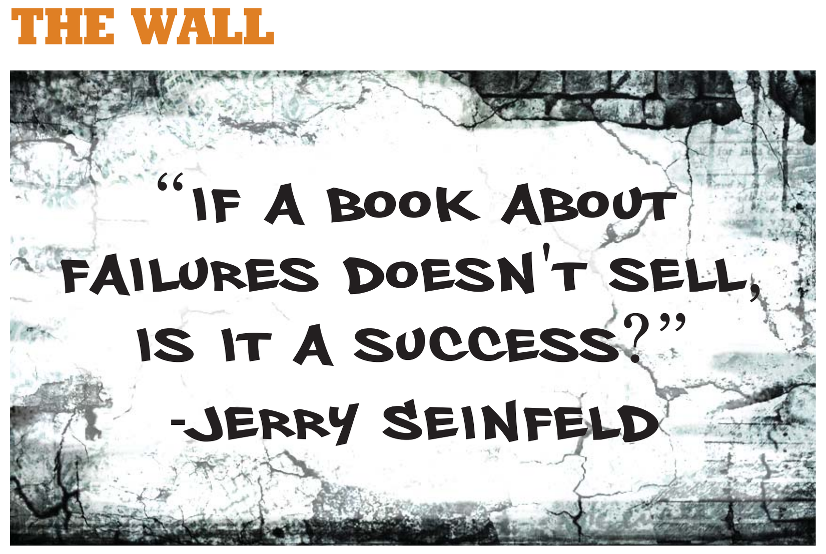

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

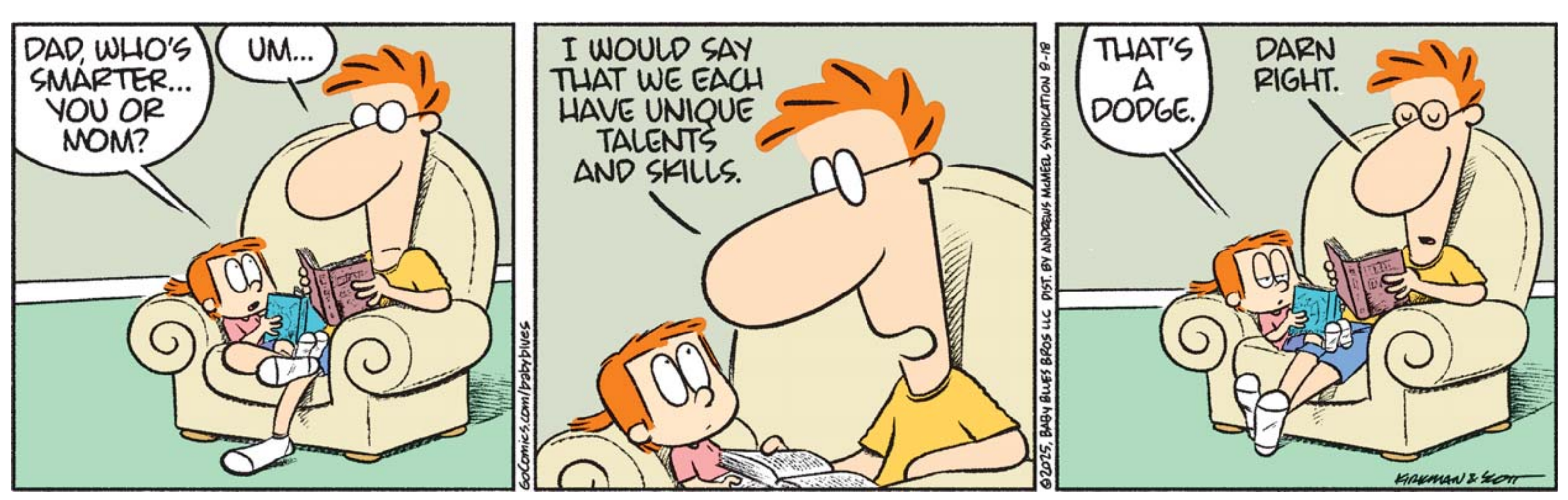

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

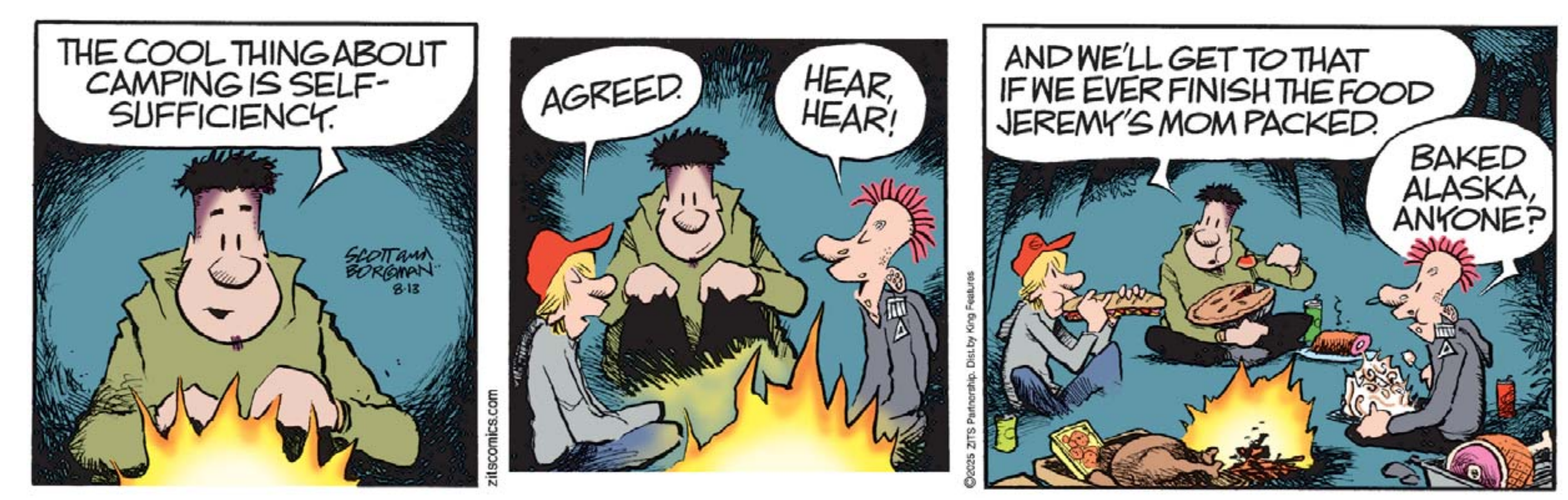

बसई में पूर्व विधायक के घर पर हुए हमले के बाद गांव में तनाव

विधायक ऋतु बनावत ने पुलिस थाने में धरना दिया, पुलिस पर घरों में घुसकर तोड़फोड़ करने एवं महिलाओं से अभद्रता करने के आरोप लगाए

रुदावल, (निसं)। गांव बसई में पूर्व विधायक के घर पर हुए हमले के बाद गांव में स्थिति सामान्य होने के बजाय तनाव के हालात बनते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खबरों महिलाओं के साथ अभद्रता एवं मकानों में तोड़फोड़ की घटना को लेकर क्षेत्रीय विधायक ऋतु बनावत सोमवार शाम को गांव बसई पहुंची, जहां पर महिलाओं ने विधायक को रो-रो कर आपबीती सुनाई।

महिलाओं ने विधायक को बताया कि रुदावल थाना के पुलिसकर्मियों ने उनके घरों में घुसकर तोड़फोड़ की एवं इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के साथ अभद्रता की। इस दौरान पुलिस की टीमों के साथ कोई भी महिला पुलिसकर्मी नहीं थी। पुलिस ने महिलाओं से मोबाइल भी छीन लिए। महिलाओं से उनकी आपबीती सुनने के बाद विधायक ने महिलाओं को सांत्वना देते हुए उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद विधायक ऋतु बनावत एवं भाजपा के पूर्व जिला

पुलिस थाने में धरने पर बैठी विधायक से एएसपी ने समझाइश की।

अध्यक्ष ऋषि बंसल रुदावल थाने पर पहुंचे। विधायक ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने एवं उचित कार्रवाई करने की मांग करते हुए थाना परिसर में ही ग्रामीणों के साथ धरना पर बैठ गई।

सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिराम कुमावत पुलिस थाना पर पहुंचे और महिलाओं से अभद्रता करने की बात से इंकार कर दिया। जिस पर माहौल गर्म हो गया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुमावत ने मामले की जांच कराने एवं मुक़दमा दर्ज करने एवं दोषी होने पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

विधायक एवं एडिशनल एसपी के बीच हुई तीखी नोकझोंक :- बसई गांव में महिलाओं से पुलिसकर्मियों द्वारा अभद्रता एवं घरों में तोड़फोड़ की घटना के विरोध में थाना परिसर में धरना पर बैठी विधायक से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विधायक महोदय फोटो शेषन हो गया हो तो अब आप कुर्सियों पर बैठो। इतना कहने पर विधायक ने कहा कि हम पीड़ितों को न्याय के लिए धरना दे रहे हैं, आप इसे फोटो शेषन कह रहे हो। जिससे एकबार माहौल गरमा गया। इसके बाद आपसी बातचीत के बाद मामला शांत हुआ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने अभद्रता करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ साक्ष्य पेश करने एवं मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर पेश करने की कहा गया।

पूर्व विधायक के घर पर हुआ था हमला ग्रामीणों ने की थी तोड़फोड़ :- गांव बसई से एक लड़का-लड़की के भागने की घटना के बाद गांव के कुछ लोगों ने पूर्व भाजपा विधायक बच्चू सिंह बंशीबाल के घर पर हमला कर घर में तोड़फोड़ करते हुए पूर्व विधायक के भाई एवं चचेरे भाई व चाचा के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

ट्रेलर से टकराया ट्रक, सड़क पर बिखरे टमाटर

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में रविवार देर रात अजमेर-भीलवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर नानकपुरा के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। देर रात करीब तीन बजे भीलवाड़ा की

- **गनीमत यह रही कि हादसे में चालक को गंभीर चोट नहीं आई**

ओर से टमाटर से भरा ट्रक सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद ट्रक में भरे टमाटर सड़क पर बिखर गए और पूरा दृश्य किसी खौफनाक मंजर जैसा नजर आने लगा। गनीमत यह रही कि हादसे में चालक को गंभीर चोट नहीं आई और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। वहीं हादसे के बाद माके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही नानकपुरा पुलिस चौकी प्रभारी और हाइवे पेट्रोलिंग दल मौके पर पहुंचा। क्रेन की मदद से ट्रक को हटवाया गया और सड़क पर फैले टमाटरों को किनारे करवाकर यातायात सुचारू कराया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में रविवार को ही दो बड़े हादसे हो चुके हैं, जिससे मौके पर

हादसे के बाद सड़क पर टमाटर बिखर गये।

भारी भीड़ जमा हो गई थी। लोग सड़क पर बिखरे लाल-लाल टमाटरों को देखकर हादसे की भयावहता को लेकर चर्चा करते रहे।

विश्वकर्मा पूजा दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर कल

झुंझुनूं। विश्वकर्मा ग्रुप झुंझुनूं एवं सर्व समाज के सहयोग से 17 सितम्बर (बुधवार) को श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस के अवसर पर द्वितीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिला मुख्यालय स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर, कारूंड़िया रोड, झुंझुनूं में प्रातः नौ बजे से प्रारंभ होगा।

आयोजन समिति ने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर को समाज के लोगों का भरपूर सहयोग मिला था। इस बार भी सभी सर्व समाज बंधुओं से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस मानव सेवा के पुनीत कार्य में सहभागी बनें और आयोजन को सफल बनाएं। रक्तदान शिविर के संयोजक विनोद सिद्धड़ ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है और यह ऐसा पुण्य कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। समाजबंधुओं तथा सर्व समाज के सहयोग से शिविर में अधिकाधिक यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। सर्व समाज के लोगों से अपील की गई है कि रक्तवीरों

भगवान श्री विश्वकर्मा।

का मनोबल बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए भी शिविर स्थल पर पहुँचें। स्वयं स्वैच्छा से रक्तदान कर अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। आयोजन समिति ने कहा है कि अधिक से अधिक भागीदारी से शिविर को सफल बनाना ही सभी समाजबंधुओं का लक्ष्य होना चाहिए। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के आयोजन से न केवल जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध होगा बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत होगी। आयोजन समिति ने बताया कि इस मौके पर विद्वान पंडितों के सानिध्य में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर विश्व मंगल की कामना की जाएगी

वृद्धा के गहने लेकर फरार हुई महिला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बाईजी का तालाब क्षेत्र में रहने वाली एक वृद्धा के साथ अंजान महिला ने ठगी कर ली। उसके बेटे की तस्वीर को देखकर उसकी आत्मा के भटकाव की बात की और घर की परेशानियां बताई। बाद में वृद्धा के पहने गहने उतरवाए और एक कपड़े में बांधकर गांठ लगा दी। रविवार की शाम को जब कपड़े की गाँठे खोली तो गहने नदारद थे। पीड़िता ने घटनाक्रम को लेकर सदर बाजार थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से महिला का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

- **बेटे की तस्वीर को देखकर उसकी आत्मा के भटकाव की बात की और घर की परेशानियां बताई थी**

घटना बाईजी का तालाब, नवल आश्रम के पास रहने वाली शंकुतला पत्नी राधेश्याम वाल्मिकी के साथ हुई। रिपोर्ट के अनुसार रविवार की सुबह पौने दस बजे के आसपास एक महिला क्रीम मेहरून रंग की साड़ी पहने उसके घर के अंदर मांगने के लिए आ गई। उसके पास में मेहरून रंग का बैग भी था। बाद में वह पानी पिलाने का कहने लगी। इस पर अंजान महिला को शंकुतला ने पानी लाकर दिया तब उसने हाथ देखा और फिर बेटे की तस्वीर की तरफ इशारा करते हुए कहा कि वह बेटा है क्या? हामी भरने के बाद कहा कि उसकी आत्मा भटक रही है। वह भगवान के घर नहीं गया है। उसका उपाय करना पड़ेगा। ऐसा कहकर वृद्ध शंकुतला के कानों के टॉप्स 5 ग्राम, पैरों की छड़ा जोड़ी 35 तोला खुलवाने के बाद ध्यान बंटाकर एक कपड़े में बांध कर दिए और किसी चावल अथवा गेंहू में रखने को कहा। कपड़े की गांठ शाम को पूजा के समय खोलने को कहा गया। शाम को वृद्ध शंकुतला के पोते ने जब कपड़े की गांठ खोली तो गहने नदारद थे। जिस महिला ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया उसके हाथ में सफेद डायरी होने के साथ बैग पर ओम नमो नारायण लिखा हुआ था। बदमाश महिला ने गहने कपड़े में बांधने के बाद उसे जलते दीपक के नीचे गेंहू चावल के नीचे रखने को कहा था। पुलिस ने महिला की खोजबीन शुरू की है।

बाइक चोरी की वारदात का खुलासा, दो गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में बढ़ रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों

- **पकड़े गए आरोपियों में लक्की मोंग्या और गिर्राज मोंग्या शामिल हैं**

में लक्की मोंग्या और गिर्राज मोंग्या शामिल हैं।

मामले के अनुसार 10 सितंबर को प्रार्थी कुंदन मनीष कुमार यादव पुत्र शंकर लाल यादव (24) निवासी चकदलेलपुरा थाना खेजरोली जिला जयपुर हाल निवासी पीतांबरा पी जी महिला महाविद्यालय के एक पीछे ने थाना प्रागपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी मोटरसाइकिल को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। इस पर थाना प्रागपुरा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई के आदेशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली

प्रागपुरा थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मामले की जांच शुरू की। गठित पुलिस टीम ने आसूचना संकलन कर लक्की मोंग्या पुत्र कालूराम मोंग्या निवासी जाटावाली मोड़ थाना सामोद, गिर्राज मोंग्या पुत्र हरनाथ मोंग्या पुत्र निवासी चंदलाई थाना टोंक सदर जिला टोंक को गिरफ्तार किया गया, जिनसे प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

ई-भुगतान प्रोत्साहन योजना को कृषक उपहार योजना में शामिल किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और कृषि उपज मंडी समितियों के समग्र विकास की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने 'ई-भुगतान प्रोत्साहन योजना' को 'कृषक उपहार योजना' में शामिल करने की मंजूरी दी है। इस निर्णय से अब ई-नाम के माध्यम से भुगतान करने वाले व्यापारियों को भी लॉटरी के माध्यम से नगद पुरस्कार मिल सकेगा। अब तक यह योजना केवल उन किसानों के लिए लागू थी जो ई-नाम पोर्टल के माध्यम से भुगतान प्राप्त करते थे, लेकिन अब व्यापारी वर्ग को भी उसी विक्रय पर्ची पर लॉटरी में शामिल कर पुरस्कार दिया जाएगा। इससे राज्य की कृषि उपज मंडियों में डिजिटल लेन-देन को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत विभिन्न कृषि उपज मंडी समितियों में लगभग 14.69 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। इनमें मंडी यार्ड के निर्माण, संपर्क सड़कों और विद्युत कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिन मंडियों में कार्य किए जाएंगे उनमें बज्जू (बीकानेर), नोखा (बीकानेर), राजधानी अनाज मंडी (जयपुर), रावला, चाकसू, फलोदी, श्रीकरणपुर और बिजयनगर सहित कई मंडी समितियां शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिरोही जिले में फल-सब्जी मंडी यार्ड की स्थापना की भी मंजूरी दी है। इससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। राज्य सरकार ने इसके लिए गौण मंडी यार्ड की सीमाओं को अधिसूचित करने का निर्णय भी लिया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से किसानों को तकनीक से जोड़ते हुए पारदर्शी और लाभकारी कृषि व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही राज्य की मंडी व्यवस्थाएं आधुनिक होंगी और किसानों के लिए विपणन प्रक्रिया अधिक सरल और सुगम बन सकेगी।

ट्रेन की चपेट से बुजुर्ग की मौत

बयाना/भरतपुर, (निसं)। रेलमार्ग पर सोमवार दोपहर एक अज्ञात बुजुर्ग बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शव झील कैलादेवी रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही झील चौकी के हेडकांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर बयाना उप-जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि मृतक ने लाल-भगवा वस्त्र धारण कर रखे थे, जिससे वह साधु प्रतीत होता है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह दुर्घटना कैसे हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मेजा बांध के टापू पर 15 दिन से फंसी गायों और बछड़ों को बचाया

- **प्रशासन और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से 50 से अधिक मवेशियों की जान बचाई जा सकी**
- **विधायक भडाणा की तत्परता से तहसीलदार व सिविल डिफेंस टीम ने नावों से पहुंचकर रेस्क्यू किया**

भीलवाड़ा, (निसं)। मेजा बांध के टापू पर करीब 15 दिन से फंसी गायों और उनके बछड़ों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए मंगलवार को बड़ा रेस्क्यू अभियान चलाया गया। प्रशासन और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से सभी मवेशियों की जान बचाई जा सकी।

जानकारी के अनुसार, बांध में पानी बढ़ने के चलते 50 से अधिक गायें और बछड़े टापू पर फंस गए थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना मांडल विधायक उदयलाल भडाणा को दी। विधायक ने तत्परता दिखाते हुए तहसीलदार उत्तम जांगिड़ और सिविल डिफेंस टीम को तत्काल मौके पर भेजा। रेस्क्यू के दौरान सबसे पहले टीमें नावों की मदद से टापू पर पहुंची, फिर रस्सियों के सहारे गायों को एक-एक कर बाहर निकाला गया। कई घंटे चले इस अभियान में मेजा गांव के युवाओं में विकास प्रजापत, नारायण कीर, श्यामलाल कीर, राजू कीर, कन्हैया लाल कीर, सत्यनारायण कीर, दिनेश कीर, महेंद्र कीर आदि ने प्रशासन का पूरा सहयोग किया। ग्रामीणों ने विधायक भडाणा की पहल और प्रशासन की मुस्तैदी की सराहना की। उनका कहना है कि यदि समय रहते रेस्क्यू नहीं होता तो मवेशियों की जान खतरे में पड़ सकती थी।

रेस्टोरेंट में दोस्तों में झगड़ा

जोधपुर, (कासं)। उदयमंदिर थाना क्षेत्र में एक रेस्टोरेंट-बार में रात दो बजे दोस्तों में झगड़ा हो गया। खाने की टेबल पर बैठने को लेकर झगड़ा हुआ, उसमें एक युवक घायल हो गया। पीड़ित ने नामजद लोगों के खिलाफ उदयमंदिर थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने बताया कि 11वीं रोड सरदारपुरा निवासी सुनील भाटी की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि रात दो बजे वह अपने परिचितों संग रेस्टोरेंट पर खाना खाने गया था, जहां पर विवाद होने से झगड़ा हो गया और मारपीट हो गई, जिसमें वह जख्मी हो गया। उसने रिपोर्ट में शुभम सोनी, करणसिंह आदि को नामजद किया है।

सायबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई, दो वाहन जब्त, नौ जने गिरफ्तार

नवलगढ़, (निसं)। जिले में सायबर अपराध के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत नवलगढ़ पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियों व एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी सहित सायबर अपराध में लिप्त किराए पर बैंक खाते

- **सायबर अपराध में लिप्त आरोपी किराए पर बैंक खाते देते थे**

देने वाले नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नवलगढ़ वृत्ताधिकारी राजवीर सिंह चंपावत के सुपरविजन में थानाधिकारी सीआई सुगन सिंह बिजारणिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम गिरफ्तार आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है। पूछताछ व जांच के बाद इनके खिलाफ अलग से भी विधिक कार्रवाई की जाएगी। सीआई सुगन सिंह ने बताया कि सायबर पुलिस पोर्टल पर विभिन्न बैंकों द्वारा की गई

नवलगढ़ पुलिस ने सायबर अपराध में लिप्त नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

शिकायतों व संदिग्ध बैंक खातों की सूची के आधार पर इन खाताधारकों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सूर्यप्रताप, कुलदीप, दिलप्रकाश, राजेश कुमार, राजकुमार, राजेश कुमार, कपिल, प्रहलाद व संदीप नागा शामिल हैं। कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम में एएसआई कृपालसिंह व सुरेश कुमार, एचसी शुभकरण, कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, नरेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार व भींवाराम शामिल रहे।

कमलेश सुथार हत्याकांड मामले में लोगों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। कमलेश सुथार हत्याकांड मामले में एक और बड़ा अपडेट सामने आया है। मुआवजे सहित अन्य मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं होने से परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा है। इसके चलते सोमवार को जिला

- **मुआवजे सहित अन्य मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं होने से परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा**

कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन शुरू किया है। यहां तक कि भीड़ कलेक्टर परिसर में घुस गई। प्रशासन से बनी सहमति पर अब तक प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से खफा परिजन और रिश्तेदार आक्रोशित हो रखे हैं। जानकारी के अनुसार करीब 10 दिन पूर्व फाइनेंसर कमलेश की गला रेत कर हत्या हुई थी, जिसमें सदर थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी रणवीर सिंह को गिरफ्तार किया था, लेकिन मुआवजे सहित अन्य मांगों पर पूरी कार्यवाही नहीं हो पाने के कारण आक्रोश बना हुआ है।

पांच दिवसीय रोवर रेंजर राष्ट्रपति अवार्ड प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में स्टेट एडवेंचर ट्रेनिंग सेंटर माउंट आबू पर राज्य स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ।

सीओ स्काउट महेश कालावत कि बताया कि शिविर में राजस्थान प्रदेश के 30 जिलों के 65 महाविद्यालयों के 150 से अधिक रोवर रेंजर राष्ट्रपति अवार्ड प्रशिक्षण के लिए राज्य प्रशिक्षण केंद्र आबू पर्वत पर पहुंचे। शिविर में राष्ट्रपति अवार्ड से संबंधित विभिन्न प्रकार की दक्षताओं, विषयों, प्रोजेक्ट एवं पाठ्यक्रम की जानकारी गहनता से दी जाएगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रायोगिक कार्य करते हुए इन्हें राष्ट्रपति अवार्ड के लिए तैयार किया जाएगा, जिसमें पायनियरिंग प्रोजेक्ट, मैपिंग, ध्वज शिष्टाचार, आपदा प्रबंधन, विभिन्न प्रकार की गांठे, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, प्राथमिक चिकित्सा जैसे विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। झुंझुनूं जिले से इस शिविर में पांच रोवर स्काउट झुंझुनूं से महिपाल सैनी, मोहित वर्मा, नवीन कुमार, खेतड़ी कॉलेज से हर्ष सैनी, आरकेजेके बरासिया पीजी कॉलेज सूरजगढ़ से राहुल कुमार, पीरामल पीजी कॉलेज बगड़ से ईशा जांगिड़, खेतड़ी कॉलेज से नेहा, रामादेवी पीजी महिला महाविद्यालय नूआं से खुशी सहभागिता कर रही है। शिविर का संचालन सहायक राज्य संगठन आयुक्त अजमेर विनोद दत्त जोशी द्वारा किया जा रहा है। शिविर में माउंट आबू सीओ स्काउट जितेंद्र भाटी, झुंझुनूं के सीओ स्काउट महेश कालावत, धौलपुर सीओ गाइड सीमा रिजवी, झुंझुनूं सहायक लीडर ट्रेनर विजय गर्वा, झुंझुनूं के रोवर लीडर विक्की कुमार, श्रीगंगानगर की सहायक लीडर ट्रेनर सावित्री, भीलवाड़ा के रोवर राकेश कीर तथा बाड़मेर रेंजर लीडर लक्ष्मी चौधरी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

रेस्क्यू किए घायल पैंथर का उपचार किया

उदयपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले के साबला क्षेत्र से रेस्क्यू किए गए घायल पैंथर का बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालय उदयपुर में उपचार कर सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में भेजा गया। उपनिदेशक पशुपालन डॉ. सुरेश चंद्र जैन ने बताया कि वन नाका साबला से घायल पैंथर को रेस्क्यू कर

- **उपचार कर पैंथर को सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में भेजा गया**

वनपाल हेमेंद्रसिंह चुण्डावत, होमगार्ड यादवेंद्रसिंह, पशु प्रेमी प्रणव सोनी उदयपुर चेतक सर्कल स्थित पशु चिकित्सालय में लेकर आए। यहां डॉ. जीवन कुमारी गोयल के निर्देशानुसार डॉ. राजेंद्र कुमार मेघवाल ने पशु परिचर मोहनसिंह पंवार, बाबूलाल चौहान सहित टीम के सहयोग से उपचार किया। उपचार के बाद पैंथर की स्थित सामान्य है तथा उसे सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क भेजा गया है।

संक्षिप्त

सघन ट्रैफिक जांच अभियान चलाया

कोटपूतली। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और नियमों के उल्लंघन पर रोक लगाने के उद्देश्य से डीएसपी राजेन्द्र बूरड़क के निर्देशन में क्षेत्र के विभिन्न थानों ने सघन ट्रैफिक जांच अभियान चलाया। अभियान के तहत डीएसपी राजेन्द्र बूरड़क के नेतृत्व में सख्त कार्यवाही की गई। इस दौरान तीन पुलिस थानों ने मिलकर 03 लाख रूपये से अधिक के चालान किये। अभियान के दौरान सरुण्ड थाना ने 83 हजार 500 रूपये, पनियाला थाना ने 71 हजार रूपये एवं कोटपूतली थाना ने लगभग 01 लाख 25 हजार रूपये की राशि के चालान काटे। इस दौरान हेलमेट नहीं पहनना, बिना लाईसेंस वाहन चलाना, ओवरलोडिंग, ट्रिपल सवारी, तेज गति व अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों को प्रमुखता से चिह्नित किया गया। डीएसपी राजेन्द्र बूरडक ने बताया कि यह अभियान निरन्तर जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें, जिससे दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके एवं सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

खदान में डूबने से युवक की मौत

दूदू। निकटवर्ती ग्राम पंचायत दातरी के अधीन माधोपुरा गांव के पास संचालित 80 फीट गहरी खदान में पानी में डूब जाने से एक युवक की मौत हो गई पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक सुरेश जाट निवासी बांदरसिंदरी पुत्र रामलाल जाट शुक्रवार से घर से लापता था उसकी चप्पल और कपड़े खदान के किनारे मिले की सूचना पुलिस थाना दूदू मैं दी गई के बाद एसडीआरएफ टीम एवं पुलिस अधिकारी कर्मचारी मय पुलिस पहुंचे सर्च ऑपरेशन के दौरान खदान में डूबे युवक के शव को बाहर निकल गया पश्चात दूदू मोर्चरी में रखा है जाकर बाद पोस्ट मार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया पुलिस मामले की जांच कर रही है ठामीणों ने बताया कि पत्थरों की खान करीब 20 वर्षों से बंद पड़ी है उसके चारों ओर कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं है खदान के चारों ओर खान मालिक से तारबंदी करवाए जाने की ठामीणों ने मांग की है

केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

शाहपुर। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय खोलने की माँग को लेकर शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पत्र लिखकर शाहपुरा में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की है। विधायक यादव ने कहा कि शाहपुरा दिल्ली-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर जयपुर से लगभग 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक ऐतिहासिक और तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है। भौगोलिक दृष्टि से अहम होने के बावजूद शिक्षा के मामले में यह अब भी पिछड़ा है। उन्होंने कहा कि शाहपुरा क्षेत्र की अधिकांश आबादी निम्न और मध्यमवर्गीय परिवारों से जुड़ी है, जो श्रम, मजदूरी और छोटे व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा की सख्त जरूरत है, लेकिन यहाँ केंद्रीय विद्यालय जैसी उच्च स्तरीय संस्था का अभाव है।विधायक मनीष यादव ने शाहपुरा में बताया कि शाहपुरा में केंद्रीय विद्यालय खुलने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। पूरे क्षेत्र का शैक्षिक वातावरण सुधरेगा, उच्च शिक्षा के लिए बेहतर आधार तैयार होगा। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को दूर-दराज़ जाकर पढ़ाई करने की मजबूरी से छुटकारा मिलेगा।

अवैध शराब सहित एक गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृताधिकारी उनियारा देवेन्द्र कुमार एवं अलीगढ़ थानाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबीर की सूचना पर कन्जर बस्ती मण्डावरा खाल से आरोपी राजेश पुत्र हीरालाल कंजर (49) निवासी मण्डावरा थाना अलीगढ़ को अवैध हथकड शराब का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से अवैध हथकड़ शराब 10 लीटर को जप्त किया जाकर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भाजपा सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाएगी पीएम मोदी का जन्मदिन : अरूण चतुर्वेदी

पावटा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन पर भाजपा ने सेवा पखवाड़ा मनाने की तैयारियां शुरू कर दी है। इस दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी को लेकर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में रविवार को सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 17 सितम्बर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इस

- **सेवा पखवाड़ा समाजसेवा, संगठन मजबूत करने का सशक्त माध्यम : सतीश पूनियां**

दौरान भाजपा कार्यकर्ता सेवा के संकल्प के साथ जन सामान्य के बीच जाकर विभिन्न सेवा कार्य करेंगे। सेवा पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन महरोज मोड़ राजमार्ग स्थित पंसारी होटल में हुआ।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पीएम मोदी के सेवा के संकल्प के साथ जन सामान्य के बीच जाकर सेवा कार्य करेंगे। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा सेवा को ही संगठन मानते हुए संकल्पबद्ध होकर कार्य किया है। सेवा पखवाड़ा समाजसेवा और संगठन को मजबूत करने का सशक्त माध्यम होगा। इस अवधि में विभिन्न कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाजहित में कार्य किए जाएंगे। सेवा पखवाड़ा के दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रदर्शनी, नमो मैराथन, पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि, वृक्षारोपण, बूथ कार्यकर्ता बैठक और कार्यकर्ता के घर भोजन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। जिनका उद्देश्य सेवा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना है। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने बताया कि सेवा पखवाड़े का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचना और उनकी जरूरतों को पूरा करना है। भाजपा कार्यकर्ता सेवा के संकल्प के साथ जन सामान्य के बीच जाकर सेवा कार्य करेंगे और समाज के विकास में योगदान करेंगे। मंच संचालन जिला महामंत्री एडवोकेट सुरेन्द्र चौधरी ने किया। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्रपाल मीणा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, सांसद प्रतिनिधि राजकुमार देवायुष सिंह, शाहपुरा प्रभारी उपेन यादव, जिला महामंत्री दामोदर बागड़ा समेत अन्य वक्ताओं ने सम्बोधित किया।

इस दौरान ग्राम सेवा सहकारी समिति प्रागपुरा चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत, जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह व जयराम सिंह गुर्जर, शाहपुरा से रत्ना कुमारी, पूर्व सरपंच एलन स्वामी, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास सिंह, जगदीश यादव, जिला उपाध्यक्ष सुरेश गठाला, एससी मोर्चा से बद्री प्रसाद चौहान, पूर्व चेयरमैन एडवोकेट महेन्द्र कुमार सैनी, एडवोकेट रामनिवास यादव, पावटा मंडल अध्यक्ष विरेन्द्र राठी, भाजपा प्रागपुरा मंडल महामंत्री मिंटू शर्मा, मोनू शर्मा, सुभाष कुमावत, युवा नेता मुजिफ खान, उमेश कुमावत, अशोक सुरेलिया, हरिद्वारी लाल स्वामी, पूरण खटाना, कांशीराम लम्बोरा, गिरिराज ओला, विनोद मीणा, प्रकाश चंद समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़े की तैयारियों को लेकर कार्यशाला हुई।

विधिक जागरूकता का हुआ आयोजन

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला जयपुर अध्यक्ष अजित कुमार हींगर एवं तालुका विधिक सेवा समिति, शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशानुसार पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने नगर परिषद् शाहपुरा के श्री श्याम मंदिर स्थित कॉलोनी में महर्षि दयानंद सरस्वती विद्यापीठ् में नालसा योजना 2015 के अंतर्गत " गरीबी उन्मूलन अभियान एवं साईबर क्राइम से बचाव के लिए विधिक जागरूकता की जानकारी से अवगत कराया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रामजी लाल शर्मा के द्वारा संचालित की गई। इस अवसर पर महिला लैंगिक यौन उत्पीडन समिति की अध्यक्ष पिंकी शर्मा भी उपस्थित रही।

हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

वजीरपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय में आज हिंदी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। अध्यक्षता नोडल अधिकारी प्रो रमेश बैरवा, विशेष व्याख्यान डॉ भूरसिंह गुर्जर एवं संचालन डॉ संपूर्णानंद गौतम ने किया। कार्यक्रम में अन्य संकाय सदस्य एवं छात्राएं शामिल रहीं।

'अधिकारी शिकायतों को लेकर बैठे नहीं उनका निस्तारण कर आमजन को करें लाभान्वित'

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने रीको, प्रदूषण नियंत्रण, चिकित्सा, शिक्षा, रसद एंव जिला परिषद विभाग के अधिकारियों को संपर्क पोर्टल में लापरवाही बरतने पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं तो वहीं उन्होंने पंचायती राज विभाग, रसद विभाग, रीको विभागों की पेंडेंसी

- **संपर्क पोर्टल में लापरवाही बरतने पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए**

अधिक होने पर आगाह कर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश कलेक्टर ने सोमवार को खैरथल जिला सचिवालय पर आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान दिए हैं।

समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर ने पिछली जनसुनवाई में आए परिवादों की समीक्षा, सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति, केंद्र की विभागीय फ्लैगशिप योजना एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी शिकायतों को लेकर के नहीं बैठे उनका निस्तारण समय पर कर आमजन को लाभान्वित करें। उन्होंने पंचायती राज विभाग, रसद विभाग, रीको विभागों की पेंडेंसी अधिक होने पर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए साथ ही रीको, प्रदूषण नियंत्रण, चिकित्सा, शिक्षा, रसद एंव जिला परिषद विभाग के अधिकारियों को संपर्क पोर्टल में लापरवाही बरतने पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी ही मीटिंग में उपस्थित रहे तथा उच्च स्तर की बैठक में व्यस्त होने पर मीटिंग में आने वाले व्यक्ति को बैठक से संबंधी सभी जानकारी से अवगत कराकर ही मीटिंग में भेजें। उन्होंने राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण विभाग, रीको, नगर निकाय के अधिकारियों को एवरेज डिस्पोजल सुधारने तथा आए हुए परिवादों को निश्चित समय अवधि में निस्तारण करने के भी निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने 17 सितंबर से आयोजित होने वाले शहर चलो अभियान, गांव चलो अभियान की तैयारी हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को अपने विभाग से संबंधित फ्लैगशिप योजनाओं के लाभ एवं कैंप में दिए गए कार्यों को सही ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि शिविर के दिन लाभार्थी को वास्तविक लाभ मिल सके।इस दौरान उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें।

खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर समीक्षा बैठक लेते जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

राजस्थान पेंशनर समाज की मासिक बैठक आयोजित

फुलेरा। राजस्थान पेंशनर समाज शाखा फुलेरा की मासिक बैठक शक्ति सिंह की अध्यक्षता में गणगौरी बाजार स्थित श्रीरामद्वारा सभागार में सम्पन हुई। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई व प्रस्ताव लिए गए, जिसमें आरजीएचएस योजना में गड़बड़ियों सामने आने के बाद सरकार की ओर से की गई सख्ती का असर पेंशनर्स पर हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा आरजीएचएस योजना में अधिकृत निजी चिकित्सालयों व मेडिकल स्टोर को समय पर भुगतान नहीं कर रही, जिसके कारण पेंशनर्स को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि 80 प्रतिशत पेंशनरों का जीवन दवाइयों पर निर्भर है, उन्हें दवाइयां नगद खरीदनी पड़ रही है।जिसके लिए

- **बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा हुई व प्रस्ताव लिए**

विभागीय अधिकारी को पत्र प्रेषित कर समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की गई है। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार जिन संस्थाओं के पास अपने भवन नहीं है, उनके लिए जमीन आवंटित की जाए, जिसके लिए संबंधित जनप्रतिनिधियों का अधिकारियों से संपर्क कर पेंशन भवन के लिए जमीन के कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। क्रय-विक्रय समिति द्वारा स्थानीय उपजिला चिकित्सालय में मेडिकल स्टोर खोलने के लिए स्टाफ उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रभारी अधिकारी से संपर्क करने का निर्णय लिया गया, जिससे पेंशनरों को दवाई मिलने में सुविधा हो सके। राज्य के बाहर भी आरजीएचएस योजना के अंतर्गत निजी चिकित्सालय अधिकृत है, यदि कोई पेंशनर राज्य के बाहर गया हुआ हो तो उसे इलाज की आवश्यकता होने पर वहां कैशलेस इलाज ले सकता है। बैठक में नीरज तिवारी, रामावतार गुप्ता, किशनसिंह, रोस्टर जॉन, गंगाकाशी, शीला वायलेट, ग्लोरिया डेविड, इकरामुद्दीन कुरेशी, भंवरलाल कुमावत, प्रतापसिंह, रमेश चंद्र गोठवाल, मोहनलाल, नाथूलाल मावर, विमल कुमार शर्मा, सूर्यप्रकाश, कैलाश चंद, हनुमान सिंह, सूंडाराम, रामजीलाल, मगनसिंह आदि मौजूद रहे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए

कोटपूतली। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जून 2025 तिमाही तक की बैंकिंग क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने बैंकों द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंनेबैंकों को निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सीएम स्वानिधी योजना, पीएम मुद्रा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। साथ ही, सभी शाखा प्रबंधकों को जागरूक कर अधिक से अधिक आवेदन प्रायोजित करने हेतु निर्देशित किया। किसानों को अधिकाधिक बैंकिग योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य करें, फसल बीमा का लाभ पहुंचाए।

'शहरी व ग्रामीण सेवा शिविर में आने वाले हर व्यक्ति को तत्काल राहत प्रदान करें'

कोटपूतली। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि श्सेवा पर्व पखवाड़ाश के अन्तर्गत 17 सितंबर से शुरू हो रहे शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों में आने वाले व्यक्तियों को नियमानुसार तत्काल राहत दी जाए। संबंधित विभागों के अधिकारियों का यह प्रयास होना चाहिए कि जो भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ एवं राजस्व सम्बन्धी अपने काम लेकर शिविर में आए वह निराश नहीं हो। जिला कलेक्टर सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी।

उन्होंने कहा कि शिविरों में किसी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। सरकार की मंशा के अनुरूप शहरी एवं ग्रामीण जनता को पात्रता के अनुसार योजनाओं के लाभ शिविर के दौरान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि शिविर का समय प्रात: 9.30 बजे से 6 बजे तक रहेगा। शिविर समाप्ति यानी 6 बजे तक कुछ कार्य अपूर्ण या लंबित रहे तो कार्यों को पूर्ण करने के उपरांत ही शिविर का समापन किया जाए। साथ ही शिविर प्रभारी यह भी सुनिश्चित करें की शिविर शुरू होने से शिविर की समाप्ति तक अभियान से संबंधित समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरे समय शिविर में उपस्थित रहें, ताकि जनता को शिविरों का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि शिविरों की जिला स्तर पर प्रगति, पर्यवेक्षण एवं समन्वय हेतु स्थापित कंट्रोल रूम से संपर्क रखें एवं प्रतिदिन शिविर समाप्ति पर पोर्टल पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने कहा कि अभियान के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं हेतु आवेदन एवं स्वीकृतियां, स्वास्थ्य शिविर, स्वामित्व योजना के तहत पट्टों हेतु आवेदन, स्वीकृतियां एवं

- **जो भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ व राजस्व सम्बन्धी काम लेकर शिविर में आए वह निराश नहीं हो**

वितरण, बिजली तारों एवं खंभों इत्यादि में सुधार, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों पर सख्ती दिखाते हुए समयबद्ध निस्तारण कर रिपोर्ट पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्सा विभाग को मौसमी बीमारियों के मद्देनजर बेहतर इलाज मुहैया कराने को कहा। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसीईओ सुशीला मीणा, डीएसओ शशि शेखर शर्मा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों की बैठक जिला कलेक्टर।

पुष्कर साहू को इकाई अध्यक्ष बने

देवली। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवली में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बैठक संपन्न हुई।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री विवेक गोयल पुत्र श्री ताराचन्द गोयल निवासी 4/21ए, लाल निवास, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर (राज.) ने प्लाट नम्बर 12डी विनायक रेजिडेंसी ब्लॉक बी, विस्तार योजना, ग्राम जयसिंहपुरा, बास जिरोता, तह.सांगानेर, जयपुर का श्रीमती ममता शर्मा पत्नी श्री विजय कुमार शर्मा निवासी 251, हिम्मत नगर, टोंक रोड, जयपुर से दिनांक 11.09.2025 को जरिये इकरारनामा क्रय करने का इकरार किया है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त प्लाट के क्रय विक्रय करने बाबत किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस सूचना के 7 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय में या मेरे अभिभाष्य को लिखित में आपत्ति मय सबूत पेश करें। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहें।
जयपुर (प्रहलाद गुप्ता) एडवोकेट
दिनांक-15/9/25 मो.न.-09414051537

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 96/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री विकास मित्तल पुत्र श्री हंसराज गुप्ता निवासी मकान नम्बर 665, सरस्वती विहार चक्करपुर गुड़गावं हरियाणा-122002 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्काई हाइट्स वायर्स वेलफेयर एसोसिएशन सोसाइटी ट्रस्ट, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स बी-ब्लॉक भगत सिंह कॉलोनी भिवाडी, तहसील टपूकड़ा जिला खैरथल तिजारा राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03/9/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17/11/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-11/971 दिनांक-15/9/25
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 30/12/11, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 18.610 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री दौलत सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 536 दिनांक 29.08.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 26.09.1987 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1922 दिनांक 08.02.2021 के द्वारा श्रीमती रेखा शर्मा पत्नी श्री योगेश कुमार शर्मा के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्रीमती रेखा शर्मा की मृत्यु दिनांक 02.06.2021 को हो जाने के कारण इनकी पुत्री श्रद्धा शर्मा पुत्री श्री योगेश शर्मा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वारिसान घोषणा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रद्धा शर्मा पुत्री श्री योगेश शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक) वाद सं. 20/2025
विषयः उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र
प्रार्थी नाम विनोद कुमार त्यागी पुत्र श्री रामनिवास त्यागी जाति विवाद स्थान 81, योजना सन् फ्लोवर, ग्राम चक गेटोर, तह. सांगानेर, जयपुर पुत्रियां भूमि त्यागी, हंविका त्यागी की संपति के विषय में
पेशी दिनांकः 10.11.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी / प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक का नाम भूमि त्यागी, हंविका त्यागी पुत्रियां विनोद कुमार त्यागी जाति... निवासी 81, योजना सन् फ्लोवर, चक गेटोर सांगानेर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 10 माह 11 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 11 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 11, जयपुर, जयपुर महानगर प्रथम, मुख्यालय, सांगानेर

सार्वजनिक सूचना कार्यालय नगर पालिका जोबनेर जिला जयपुर
प्रारूप -5 (नियम 6(2)) क्रमांकः- न.पा.जो. / 2025-26/1584 दिनांक 28.08.25
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका मण्डल जोबनेर में नामहस्तान्तरण करवाये जाने हेतु निम्न लिखित पत्रावलियां विचाराधीन है। अगर इन सम्पतीयों का निस्तारण करने में किसी को कोई आपति हो तो 7 दिवस के अन्दर मियाद अपनी आपति सबूतों सहित पालिका में दर्ज करवा सकते हैं। अवधि पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी व नियमानुसार अग्रीम कार्यवाही की जायेगी।
नामान्तरण

क्र. स.	आवेदक का नाम मय पता	पता	पटटाधारक का नाम	प्रस्तावित नामान्तरण	भूखण्ड का क्षेत्रफल
1	श्री मोहन लाल कुमावत पुत्र स्व. श्री पन्नालाल कुमावत	इन्द्रा कालोनी जोबनेर	श्री पन्नालाल कुमावत पुत्र श्री निरमाराम कुमावत	आवासीय	78.33 वर्गगज
2	श्रीमती पतासी देवी पत्नी स्व. श्री पन्नालाल कुमावत	इन्द्रा कालोनी जोबनेर	श्री पन्नालाल कुमावत पुत्र श्री निरमाराम कुमावत	आवासीय	113.66 वर्गगज
3	श्री सुरेन्द कुमावत पुत्र स्व. श्री पन्नालाल कुमावत	इन्द्रा कालोनी जोबनेर	श्री पन्नालाल कुमावत पुत्र श्री निरमाराम कुमावत	आवासीय	236.20 वर्गगज

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका जोबनेर

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283
फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rsscjaipur@gmail.com
क्रमांक :- एफ.10(1)/खे.अ./टेण्डर/2025/215 दिनांक :- 12/09/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 45/2025-26
राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर द्वारा संचालित क्रिकेट एरिना, जयपुर हेतु निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से क्रिकेट एरिना उपकरणों (Cricket Arena Equipment) की आपूर्ति हेतु सील बन्द लिफाफों में एतद् द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर कार्यालय में दिनांक 12.09.2025 को प्रकाशित कर 24.09.2025 को अपराह 1.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा उसी दिन साय 4:00 बजे उपस्थित निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा का सम्पूर्ण विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in & www.rssc.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.: RSC2526GSOB00047
राज.संवाद/सी/25/10054 सचिव

कार्यालय नगर निगम, कोटा-उत्तर
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, कोटा
email : nnkota@gmail.com, websites : www.kotamc.org, Ph.: 0744-501903
क्रमांकः ननिको(उ)/निर्माण/2025/4917-30 दिनांकः 11.09.2025
-:निविदा संशोधन सूचना:-
नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 13/2025-26 निविदा क्रमांक 4755-68 दिनांक 29.08.2025 को जारी ई-निविदा के कार्य संख्या 03 व 04 को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।
शेष यथावत रहेगीं।
अधीक्षण अभियन्ता
राज.संवाद/सी/25/10028 नगर निगम, कोटा-उत्तर

कार्यालय नगर परिषद् जालोर (राज.)
क्रमांक-नपजा/भूमि नियमन/2025/3581 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-19/2/2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् क्षेत्र जालोर के 69 ए के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जाकर पट्टे की मांग की गई है। इस संबंध में किसी व्यक्ति आदि को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो लिखित प्रार्थना-पत्र मय साक्ष्य आपत्ति सूचना पत्र के प्रकाशन होने के 07 दिवस के भीतर-भीतर नगर परिषद् कार्यालय को प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि उपरान्त किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी एंव आवेदको के नाम पट्टा जारी करने की कार्यवाही की जायेगी।

क्र. सं.	प्रकरण संख्या	आवेदक का नाम/पता	आडौस-पडौस चतुर्थदर्शी	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गगज)	प्रयोजन का प्रकार
1	45/2025-26	श्री हिरालाल पुत्र भंवरलाल जी कंसारा सरावास जालोर	उत्तर मंगलचंद सोनी का मकान दक्षिण-रमेशजी/पिराजी का मकान पूर्व-वागे खां जी का मकान पश्चिम- रास्ता	126.30	आवासीय
2	46/2025-26	श्री मंजुदेवी पत्नि रमेश कुमार ईन्द्रापुरी कॉलोनी जालोर	उतर खालसा भूमि दक्षिण-रास्ता पूर्व-मंगलाराम, मोतीरामप्रजापत मकान पश्चिम- खाली प्लोट	108.88	आवासीय

आयुक्त, नगर परिषद जालोर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर (पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-5) (राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांकः एफ-6( ) उपा.राज.-द्वितीय(सा.प्र.)/ननिज./ 2025 /193 **सार्वजनिक सूचना** दिनांकः 15.09.2025
मूल भूखण्ड संख्या सी-165, मोती डूंगरी योजना, जयपुर का अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा श्री द्वारका प्रसाद के नाम से क्षेत्रफल 722.2 वर्गगज भूमि का आवंटन/पट्टा जारी किया गया था। दिनांक 16.08.1961 को श्री द्वारका प्रसाद पुत्र श्री छीतर मल द्वारा भूखण्ड संख्या सी-165, मोती डूंगरी योजना, जयपुर क्षेत्रफल 722.2 वर्गगज श्रीमती अमृत कौर पत्नी श्री सरदार हरदेव सिंह को बेचान किया गया। नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या सी-165, मोती डूंगरी योजना, जयपुर श्रीमती अमृत कौर पत्नी श्री सरदार हरदेव सिंह के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। दिनांक 06.09.1975 को सरदार हरदेव सिंह पुत्र श्री सरदार करम सिंह बहैसियत मुख्तारखास श्रीमती अमृत कौर पत्नी सरदार हरदेव सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या सी-165, मोती डूंगरी योजना, जयपुर 722.2 वर्गगज स्टैट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर ऑफिसर्स हाऊसिंग को-ऑपरेटिस सो. लि. जरिये मंत्री रामसुख सविता को बेचान किया गया। दिनांक 19.12.1975 को नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या सी-165, मोती डूंगरी योजना, जयपुर सचिव, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर ऑफिसर्स हाऊसिंग को-ऑपरेटिस सो. लि. के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। दिनांक 30.08.1990 को श्री आर.एस. सविता पुत्र श्री ख्यालीराम बहैसियत मंत्री एस.बी.बी.जे. आफिसर्स हाउसिंग को-आपरेटिव सो.लि. जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या सी-165, तिलक नगर, जयपुर का पश्चिमी भाग कुल क्षेत्रफल 388.9 वर्गगज श्री एस.एल. गुलाटी के नाम से रजिस्टर्ड हस्तान्तरण पत्र का निष्पादन किया गया। दिनांक 10.06.2019 को श्री एस.एल. गुलाटी एवं दिनांक 28.11.2011 को श्रीमती कमला गुलाटी की मृत्यु हो गई। दिनांक 12.05.2025 को नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या सी-165, मोती डूंगरी स्कीम, जयपुर क्षेत्रफल 722.2 वर्गगज में से भूखण्ड संख्या सी-165-ए (पश्चिमी भाग) क्षेत्रफल 388.88 वर्गगज श्री मुकेश गुलाटी, श्री राकेश गुलाटी एवं श्री दिनेश गुलाटी पुत्रान् स्व. श्री सिकन्दर लाल गुलाटी के नाम से उपविभाजन पत्र जारी किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नाम हस्तान्तरण पत्र, रजिस्टर्ड हस्तान्तरण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, उपविभाजन पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री मुकेश गुलाटी, श्री राकेश गुलाटी एवं श्री दिनेश गुलाटी पुत्रान् स्व. श्री एस.एल. गुलाटी के पक्ष में क्षेत्रफल 388.88 वर्गगज का ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हों तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

खोया पाया
मै महेश कुमार पुत्र श्री भोला राम प्लॉट न B-21 आर के वाटिका सिटी 6 गांव भाटेड तहसील सांगानेर जयपुर के पट्टे की मूल प्रति, आवंटन पत्र साइट प्लान रसीद खो (गुम)गई है मिलने पर सूचित करे मो.7742221358

नाम परिवर्तन
मै प्रखर पिता का नाम श्री कैलाश चंद्र टांक पता प्लाट नं. 174-A ग्रीनपार्क, गोविंदपुरा, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, जिला-जयपुर राजस्थान-302012 यह कि मेने मेरा नाम प्रखर टांक से बदलकर प्रखर रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे प्रखर नाम से जाना जाये।

मैने अपनी पुत्री दीक्षा यादव D/o विनोद यादव उसके कुछ दस्तावेजो में नाम अंजल यादव, दीष्यु यादव, एंजेल लिखा है। इससे बदलकर दीक्षा यादव D/o विनोद यादव रख लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना पहचाना वह पढ़ा जावें। पता- भादवा नगर, चम्पापुरा, माचवा, जयपुर राजस्थान 303706

I No 15433250f Hav Lokendra singh My father name is Ramavtar singh has been wrongly recorded in the military records. while according to the Aadhaar card the correct name is RAMOUTAR SINGH.Affidavit no is IN-AS86250976036371X.

I No 15433250f Hav Lokendra singh My Mother name is MANJESH DEVI has been wrongly recorded in the military records.while according to the Aadhaar card the correct name is MANGESH DEVI.Affidavit no is IN-AS86251342082538X.

सार्वजनिक सूचना कार्यालय नगर पालिका जोबनेर जिला जयपुर
प्रारूप -5 (नियम 6(2)) क्रमांकः- न.पा.जो. / 2025-26/1736 दिनांक 13.09.25
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि नगरपालिका मण्डल जोबनेर में 69 क / स्टेट ग्रान्ट / नामान्तरण / निमार्ण ईजाजत के तहत् निम्न लिखित पत्रावलियां विचाराधीन है। अगर इन सम्पतीयों का निस्तारण करने में किसी को कोई आपति हो तो 7 दिवस के अन्दर मियाद अपनी आपति सबूतों सहित पालिका में दर्ज करवा सकते है। अवधि पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं होगी व नियमानुसार अग्रीम कार्यवाही की जायेगी। **69 क/स्टेट ग्रान्ट पट्टा**

क्र. स.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	वार्ड/ कॉलोनी गली का नाम	आगे पीछे का विवरण पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	आवासीय/ व्यवसायिक	क्षेत्रफल (वर्गगज)
1	श्री गोपाल लाल अग्रवाल पुत्र श्री सोहन लाल अग्रवाल	कालवाड रोड, ढाणी,नागान जोबनेर	श्री बन्शी लाल कुमावत का भूखण्ड	श्री गोपाल अग्रवाल की जमीन	श्री नानुराम खोराणिया की जमीन	आम रास्ता	मिश्रित	351.125 वर्गगज
2	श्री बन्शी लाल कुमावत पुत्र श्री लाल चन्द कुमावत	कालवाड रोड, ढाणी,नागान जोबनेर	लालचन्द कुमावत का भूखण्ड	श्री गोपाल अग्रवाल की जमीन	श्री नानुराम खोराणिया की जमीन	आम रास्ता	मिश्रित	351.125 वर्गगज
3	श्री नेमी चंद सिंधी पुत्र श्री अमर चन्द सिंधी व सुरेन्द्र कुमार सिंधी पुत्र स्वं. श्री जवाहर मल सिंधी	रावल नरेन्द्र मार्ग जोबनेर	आम रास्ता	नरेन्द्र मार्ग व रास्ता	श्री गोपीचन्द पुत्र श्री अमरचन्द सिंधी का मकान	श्री ज्ञानचन्द भागचन्द पुत्र श्री अमरचन्द सिंधी का मकान	आवासीय	197.50 गंगज
4	श्री शंकर लाल सैन पुत्र श्री लादूराम	बैरवालो की ढाणी भारिजा रोड जोबनेर	आबादी भूमि	भारिजा रोड	धर्मशाला के पास बाउण्ड्रीवाल	भारिजा रोड	आवासीय	13.44 वर्गगज
5	श्री मनीष कुमार पाटनी पुत्र स्व. श्री मदन लाल पाटनी श्री आदित्य पाटनी पुत्र स्व. श्री अनिल कुमार पाटनी व श्री विवेक पाटनी पुत्र स्व. श्री विनोद कुमार पाटनी	वार्ड न. 6 कुम्हारों का मोहल्ला जोबनेर	श्री छितर मल जैन का मकान	आम रास्ता	श्री गजानन्द सोनी का मकान	आम रास्ता	आवासीय	167.55 वर्गगज
6	श्री रोहित गुर्जर पुत्र श्री रणवीर सिंह	वार्ड न.17 सराय मोहल्ला जोबनेर	श्री दान मोहम्मद कुरेशी का मकान	श्री कमलेश गुर्जर का मकान	श्री नूर मोहम्मद कुरेशी का मकान	आम रास्ता	आवासीय	296.40 वर्गगज
7	श्री यादवेन्द्र सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह	वार्ड न.17 सराय मोहल्ला जोबनेर	श्री कमलेश गुर्जर का मकान	श्री नूर मोहम्मद कुरेशी का मकान	श्री कालूजी कुम्हार का मकान	आम रास्ता	आवासीय	261.07 वर्गगज
8	श्री कमलेश कुमार गुर्जर पुत्र श्री रणवीर सिंह	वार्ड न.17 सराय मोहल्ला जोबनेर	श्री रोहित गुर्जर का मकान	श्री यादवेन्द्र सिंह का मकान	श्री कालूजी कुम्हार का मकान	आम रास्ता	आवासीय	282.74 वर्गगज
9	श्री यशवेन्द्र गुर्जर पुत्र श्री रणवीर सिंह	वार्ड न.06, गुर्जरों का मोहल्ला जोबनेर	श्री ओमप्रकाश गुर्जर का मकान	आम रास्ता	आम रास्ता सीमेन्ट सडक	आम रास्ता सीमेन्ट सडक	मिश्रित	154.44 वर्गगज
10	श्री बिरदी चन्द पुत्र श्री गोपी राम	वार्ड न.20,गोडावाली कोठी जोबनेर	श्री नन्द लाल कुमावत का मकान	श्री भंवर लाल जी का प्लाट	स्वंय की जमीन	आम रास्ता सीमेन्ट सडक	आवासीय	354.66 वर्गगज
11	श्रीमती केली देवी पत्नि स्व. श्री किशन लाल	वार्ड न.13, खटीकों का मोहल्ला जोबनेर	श्री डाल चन्द का मकान	आम रास्ता	आम रास्ता	स्वयं का मकान	आवासीय	26.32 वर्गगज

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर

सरकार ने 222 आर.ए.एस. का तबादला कर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया

वाणिज्यिक कर विभाग के उपायुक्त मोहन दान रत्नू बने मुख्यमंत्री भजनलाल के विशेषाधिकारी

-कार्यालय संवाददाता-

- खाद्य सुरक्षा निदेशालय के अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा को गौ-पालन निदेशक बनाया
- जयपुर ग्रेटर के अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार बने स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त निदेशक
- हैरिटेज निगम के अतिरिक्त कमिश्नर सुरेन्द्र सिंह यादव को सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग में लगाया
- जयपुर विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त आयुक्त समेत कई नये उपायुक्त लगाए, ग्रेटर-हैरिटेज के उपायुक्त भी बदले

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए सोमवार को राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस.) के 222 अधिकारियों के तबादले किए है। इस फेरबदल में जयपुर, जोधपुर, कोटा, अलवर और बीकानेर की 9 यूनिवर्सिटीज के रजिस्ट्रार बदले गए हैं। साथ ही वाणिज्य कर विभाग के उपायुक्त मोहन दान रत्नू को मुख्यमंत्री भजन लाल का विशेषाधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं अशोक कुमार योगी वन और पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के विशिष्ट सहायक (एसए) के पद पर पोस्टिंग दी गई है। शुद्ध के लिए युद्ध और मिलावटी वस्तु के छापों से चर्चा में आए पंकज ओझा को खाद्य सुरक्षा निदेशालय के अतिरिक्त आयुक्त से हटाकर उन्हें गौ-पालन निदेशक के पद पर लगाया गया है। गौरतलब है कि पंकज ओझा ने फूड सेफ्टी विभाग में रहते बड़े स्तर पर छापेमारी की थी। इसके साथ ही नगर निगम ग्रेटर और हैरिटेज में अतिरिक्त आयुक्त के साथ-साथ कई उपायुक्तों का तबादला किया है। जयपुर विकास प्राधिकरण में भी अतिरिक्त आयुक्त लगाते हुए कई नये उपायुक्तों को लगाया गया है।

इस आदेश में संयुक्त सचिव स्तर के अफसरों का भी तबादल किया है। जिसमें दिनेश कुमार जांगिड को सहकारिता विभाग से पशुपालन विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति दी है। असलम शेर खान को जल संसाधन विभाग से अल्पसंख्यक मामला विभाग में संयुक्त सचिव, नरेंद्र कुमार बंसल को कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव से नगर निगम ग्रेटर में अतिरिक्त आयुक्त की जिम्मेदारी दी है। आनंदीलाल वैष्णव को प्रसारण निगम के सचिव से गृह विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर लगाया है। खान विभाग की संयुक्त सचिव आशु चौधरी को राजस्थान यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार पद पर लगाया गया है। राजपाल सिंह का सीईओ जिला परिषद कोटा से कोटा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार के पद पर तबादला किया है। कोटा यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार भावना शर्मा को अब राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा के रजिस्ट्रार की जिम्मेदारी दी गई है। अशोक कुमार को अतिरिक्त आयुक्त देवस्थान विभाग से महाराणा प्रताप एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी उदयपुर में रजिस्ट्रार के पद पर लगाया है।

राजस्व अपील अधिकारी सुरेश कुमार नवल को भरतपुर विकास प्राधिकरण में सचिव के पद पर लगाया गया है। अरविंद सारस्वत को खान विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। जयपुर ग्रेटर नगर निगम की अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार को स्थानीय निकाय विभाग में अतिरिक्त निदेशक बनाया गया है। सीमा कुमार की जगह नरेंद्र कुमार बंसल को कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव से तबादला करके नगर निगम ग्रेटर में अतिरिक्त आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं हैरिटेज नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेन्द्र सिंह यादव का तबादला करके उन्हें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में (छात्रवृति एवं छात्रावास) के अतिरिक्त निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं हैरिटेज निगम के उपायुक्त युगान्तर शर्मा को अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट्र (शहर)जयपुर दक्षिण के पद पर लगाया है। प्रवीण कुमार द्वितीय, बिजेन्द्र सिंह और राजेन्द्र कुमार द्वितीय को हैरिटेज निगम में उपायुक्त, नीलम मीणा को ग्रेटर निगम में उपायुक्त के पद पर लगाया है। इसी तरह प्रतिभा पारीक को जयपुर विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त आयुक्त के रिक्त पद पर लगाया है। रविन्द्र कुमार शर्मा, देविका तोमर, खेमाराम यादव, ओम प्रभा, अर्शदीप बराड़, सीमा खेतान और पुखराज कासोटिया को जयपुर विकास प्राधिकरण में उपायुक्त लगाया है। साथ ही महावीर सिंह द्वितीय को जेडीए में प्राधिकृत अधिकारी के पद पर जिम्मेदारी सौंपी है। आर.ए.एस. गोपाल सिंह को राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड जयपुर में सचिव तथा डॉ. अशोक कुमार चतुर्थ को उपसचिव के पद पर लगाया है।

इसके अलावा घूसकांड में एसीबी में ट्रेप हो चुके पुष्कर मित्तल को झालावाड़ के मनोहर थाना में एसडीएम लगाया है। साथ ही एपीओ चल रही कश्मीर कौर रॉन को गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के रजिस्ट्रार पद पर पोस्टिंग दी गई है। डॉ गुंजन सोनी को जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर और ममता यादव को बाबा आमटे दिव्यांग यूनिवर्सिटी जयपुर के रजिस्ट्रार की जिम्मेदारी दी गई है। सावन कुमार चायल को आयुर्वेद विभाग के उपसचिव से राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय जोबनेर के रजिस्ट्रार पद पर लगाया है। झुंझुनूं एसडीएम पंकज शर्मा का तबादला वेटरनरी यूनिवर्सिटी बीकानेर के रजिस्ट्रार के पद पर किया गया है। एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर की रजिस्ट्रार प्रिया भार्गव को स्वास्थ्य विभाग में उप सचिव, मत्स्य यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार लोकेश कुमार मीणा को राजमेश उपनिदेशक के पद पर लगाया है। जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार हरीतिमा को उपायुक्त सीएडी बीकानेर लगाया। वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी कोटा की रजिस्ट्रार सरिता को जिला आबकारी अधिकारी कोटा के पद पर लगाया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी लोगों की समस्याएं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित नियमित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित नियमित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाना है। इसके लिए प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासनिक तंत्र विकसित किया गया है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की विभागीय स्तर पर निगरानी की जाए और परिवादियों को समाधान की जानकारी समय-समय पर दी जाए। उन्होंने आपसी समझाइश से विवादों के समाधान को प्राथमिकता देने की भी बात कही। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस जनसुनवाई में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याएं उठाई गईं, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया स्मारिका का विमोचन

जयपुर (कासं)। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए गए विकास कार्यों को समाहित कर एक स्मारिका का प्रकाशन किया गया। इस स्मारिका में ग्रेटर निगम के वार्ड 84 में हुए बहुआयामी विकास कार्यों के साथ जन उपयोगी एवं अन्य जानकारी का भी समावेश किया गया है।

स्मारिका का प्रकाशन चेयरमैन पार्षद वार्ड 84 अभय पुरोहित द्वारा करवाया गया। जिसका विमोचन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निवास पर किया।

इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर जयपुर के उपमहापौर पुनीत कर्णावत, लक्ष्मीकांत भारद्वाज प्रवक्ता एवं पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा, अभय पुरोहित, एसएफएस डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष किशन लाल छत्तानी, सीए ललित चांदगोठिया, श्री दिगंबर जैन समाज एसएफएस की निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. राजेश जैन काला उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रेटर निगम जयपुर के चेयरमैन अभय पुरोहित द्वारा सांगानेर के विकास कार्यो पर तैयार स्मारिका का विमोचन किया।

एटीएस ने पकडा 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश

जयपुर। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) ने गुजरात में छिपे पच्चीस हजार रुपए के इनामी मोस्ट वांटेड बदमाश को गिरफ्तार किया है। जो पिछले करीब 27 सालों से धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहा था। एटीएस टीम ने जाल बिछाकर पैसों का लालच देकर मिलने बुलाकर इनामी बदमाश को धर-दबोचा।

एटीएस पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि मोस्ट वांटेड बदमाश अकबर (61) निवासी मांगरोल सुरत (गुजरात) को गिरफ्तार किया है। जो पिछले काफी समय से गुजरात में अपने ससुराल में रहकर फरारी काट रहा था। वर्ष 1998 में वाहनों की खरीद-बेचन को लेकर धोखाधड़ी के मामले में बांसवाड़ा पुलिस ने गैंग के बदमाश पीर मोहम्मद, हमीद खां, विवेक कुमार और दाऊद को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में बदमाश अकबर और यूसुफ फरार चल रहे थे। बांसवाड़ा एसपी की ओर से जालसाज अकबर के खिलाफ पच्चीस हजार का इनाम रखा गया था। पिछले दो महीने से एटीएस टीम की ओर से मोस्ट वांटेड अकबर के छिपने के ठिकानों का पता लगाया जा रहा था।

'पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की एक और साजिश बेनकाब, हाईकोर्ट ने भाजपा कार्यकर्ताओं को किया बरी'

एसओजी और एसीबी के दुरुपयोग से दर्ज हुए झूठे मुकदमों का पर्दाफाश, कांग्रेस की नीयत उजागर : मदन राठौड़

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त के मामले में भाजपा कार्यकर्ता भरत मालानी (ब्यावर) एवं अशोक सिंह (उदयपुर) को सहसम्मान बरी किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने इस निर्णय को "कांग्रेस की साजिश की हार और लोकतंत्र की जीत" बताया।

राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2020 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार ने एसओजी और एसीबी जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए झूठे मुकदमे दर्ज करवाए थे। इन मामलों में दोनों निर्दोष भाजपा समर्थकों को लगभग एक माह तक जेल में रहना पड़ा। आज एसीबी द्वारा प्रस्तुत एफ़आर के आधार पर हाईकोर्ट द्वारा दोनों को बरी किया जाना यह सिद्ध करता है कि कांग्रेस ने अपने आंतरिक सत्ता संघर्ष को छुपाने के लिए विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि "कांग्रेस ने उस समय अपने ही भीतर चल रही खींचतान और सचिन पायलट को कमजोर करने के उद्देश्य से भाजपा से जुड़े लोगों को फंसाने की साजिश रची।" उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार द्वारा विधायकों को होटल में रखकर सरकार चलाना लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ एक गंभीर खिलवाड़ था, और उसी की आड़ में झूठे मुकदमे गढ़े गए। राठौड़ ने कहा कि जनता सब देख रही है। कांग्रेस की ये साजिशें आने वाले चुनावों में उसे भारी पडेंगी। यह फैसला साबित करता है कि कांग्रेस की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। गौरतलब हैं कि 2020 में अशोक गहलोत सरकार ने आरोप लगाया था कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में एसओजी में एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें भरत मालानी और अशोक सिंह को गिरफ्तार किया गया। बाद में एसीबी में नई एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन न्यायालय ने समस्त तथ्यों की जांच के बाद दोनों को बाइज्जत बरी कर दिया।

उधारी चुकाने का झांसा दे महिला से दुष्कर्म

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में एक परिचित ने महिला से रुपए उधार लिए और झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने आरोपी से नकदी लौटना का दबाव बनाया तो आरोपी अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोपी की धमकी से परेशान महिला ने थाने पहुंच घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित महिला के बयानों के आधार पर आरोपी पक्ष के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी। पुलिस ने बताया कि महिला का आरोप है कि परिचित होने के कारण दोनो में बातचीत थी और आरोपी का घर पर आना -जाना था। आरोपी ने वर्ष 2019 में महिला से उधार रुपए लिए थे। जिसके बाद वो दो -तीन सात पर नकदी लौटाने के लिए झांसे देता रहा। आरोपी ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसा कर उसके साथ दुष्कर्म किया।

शेखावाटी की हवेलियां हमारी अनमोल धरोहर : मुख्यमंत्री

भविष्य में कोई भी हवेली नहीं तोड़ी जाए, जिला कलक्टर करें सुनिश्चित : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां प्रदेश की अनमोल एवं अद्वितीय धरोहर हैं। राज्य सरकार इस समृद्ध विरासत की सुरक्षा व रखरखाव के लिए हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में शेखावाटी विरासत सरंक्षण संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बजट वर्ष 2025-26 में शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना की घोषणा की गई है। इस योजना में झुंझुनूं, सीकर और चूरू में अब तक 662 ऐतिहासिक हवेलियों को चिन्हित किया है। इन हवेलियों को हेरिटेज वॉक, सांस्कृतिक केंद्र, आर्ट गैलरी, होमस्टे और टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलैक्टर सुनिश्चित करें कि भविष्य में कोई भी हवेली नहीं तोड़ी जाए। शेखावाटी क्षेत्र की धरती अपने आप में कला, संस्कृति और आस्था का अद्वितीय संगम है। ऐसे में शेखावाटी क्षेत्र आज पर्यटन में सिरमौर बन रहा है।

इस वर्ष के छह माह में शेखावाटी के तीन जिलों सीकर, झुंझुनूं और चूरू में लगभग एक करोड़ 90 लाख देशी पर्यटक और 33 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक आए। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दे रही है। इसी तरह खाटूश्यामजी मंदिर एवं सालासर बालाजी मंदिर को धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों को कुल 30 हैरिटेज प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। ये प्रमाणपत्र हवेलियों को संरक्षण से जोड़ते हुए उन्हें पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी के रामगढ़, नवलगढ़, मंडावा, खेतड़ी, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर और महनसर कस्बों की विरासत के संरक्षण एवं विकास के लिए विभिन्न विभागों की ज्वाइंट कमेटी गठित की जाएगी, जो इन क्षेत्रों में आधारभूत संरचना एवं पर्यटन विकास के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाकर कार्य करेगी।

दो मोबाइल चोर गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने दो मोबाइल चोरों सौरभ उर्फ सागर मीना (21) निवासी टोडाभीम जिला करौली हाल खानाबदोश जगतपुरा और सलताज खान (22) निवासी टोडाभीम जिला करौली हाल लूनियावास खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशे के पैसों के लिए चोरी करते थे। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

रक्तदान अमृत महोत्सव में 3 लाख यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 75 देशों में 7500 से अधिक रक्तदान शिविर लगाएंगे

ग्रेटर नगर निगम जयपुर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की ओर से आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की ओर से रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 का आयोजन किया जायेगा। भारत सहित 75 देशों में 7500 से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन बुधवार को करके नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया जाएगा।

अभियान का लक्ष्य 3 लाख यूनिट रक्त संग्रह कर सेवा का अद्वितीय उदहारण प्रस्तुत करना है। देशभर में 4 हजार रक्त बैंक, 5 हजार डॉक्टर, 25 हजार लैब टैक्नीशियन और 1 लाख स्वयंसेवक इस अभियान से जुड़कर सेवा में भाग ले रहे है। यह जानकारी मंगलवार को जयपुर ग्रेटर नगर निगम के उप महापौर पुनीत कर्णावत, लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक बैद, जयपुर परिषद् अध्यक्ष रवि छाजेड़, राष्ट्रीय एमबीडीडी टीम एवं जयपुर कैंप के संयोजक सुरेंद्र नाहटा, जयपुर संभाग के प्रभारी करण नाहटा, जयपुर परिषद् के मंत्री शरद बरडिया ने प्रैस कॉफ्रेंस में दी।

उप महापौर पुनीत कर्णावत ने बताया कि यह मुहिम वक्त की ज़रूरत है। भारत सरकार के स्वस्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, रेल मंत्रालय, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, रेलवे पुलिस फ़ोर्स तथा एन.एस.एस सहित अनेक संस्थाएं इस अभियान का सहयोग कर रही है।

केन्द्रीय नेताओं जैसे जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अश्विनी वैष्णव, नितिन गडकरी, पियूष गोयल आदि का समर्थन प्राप्त हो रहा है। स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव और खेल मंत्री मनसुख माण्डविया ने पूरे देश में अभियान का प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिए है।

लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक बैद ने बताया कि पिछले वर्षों में परिषद् ने 10 लाख से अधिक यूनिट रक्त संग्रहित कर गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड सहित कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रिय सम्मान अर्जित किए है। वर्ष 2022 में 6149 शिविरों के माध्यम से 2.5 लाख यूनिट रक्त संग्रह कर ब्रिटिश संसद में रिकॉर्ड दर्ज कराया गया था। जयपुर शहर में 126 रक्तदान स्थलों पर कैंप लगाए जाएंगे।

सीएसटी के हत्थे चढ़ा मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स तस्कर

- 21 लाख रु. की 87.70 ग्राम ड्रग जब्त
- जोधपुर से खरीदकर जयपुर में सप्लाई करता था आरोपी

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने मानसरोवर थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 87.70 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी जब्त किए है। पुलिस ने जब्त एमडी की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 12 लाख रुपये आंकी है। फिलहाल आरोपी तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी की सप्लाई करने वाले तस्कर कमलेश कुमार (21) निवासी चितलवाना जिला जालौर हाल मानसरोवर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस आरोपी के पास से 87.70 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी भी जब्त किए गए है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित अवैध मादक पदार्थ एमडी प्रेम बागडी निवासी जोधपुर से खरीदना बताया है।

जो अपनी महिला मित्र के सहयोग से जयपुर में अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई करता है। पुलिस आरोपित तस्कर से अवैध मादक पदार्थ एमडी की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

सड़क सुरक्षा सिर्फ पुलिस-प्रशासन ही नहीं, समाज की भी जिम्मेदारी : उपमुख्यमंत्री

- दिया कुमारी ने कहा "सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाएंगे"

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि सड़क सुरक्षा सिर्फ प्रशासन की नहीं, समाज की भी जिम्मेदारी है। आमजन को चाहिए कि वे बिना हेलमेट चलने वालों को टोकें और उन्हें सुरक्षा के लिए प्रेरित करें, क्योंकि बात केवल चालान की नहीं, बल्कि जीवन बचाने की है। उपमुख्यमंत्री सोमवार को एआईसीटीई केंद्र, झालाना, जयपुर में सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के समापन एवं अभियंता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं।

उन्होंने कहा कि आमजन की सक्रिय भागीदारी से ही सड़क सुरक्षा अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया जा सकता है। उन्होंने अभियान में अभियंताओं, विशेष रूप से महिला अभियंताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग की यह पहल ऐतिहासिक है। मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत खत्री और उनकी टीम को उपमुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि यह अभियान जनता के जीवन से सीधा जुड़ा हुआ है।दिया कुमारी ने कहा कि यह अभियान आम आदमी की सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए सभी सांसदों और विधायकों से अनुरोध किया जाएगा कि वे अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इस अभियान के प्रमुख बिंदु साझा करें, ताकि यह व्यापक स्तर पर पहुंचे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सप्ताह में दो दिन सड़क निर्माण और रखरखाव कार्यों का भौतिक निरीक्षण करें और इसकी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब केवल फाइलों पर हस्ताक्षर से काम नहीं चलेगा। यदि निरीक्षण नहीं हुआ तो आगे कोई चेतावनी नहीं, सीधी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत खत्री ने बताया कि 9 अगस्त से 15 सितंबर तक चले इस अभियान में प्रदेश के 1097 संस्थानों के 4.18 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। करौली जिले ने 112 संस्थानों के 41,031 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर पहला स्थान प्राप्त किया।

मास्टर ट्रेनर कविता मीणा, रेणू मीणा और अधिशाषी अभियंता हरिनारायण मीणा को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और राज्य मंत्री मंजू बाघमार ने स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अलावा सीकर, डूंगरपुर, झुंझुनूं और जयपुर के अधिकारियों तथा अभियान में सक्रिय दो वाहन चालकों को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और राज्य मंत्री मंजू बाघमार ने सभी अभियंताओं को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, मुख्य अभियंता टी.सी. गुप्ता, नोडल अधिकारी शिल्पा श्रीमाल, विभागीय अधिकारी, महिला मास्टर ट्रेनर और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को एआईसीटीई केंद्र, झालाना, जयपुर में सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान के समापन समारोह को संबोधित किया।

मैं हैरान हूं, बोलने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं, ये देखकर दुख हुआ। क्रिकेट को राजनीतिक मत बनाइए। हैंडशेक न करने पर बहुत कुछ कहा जा सकता है, लेकिन मेरी नजर में इसे भूल जाना ही बेहतर है। - शोएब अख्तर

पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज, भारत-पाक मैच के बाद हैंडशेक नहीं करने को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7 विकेट से शिकस्त दी। भारत ने दुबई के मैदान पर 128 रनों का लक्ष्य 25 गेंद बाकी रहते आसानी से हासिल कर लिया। ये सूर्यकुमार यादव का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान 24वां मैच था। उनका बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। दरअसल, सूर्या ने 24 टी20 मैचों के बाद बतौर भारतीय कप्तान कोहली और धोनी से ज्यादा जीत हासिल की हैं। उन्होंने अब तक कप्तान के रूप में 19 मैच जीते हैं। उन्होंने 2023 में पहली बार भारत की कमान संभाली थी।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप का 17वां एडिशन यूएई में खेला जा रहा था। टूर्नामेंट के 6ठे मैच में भारत ने पाकिस्तान को हराकर सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

गंभीर का जीत के बाद बड़ा बयानः पहलगाम शहीदों को श्रद्धांजलि, सेना को सलाम

नई दिल्ली, 15 सितंबर। मौजूदा एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद, भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम की जीत पर खुशी जताई और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सफल ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। अप्रैल में पहलगाम हमले और उसके जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद, यह एशिया कप मुकाबला भारत-पाकिस्तान के बीच पहला मुकाबला था। इन परिस्थितियों और मैच के लिए ऑनलाइन आलोचनाओं के कारण भारी दबाव से जूझते हुए, सूर्यकुमार की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने पहली गेंद से ही अपना दबदबा बनाए रखा और सात विकेट से जीत हासिल की। मैच के बाद, प्रसारकों के साथ बातचीत में, गंभीर ने कहा कि शानदार जीत। इस टूर्नामेंट में अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। यह मैच महत्वपूर्ण था क्योंकि हम पहलगाम हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता दिखाना चाहते थे और जो कुछ उन्होंने सहा था, उसे याद करना चाहते थे।

हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ 19वें ओवर में जीत पाया श्रीलंका

दुबई, 15 सितम्बर। एशिया कप के 8वें मैच में श्रीलंका ने हॉन्ग कॉन्ग को 4 विकेट से हरा दिया। 150 रन का टारगेट हासिल करने में टीम को 19 ओवर लग गए। ओपनर पथुम निसांका ने 44 गेंद पर 68 रन की पारी खेली। उनके आउट होते ही टीम ने 8 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए, लेकिन दसुन शनाका और वनिंदू हसरंगा ने आखिर में जीत के पार पहुंचा दिया। इसी के साथ टीम ने सुपर-4 स्टेज में जगह बना ली।

आरआर क्रिकेट अकादमी सीकर जीती

जयपुर, 15 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में आर आर क्रिकेट अकादमी सीकर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 192 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं! लक्ष्य चौधरी और सिद्धार्थ वर्मा ने 60-60 रनों का योगदान दिया। एनसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से साहिल गोरा ने दो विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनसीसी क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 189 रन 8 विकेट के नुकसान पर बना सकी! समीर गोरा ने 63 और ओम चौरसिया ने 36 रनों का योगदान दिया। आरआर क्रिकेट अकादमी सीकर की ओर से गजेंद्र यादव, हर्षिल और दीपेश मीणा ने दो-दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच गजेंद्र यादव को चुना गया।

एसएमएस पोलो अकादमी ने नाहरगढ़ को हराया

जयपुर, 15 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर सितम्बर पोलो सीजन 2025, जयपुर जूनियर अंडर 21 (आउट ऑफ हैट) के मैच में एसएमएस पोलो अकादमी ने नाहरगढ़ को 4.5 के मुकाबले 9 गोल से हराया। एसएमएस पोलो अकादमी टीम की ओर से लक्ष्यराज सिंह राजावत ने 1, बेंजामिन यनजोनने अपनी टीम के लिए 3 गोल ओर अयान अली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 5 गोल कर जीत पक्की की। वहीं आधे गोल का हैंडीकैंप लेकर खेल रही नाहरगढ़ टीम की ओर से लक्ष्यराज सिंह राठौड़ ओर विवान मेहता ने 1- 1 गोल और संजुला मान ने 2 गोल किये पर अपनी टीम की हार टाल नहीं पाए।

राज्य स्तरीय अंडर- 23 ट्रॉफी के पहले दिन झुंझनू व टोंक जीती

जयपुर, 15 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आज से शुरू हुई राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर : **अनंतम ग्राउंड** दौसा - झुंझनू (झुंझनू 7 विकेट से जीती), दौसा पारी 162 आल आउट। टीम के लिए देवकृत शर्मा 54, राम शर्मा 29, लीलाधर 15 व ध्रुव 12 रन। झुंझनू के गेंदबाज अंकुशकुमार, कुलदीप नरुका, कार्तिक शर्मा व आर्यन कुमार प्रत्येक 2-2 विकेट। झुंझनू पारी 163/3, अंकित गुर्जर नाबाद 44, परवेज रशीद नाबाद 41, डेविड सिंह 26 व अंकुश कुमार 27 रन। दौसा के गेंदबाज देवकृत शर्मा, ध्रुव सेठी व पृथ्वी 1-1 विकेट। **जी आर ग्राउंड-** प्रतापगढ़ - टोंक (टोंक 8 विकेट से जीती), प्रतापगढ़ पारी 64 आल आउट। टीम के लिए अनिल मीणा 30 व अजय 20 रन, टोंक के गेंदबाज मो साद 10/4 , गणेश सुथार 4/3 व शुभांकरत्यागी 20/2 विकेट, टोंक पारी 65/2 विकेट। टीम के लिए विशाल सैनी 41 रन। प्रतापगढ़ के गेंदबाज नीलेश टांक व अनघ नंदवाना 1-1 विकेट।

साउथ जोन को हराकर सेंट्रल जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी खिताब

बेंगलुरु, 15 सितंबर। यश राठौड़ (194), सारांश जैन दो पारियों में (69/179 रन और आठ विकेट) के साथ रजत पाटीदार के तेज 101 रनों की बदौलत सेंट्रल जोन ने सोमवार को फाइनल मुकाबले के पांचवें दिन साउथ जोन पर छह विकेट जीत दर्ज करते हुए दलीप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। सेंट्रल जोन की आज यहां 65 रनों के लक्ष्य के लिए अपनी दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। दानिश मालेवर (पांच), शुभम शर्मा (आठ), सारांश जैन (चार) के विकेट गंवा दिये। कप्तान रजत पाटीदारी 13 रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये यश राठौड़ ने अक्षय वड़कर के साथ पारी को संभाला और 20.3 ओवर में चार विकेट पर 66 रन बनाकर खिताबी मुकाबला छह विकेट से अपने नाम किया।

पांचवें दिन सुबह बाएं हाथ के स्पिनर अंकित शर्मा के लिए गेंद काफी पकड़ और उछाल लेने वाली थी, जबकि तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी साउथ जोन की दिलचस्पी बनाए रखने के लिए पर्याप्त मूवमेंट हासिल किया। दोनों गेंदबाजों ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन 65 रनों का लक्ष्य मुश्किल नहीं था। मैच की शुरुआत में दानिश मालेवर ने मिडविकेट पर क्लिप लगाकर दो रन बनाए, लेकिन जल्द ही अंकित की एक गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेट के पीछे चली गई। अंकित की यह एक हल्की सी ऊपर की ओर उछाली गई गेंद थी जो पिच हुई और मालेवर से तेजी से दूर मुड़ी, जिसे उन्होंने एक अनिश्चित ड्राइव के लिए मजबूर किया। शुभम शर्मा ने गुरजपनीत की गेंद पर लगातार दो चौके लगाए। पहले उनकी गेंद विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन के दाईं ओर गई और फिर गेंद का बाहरी किनारा लेकर गली के पार चली गई।

हालांकि, अगली ही गेंद पर शुभम की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया जब वह गुरजपनीत की फुल लेंथ आउटस्विंगर पर गए, लेकिन गेंद बाहरी किनारा लेकर अजहरुद्दीन के हाथों में चली गई। चौथे नंबर पर प्रमोशन पर आए जैन ने गुरजपनीत की गेंद को पहले प्वाइंट के ऊपर से खेला, लेकिन अगली ही गेंद पर बल्ले का मोटा अंदरूनी किनारा लेकर उनके पैड पर लग गई, शॉर्ट लेग पर एक आसान कैच लपक लिया गया। पाटीदार ने शुरुआत में कई बार शॉट खेला और चूके, लेकिन सेंट्रल ने आक्रामक रुख अपनाना जारी रखा, यहां तक कि वाडकर ने अंकित को बैकफुट से मिडविकेट पर खेला और फिर गुरजपनीत को स्क्वायर ड्राइव पर लगाई।

पाटीदार स्टंपिंग के एक मौके से बच गए और सुबह की नमी सूखने के बाद, उन्होंने कुछ और शॉट खेले, विशेषकर अंकित के खिलाफ मिड ऑफ के बाईं ओर दो शानदार ऑन द अप ड्राइव। लेकिन सेंट्रल से 16 रन दूर रहते हुए, अंकित की सीधी गेंद पर स्वीप शॉट को लगाने के प्रयासा में वह मिडऑन पर लपके गए। राठौड़ ने वी कौशिक की गेंद को कवर्स की ओर खेलकर विजयी रन बनाया। यह सेंट्रल का सातवां दलीप ट्रॉफी खिताब था और 2014-15 सीजन के बाद उनका पहला खिताब है।

भारत द्वारा हाथ नहीं मिलाने पर पीसीबी ने मैच रेफरी से की शिकायत

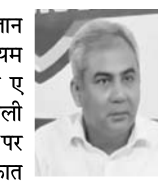

दुबई, 15 सितंबर। पाकिस्तान ने कल दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में एशिया कप 2025 के ग्रुप ए मुकाबले मे सात विकेट से मिली हार के बाद हाथ नहीं मिलाने पर भारतीय टीम के खिलाफ शिकात दर्ज करायी है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए भारतीय टीम के व्यवहार को खेल भावना के विरुद्ध बताया है। यह शिकायत मैच से पहले की तनावपूर्ण स्थिति के बाद की गई है, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई तल्खी भी शामिल है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब टॉस के समय न तो कप्तान सूर्यकुमार यादव और न ही पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने हाथ मिलाया। मैच जीतने के बाद सूर्यकुमार और शिवम दुबे पाकिस्तानी खिलाड़ियों से बात किए बिना अपने ड्रेसिंग रूम लौट गए।

पीसीबी ने कहा कि पाकिस्तानी कप्तान आगा ने विरोधस्वरूप आधिकारिक प्रसारणकर्ता सोनी के साथ मैच के बाद के साक्षात्कार में भाग नहीं लिया। कोच माइक हेसन ने पुष्टि की कि पाकिस्तानी टीम हाथ मिलाने के प्रोटोकॉल का पालन करना चाहती थी, लेकिन भारत ने ऐसा नहीं किया।

सूर्यकुमार ने हाथ न मिलाने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह बीसीसीआई के परामर्श से पूर्व नियोजित था और सरकारी निर्देशों के अनुरूप था। प्रेस से बात बातचीत में उन्होंने कहा, ''जीवन में खेल भावना से बढ़कर कुछ नहीं है। हम पहलगाम आतंकवादी हमले के सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। हम इस जीत को अपने बहादुर सशस्त्र बलों को समर्पित करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लिया।'' सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का जवाब देते हुए, सूर्यकुमार ने कहा कि टीम और सहयोगी स्टाफ ने दुबई पहुंचने पर बाहरी विकर्षणों को कम करने का फैसला किया था, ताकि वे पूरी तरह से अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

उन्होंने कहा, ''हमने सोचा था कि ऐसा करने से हम अपनी योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू कर पाएंगे। मुझे नहीं पता था कि बाहर क्या हो रहा है। मेरी टीम मुझे इन सब से दूर रखती है। तभी आप मैदान में साफ दिमाग से उतर सकते हैं।''

आरसीए की सीनियर सलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कांवट की जादूगरी ने भारत में नाम रोशन किया

जयपुर, 15 सितम्बर। सेंट्रल जोन ने 11 साल के अन्तराल के बाद दलीप ट्रॉफी जोनल टूर्नामेंट का खिताब एक बार फिर अपने नाम किया है। सेंट्रल जोन की इस जीत में राजस्थान की भी बड़ी भूमिका रही है। राजस्थान के पूर्व रणजी ट्रॉफी कप्तान राहुल कांवट सेंट्रल जोन की सलेक्शन कमेटी के चेयरमैन हैं और उनकी चुनी इस टीम ने एक बार फिर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दलीप ट्रॉफी के इतिहास में सेंट्रल जोन टीम सातवीं बार चैंपियन बनी है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर सलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कांवट को पहली बार सेंट्रल जोन की चयन समिति में मौका मिला और वे चेयरमैन की हैसियत से चयन प्रक्रिया में शामिल हुए। राहुल ने ऐसी टीम चुनी, जो उनके विश्वास पर खरी उतरी और सेंट्रल जोन को चैंपियन बना दिया। इस उपलब्धि के साथ राहुल बीसीसीआई की सलेक्शन कमेटी में भी चयन के प्रबल दावेदर बन गए हैं। राजस्थान की ओर से राहुल ने राष्ट्रीय चयन समिति के लिए आवेदन किया है। राहुल बीसीसीआई में सलेक्टर बनते हैं तो यह लम्बे अन्तराल के बाद प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

आखिरी बार 2014-15 में जीता खिताब : सेंट्रल जोन ने आखिरी बार प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी का खिताब 2014-15 में जीता। सेंट्रल जोन टीम दस बार इस टूर्नामेंट में उपविजेता भी रही है। 1962-63 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीमें नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन रही हैं, जिन्होंने 18-18 बार खिताब जीता है। इसमें नार्थ जोन एक बार और वेस्ट जोन तीन बार संयुक्त विजेता बनी थीं। साथ जोन ने 13 और ईस्ट जोन ने दो बार यह खिताब जीता है।

राजस्थान के लिए खेले 89 प्रथम श्रेणी मैच : राहुल कांवट ने 1994-95 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में राजस्थान के लिए डेब्यू किया और अपने 15 साल लम्बे क्रिकेट करियर में बेहतरीन ऑल राउण्डर की भूमिका निभाते हुए 3527 रन बनाए और 162 विकेट हासिल किए।

यही नहीं लिस्ट ए मैचों में भी 773 रन और 65 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। राहुल ने दलीप ट्रॉफी में भी सेंट्रल जोन का प्रतिनिधित्व किया और 2010-11 में दलीप ट्रॉफी की चैंपियन टीम का भी हिस्सा रहे।

यूएई ने ओमान को 42 रनों से हराया

अबू धाबी, 15 सितंबर। कप्तान मुहम्मद वसीम (69) और अलीशान शराफू (51) की अर्धशतकीय पारियों के बाद जुनैद सिद्दीकी (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोमवार को एशिया कप 2025 के सातवें मुकाबले में ओमान को 42 रनों से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत खराब रही और उसने 32 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिये। आमिर कलीम (दो), कप्तान जतिंदर सिंह (20), वसीम अली (एक), हम्माद मिर्जा (पांच) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शाह फैसल और आर्यन बिष्ट ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन सातवें ओवर में 50 के स्कोर पर हैदर अली ने शाह फैसल नौ रन पर आउट कर पवेलियन भेज दिया। विनायक शुक्ला (20), जितेन रामानंदी (13) रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर वसीम ने समय श्रीवास्ताव (छह) को आउटकर ओमान की पारी का 130 के स्कोर पर समेटकर मुकाबला 42 रनों से जीत लिया। यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने चार विकेट लिये। मुहम्मद जवादुल्लाह और हैदर अली को दो-दो विकेट मिले। मुहम्मद रोहिद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां ओमान ने टॉस जीतकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी यूएई के लिए कप्तान मुहम्मद वसीम और अलीशान शराफू की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 88 रन जोड़े। 11वें ओवर में जितेन रामानंदी ने अलीशान शराफू को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। शराफू ने 38 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली। इसके बाद आसिफ खान (दो), मुहम्मद जोहैब (21), मुहम्मद वसीम 54 गेंदों में (69) और हर्षित कौशिक (नाबाद 19) के योगदान से यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 172 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। ओमान की ओर से जितेन रामानंदी ने दो विकेट लिये। समय श्रीवास्तव और हसनैन शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मोहम्मद सिराज और ओरला प्रेंडरगैस्ट चुने गये प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, 15 सितंबर। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए अगस्त महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। वहीं महिला वर्ग में आयरलैंड की शीर्ष ऑलराउंडर ओरला प्रेंडरगैस्ट ने यह पुरस्कार जीता।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आज अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की घोषणा की। सिराज ने न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पछाड़ते हुए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। सिराज के शानदार प्रदर्शन ने भारत को ओवल टेस्ट मैच में छह रनों से जीत दर्ज की थी। सिराज ने इस मैच में कुल नौ विकेट हासिल किए थे।

पुरस्कार जीतने के बाद सिराज ने कहा, ''आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ चुना जाना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी एक यादगार सीरीज थी, और यह मेरे द्वारा अब तक खेले गए सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक थी। मुझे गर्व है कि मैं कुछ महत्वपूर्ण स्पेल के साथ, खासकर निर्णायक क्षणों में, योगदान दे सका। शीर्ष बल्लेबाज़ों के खिलाफ उनकी घरेलू परिस्थितियों में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इससे मेरा सर्वश्रेष्ठ भी सामने आया।''

उन्होंने कहा, ''यह पुरस्कार जितना मेरा है, उतना ही मेरे साथियों और सहयोगी स्टाफ का भी है, क्योंकि उनके निरंतर प्रोत्साहन और विश्वास ने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं कड़ी मेहनत करता रहूंगा और हर बार जब मैं भारत की जर्सी पहनूंगा, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा ''

महिला वर्ग में आयरलैंड की शीर्ष ऑलराउंडर ओरला प्रेंडरगैस्ट को अगस्त महीने का आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 23 वर्षीय प्रेंडरगैस्ट ने नीदरलैंड की ऑलराउंडर आइरिस ज़्विलिंग और पाकिस्तान की विकेटकीपर मुनीबा अली को कड़ी टक्कर देते हुए यह सम्मान हासिल किया।

अगस्त में पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज में दबदबा बनाने वाली प्रेंडरगैस्ट इस सम्मान के मिलने पर खुश व्यक्त करते हुए कहा, ''मुझे यह पुरस्कार पाकर बहुत खुशी हो रही है और मैं आईसीसी और मेरे लिए वोट करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूं। मैं अपनी टीम की साथियों और सहयोगी स्टाफ का भी आभार व्यक्त करना चाहूंगी जिन्होंने पूरे ग्रीष्मकाल में कड़ी मेहनत की और कुछ महत्वपूर्ण सीरीज जीत लीं।''

पांच सुपर टैकल के दम पर हरियाणा स्टीलर्स ने गुजरात जाएंट्स को 3 अंक से हराया

जयपुर, 15 सितंबर। मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने पांच सुपर टैकल के दम पर सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सोमवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 33वें मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को 40-37 से हरा दिया। हरियाणा की पांच मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि गुजरात को छह मैचों में पांचवीं हार मिली है।

हरियाणा की जीत में शिवम पटारे (12) के अलावा डिफेंस मे कप्तान जयदीप (6) और राहुल सेतपाल (3) ने शानदार खेल दिखाया। विनय ने भी 8 अंक लेकर एचएस राकेश (14) और हिमांशु सिंह (6) के शानदार प्रदर्शन को फीका कर दिया। शुरुआती 10 मिनट पूरी तरह हरियाणा के नाम रहे। एक समय यह टीम 1-4 से पीछे चल रही थी। उसके लिए सुपर टैकल आन था। फिर 4-6 के स्कोर पर एक बार फिर उसके लिए सुपर टैकल आन था। एक समय तो हरियाणा दो खिलाड़ियों तक सीमित हो गए थे। यहां से हरियाणा ने जो रफ्तार पकड़ी वह 11-8 की लीड पर ही समाप्त हुई। हरियाणा ने तीन सुपर टैकल के साथ न सिर्फ वापसी की बल्कि लीड भी ले ली।

ब्रेक के बाद हिमांशु ने दो अंक की रेड के साथ हरियाणा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन विशाल टाटे ने हिमांशु को आउट कर आलआउट बचा लिया। 13-10 के स्कोर पर राकेश ने अपना छठा अंक लिया और फिर गुजरात ने आलआउट लेकर 14-14 से स्कोर बराबर कर दिया। आलइन के बाद हरियाणा की टीम अपना दबदबा फिर से कायम करते हुए गुजरात को सुपर टैकल की स्थिति में ले आई और फिर शिवम ने उसे एक खिलाड़ी तक सीमित कर दिया। राकेश ने हालांकि एक खिलाड़ी को रिवाइव करा लिया लेकिन अगली रेड पर अकेले बचे राकेश लपके गए और इस तरह हरियाणा ने हाफटाइम तक 25-20 की लीड ले ली। हाफटाइम के बाद राकेश ने सुपर-10 पूरा किया। राकेश हालांकि अगली रेड पर लपके गए और फिर शिवम ने लगातार दो अंक लेकर फासला 6 का कर दिया। इस बीच शिवम को लपक गुजरात ने शादलू को रिवाइव करा लिया। बीते पांच मिनट में गुजरात ने 3 के मुकाबले 5 अंक लेकर वापसी की राह पकड़ ली थी। फिर विनय को लपक गुजरात ने हरियाणा को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। हालांकि सेतपाल ने राकेश को सुपर टैकल कर इस स्थिति को टाल दिया।

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी
सितम्बर-II एवं अक्टूबर-I, 2025

136 भूखण्ड/दुकान

114 व्यावसायिक भूखण्ड

02 आकृति एन्क्लेव योजना, जयपुर
04 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर
08 आकृति एन्क्लेव-बी योजना, जयपुर
10 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर
05 अदिति एन्क्लेव वन योजना, जयपुर
01 बड़रामजानीपुरा ब्लॉक-बी योजना, जयपुर
01 चेतन विहार, जयपुर
08 दीनदयाल नगर, जयपुर
01 गनक एन्क्लेव योजना, जयपुर
03 गोकुल ओरा योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2021/1547
01 गोल्डन रेजीडेंसी स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2595
01 गोविन्दम आश्रम योजना, जयपुर
02 गोविंदम आर्केड विस्तार योजना, जयपुर
07 गोविन्दम रेजिडेन्सी-बी योजना, जयपुर
02 हनुमान नगर एच, जयपुर
01 हरित विहार योजना, जयपुर
04 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर
07 संस्थागत योजना ग्राम-दहमी कलां, जयपुर
01 कन्हैया कुंज जयपुर
05 खुशी संसार योजना, जयपुर
03 कृष्णा सिटी, जयपुर
01 लालकोठी योजना, जयपुर
04 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर
01 न्यू आतिश मार्केट सुखालपुरा, जयपुर
01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
01 रामचन्द्रपुरा योजना, जयपुर
01 रियासत टाऊन योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2092
07 संतोष विला ब्लॉक-बी योजना, जयपुर
02 शौर्य नगर योजना, जयपुर
03 शिवांक सिटी योजना, जयपुर
01 श्रीनाथ एन्क्लेव तह. बस्सी, जयपुर
05 सिंवार सिटी योजना, जयपुर
03 द रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी योजना, जयपुर
02 दी रियासत रेजिडेन्सी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033
02 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
03 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1799

10 आवासीय भूखण्ड

01 अभिनव विहार योजना, जयपुर
02 आनन्द विहार योजना, जयपुर
02 महल योजना, डी-ब्लॉक, जयपुर
01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
01 रोहिणी नगर प्रथम योजना, जयपुर
01 शौर्य नगर योजना, जयपुर
02 स्वर्ण विहार योजना, जयपुर

03 फार्म हाउस
03 गोविंदपुरा रोपाड़ा योजना, जयपुर

04 ग्रुप हाउसिंग
01 अनन्तपुरा ग्रुप योजना, जयपुर
03 अनुपम विहार योजना, जयपुर

01 संस्थानिक
01 रामचन्द्रपुरा योजना, जयपुर

02 मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड
02 मेट्रो एन्क्लेव, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2019/1133

01 सर्विस यार्ड
01 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर

01 निर्मित दुकान
01 अण्डरपास (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर) जयपुर

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91 9462-569-696
RERA Website : http://rera.rajasthan.gov.in
नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in
राज.संवाद/सी/25/10073
इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004

‘विद्यालयों के निर्माण व मरम्मत में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शिक्षा पर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक ली

जयपुर, 15 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग से जुड़ी बजट घोषणाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शैक्षिणक सेवाओं एवं सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार के लिए त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों के निर्माण और मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और संबंधित विभाग जवाबदेही तय करें।

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कक्षाओं का निर्माण करायें तथा पेयजल-शौचालय व व्हीलचेयर जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायें।
- उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मुख्यमंत्री को "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उपलब्धि का प्रमाण पत्र भेंट किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग से जुड़ी बजट घोषणाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (लंदन) में दर्ज उपलब्धि का प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री को भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कक्षाओं का निर्माण, पेयजल, शौचालय, व्हीलचेयर जैसी सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध करवाई जाएं। शर्मा ने विद्यालयों और महाविद्यालयों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की प्रभावी योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के संचालन के लिए मास्टर ट्रेनर की उपलब्धता सुनिश्चित करने और विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए तथा फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल स्कीम को रोजगारोन्मुखी बनाते हुए, प्रशिक्षण केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित करने पर भी बल दिया। उन्होंने भरतपुर के खेड़ली-गुर्जर में स्पोर्ट्स स्कूल की योजना पर भी चर्चा कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने "हरियालो राजस्थान" अभियान के तहत, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (लंदन) में दर्ज उपलब्धि का प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री को भेंट किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिमला में पिकअप खाई में गिरी, 5 की मौत

शिमला, 15 सितंबर। जिला शिमला के कोटखाई उपमंडल में एक पिकअप के खाई में गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक कोटखाई का स्थानीय निवासी है और चार लोग नेपाली मूल के हैं। वहीं, दो लोग घायल हुए हैं। पिकअप में कुल सात लोग सवार थे। इनमें एक महिला भी शामिल थी।

यह हादसा सुबह साढ़े आठ बजे के करीब घटित हुआ। बताया जा रहा है कि रामनगर के समीप धोलो कैंची में पिकअप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दौरान चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक व्यक्ति ने आइजीएमसी अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया।

‘आयकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑडिट के दायरे में नहीं आते। इसमें मुख्यतः वेतनभोगी व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और आईटीआर फॉर्म 1-4 के माध्यम से फाइल करने वाले छोटे व्यापारी शामिल हैं।

दाह संस्कार के बाद नदी में नहाने गये तीन युवकों की डूब कर मौत

जयपुर में रिंग रोड पर कल सड़क हादसे में मरे चार लोगों के दाह संस्कार के बाद यह दुर्घटना हुई

भीलवाड़ा, 15 सितम्बर (निसं)। जयपुर के रिंग रोड पर हुए सड़क हादसे में मारे गए फूलियाकलां के एक ही परिवार के चार लोगों की मौत की पीड़ा से गांव उबरा भी नहीं था कि एक और हादसा हो गया। चारों मृतकों के दाह संस्कार के बाद, केकड़ी रोड स्थित खारी नदी में नहाने के दौरान फूलिया कलां कस्बे के 6 लोग डूब गए, जिनमें तीन युवकों की मौत हो गई, जिससे फूलिया कलां सहित, मृतकों के गांव खेड़ा हेतम में मातम छा गया।

- केकड़ी रोड पर खारी नदी में नहाते समय एक युवक बहने लगा। उसे बचाने के लिए एक-एक करके पाँच युवक नदी में कूदे। ग्रामीणों ने पाँचों को पानी से निकाल अस्पताल पहुँचाया, जहाँ दो को मृत घोषित किया गया। बाद में एसडीआरएफसी की टीम ने सर्च कर तीनों युवक का शव निकाला।

घटना के अनुसार, दाह संस्कार के बाद नहाने के दौरान एक युवक पानी में बहने लगा। उसे बचाने के लिए एक-एक कर पांच युवक पानी में और कूद गए, लेकिन पानी के वेग में सभी छह युवक बह गए। बाद में ग्रामीणों ने पांच युवकों को पानी से निकाल कर फूलियाकलां स्थित राजकीय हास्पिटल पहुंचाया तथा एक युवक खेड़ा हेतम निवासी महेश शर्मा पानी में लापता हो गया। स्थानीय हॉस्पिटल में खेड़ा हेतम निवासी बरदीचंद माली और महेन्द्र माली को मृत घोषित कर दिया गया। कल्याणपुरा (केकड़ी) निवासी विजयप्रताप, खेड़ा हेतम निवासी राकेश माली तथा जीवराज माली को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल में रैफर कर दिया गया। इन लोगों की हालत ठीक बताई जा रही है।

जिला कलेक्टर जसमीत संधू, जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, विधायक लालाराम बैरवा भी मौके पहुंचे। लापता युवक महेश की तलाश के लिए भीलवाड़ा से एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। टीम ने लगभग एक घंटे की तलाशी के बाद नदी से महेश का शव निकाल लिया।

दो दिन में दो दर्दनाक हादसों से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। पानी में डूब कर मरे तीनों युवक निकटवर्ती खेड़ा हेतम गांव के हैं, उक्त गांव में मातम पसरा हुआ है। उधर दोनों हादसों को लेकर फूलिया कलां कस्बे के बाजार सोमवार को स्वैच्छिक रुप से बंद रहे। हादसों को लेकर क्षेत्र में चारों ओर शोक की लहर है। वहीं, दूसरी ओर आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। स्थानीय विधायक लालाराम बैरवा के आश्वासन के बाद मामला शांत हो पाया।

नेपाल की जैन ज़ैड अंतरिम प्र.मंत्री सुशीला कार्की से नाराज़

काठमांडू, 15 सितंबर। पड़ोसी देश नेपाल में प्रदर्शनों और आंदोलन के दौर में जो कुछ हुआ, वो सबने देखा। जब प्रदर्शन खत्म हुए तो यहां पर इन्हीं प्रदर्शनकारियों की चुनी हुई नेता के तौर पर सुशीला कार्की का नाम चुना गया। रविवार को उन्होंने जैसे ही प्रधानमंत्री का पद संभाला, शाम तक ‘जैन-ज़ैड’ प्रदर्शनकारी उनसे भी नाराज हो गए। कैबिनेट मंत्रियों के चुनाव को लेकर हुई ये नाराजगी यूं बढ़ गई कि बात कुर्सी से उतारने और इस्तीफा मांगने तक पहुंच गई।

- जैन ज़ैड नेता कैबिनेट मंत्रियों के चयन को लेकर नाराज़ हैं
- जैन ज़ैड प्रदर्शनकारियों के एक लीडर, सदन गुरंग, जो दो दिन पहले कार्की के पैर छू रहे थे, इतने नाराज दिखे कि उन्होंने यहां तक कह दिया, कि जिसे पीएम की कुर्सी पर बिठाया है उसे उतार भी सकते हैं।

नेपाल की राजनीति में इस वक्त बिल्कुल नया मोड़ आ गया है। नेपाल के युवा वर्ग ने विद्रोह और हिंसक प्रदर्शनों के बाद केपी ओली की सरकार हटाई और खुद ही नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को चुना। वैसे सुशीला कार्की ‘जैन-ज़ैड’ प्रदर्शनकारियों की ही नेता हैं, लेकिन अब ये लोग उनसे भी नाराज हो गए हैं। ‘जैन-ज़ैड’ प्रदर्शन के अगुवा रहे सुदन गुरुंग ने तो ये तक कह दिया कि कुर्सी पर बिठाकर उतार भी सकते हैं।

नेपाल के संगठन हामी नेपाल के नेता और आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाने वाले सुदन गुरंग अपने साथियों के साथ अंतरिम पीएम सुशीला कार्की के आवास के बाहर प्रदर्शन में भी पहुंचे। अब युवाओं में नाराजगी इस बात को लेकर है कि कार्की सरकार में शामिल हो रहे मंत्रियों में युवाओं की कमी है। जो सुदन गुरुंग दो दिन पहले तक सुशीला कार्की के पैर छू रहे थे, उन्होंने उनके खिलाफ कड़े शब्दों में कहा - ‘जिसे पीएम की कुर्सी पर बिठाया है, उसे उतार भी सकते हैं’।

संसद की सुरक्षा और मजबूत होगी

नई दिल्ली, 15 सितंबर। संसद की सुरक्षा को मजबूत करने की तैयारी शुरू हो गई है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) 14.64 करोड़ से संसद में सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम कराएगा। यहां इलेक्ट्रिक बाड़, फाइबर ऑप्टिक घुसपैठ पहचान प्रणाली (पीआईडीएस) और केंद्रीकृत वीडियो प्रबंधन प्रणाली (वीएमएस) और सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क की स्थापना की जाएगी। सीपीडब्ल्यूडी ने परियोजना के लिए निविदा जारी कर दी गई। इसके तहत 18 सितंबर तक आवेदन किया जा सकता है। सीपीडब्ल्यूडी के निविदा दस्तावेज के अनुसार, इलेक्ट्रिक फेंसिंग और सीसीटीवी के बीच वीडियो एकीकरण पूरी तरह से निर्बाध होना चाहिए। यह एक से अधिक घुसपैठ के मामलों को पूरी तरह से कवर करे। इस परियोजना के शुरू होने की तारीख से चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

विधायकों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिवक्ता वीआर बाजवा और अधिवक्ता कपिल गुप्ता का कहना था कि प्रकरण में पहले एसओजी में राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया और फिर उसमें एफआर लगाते हुए प्रकरण को एसीबी में भेज दिया गया। प्रकरण केवल फोन रिकॉर्डिंग के आधार पर दर्ज किया गया है। याचिकाकर्ताओं की फोन रिकॉर्डिंग से साबित है कि वे सिर्फ सामान्य गपशप ही कर रहे थे। विधायकों की खरीद-फरोख्त करने जैसी कोई बात रिकॉर्डिंग में नहीं है। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि मामले में एसीबी ने अदालत में एफआर पेश कर दी है। ऐसे में प्रकरण को निस्तारित किया जाए।

गौरतलब है कि एसीबी ने मामला दर्ज किया था कि याचिकाकर्ताओं ने अन्य के सहयोग से राजस्थान विधानसभा के चुने हुए वर्तमान विधायकों को रुपए का लालच देकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने और हाल ही के राज्यसभा चुनाव के मतदान में इन विधायकों को अपने मत के प्रयोग को रुपए देकर अनुचित तरीके से प्रभावित करने का आपराधिक कृत्य किया है। वहीं बाद में एसीबी ने विस्तृत जांच में बाद यह कहते हुए एफआर पेश कर दी थी कि आरोपियों के खिलाफ प्रकरण में कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं।

राहुल गांधी ने पंजाब के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया

अमृतसर, 15 सितंबर। पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को अमृतसर पहुंचे और वे अमृतसर एयरपोर्ट से अजनाला के लिए रवाना हो गए। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की।

- गांधी ने बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात की
- गांधी जिस गाड़ी में सवार थे उसे पंजाब के पीसीसी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग खुद चला रहे थे, प्रताप सिंह बाजवा भी साथ ही थे।

गांधी गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब जी, रामदास, अजनाला में मत्था टेका। इसके पश्चात सुबह 11:45 बजे गुरचक, डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर में किसानों के साथ बातचीत की। अपराह्न 1:45 बजे बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया और मकोरा, दीना नगर, गुरदासपुर में स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की। कांग्रेस नेता का पंजाब में आई बाढ़ के बाद यह पहला दौरा है। गुरुद्वारा में गांधी ने सेवा कर रही संगत से बातचीत की और पीड़ित परिवारों की समस्याएं सनीं। इसके साथ ही, उन्होंने राहत कार्यों की समीक्षा की और स्थानीय प्रशासन एवं संगठनों से मिलकर राहत सामग्री तथा पुनर्वास कार्यों की स्थिति पर चर्चा की।

इसके बाद, गांधी गुरदासपुर गए, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों और किसानों से सीधे संवाद किया कि उन्हें किस प्रकार की मदद की सबसे ज्यादा जरूरत है।

इसके बाद कांग्रेस नेता गुरदासपुर में दीना नगर भी गए जहां ग्रामीणों से संवाद किया। दौरे के बाद राहुल गांधी शाम को दिल्ली लौट गए।

राहुल गांधी जिस गाड़ी में सवार थे उसे खुद पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग चला रहे थे। इसके अलावा विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी मौजूद थे।

वक्फ अमैंडमैंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी शामिल है। बोर्ड के सदस्य सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि बोर्ड द्वारा उठाए गए कई बिंदुओं को सुप्रीम कोर्ट ने "बड़ी हद तक स्वीकार" किया है। उन्होंने कहा, "हमारा वक्फ बाय यूज़र वाला बिंदु स्वीकार कर लिया गया है। साथ ही, संरक्षित स्मारकों पर तीसरे पक्ष का दावा न हो - इस पर भी कोर्ट ने सहमति जताई है। पाँच साल की जो शर्त लगाई गई थी, वह भी हटा दी गई है। कुल मिलाकर, हमारे कई मुद्दों को स्वीकार किया गया है और हम इसे संतोषजनक मानते हैं।"

‘वक्फ पर सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिनियम को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को कहा कि यह देश के लिए बहुत अच्छा निर्णय है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। कुछ लोग बिना वजह के संसद के निर्णय को चुनौती देते हैं। उन्होंने कहा कि संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती है। संसद में बने कानून के प्रावधान को लेकर चुनौती दी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने शीर्ष अदालत में अधिनियम की मंशा और प्रावधान के बारे में बताया है। शीर्ष अदालत का फैसला लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।

उन्होंने कहा कि कोई भी कानून जब संसद में बनता है तब उस पर विस्तृत चर्चा की जाती है। वक्फ को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में सबसे लंबी चर्चा हुई थी। इतना गहरायी से चर्चा करने के बाद उसे खारिज नहीं किया जा सकता है यही उच्चतम न्यायालय ने साबित किया है।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सेवा पखवाड़े के रूप में मना रही है। पूर्व महापौर ने सोमवार को बताया कि 16 सितंबर को स्कूल के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 15 होनहार मूक-बधिर छात्र-छात्राओं को हवाई जहाज से जयपुर ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन बच्चों के हवाई यात्रा के सपने को साकार करने में हमें खुशी हो रही है। अग्रवाल ने बताया कि यात्रा से पहले बच्चों को सोमवार को हवाई टिकट और टी-शर्ट दी गई।

88 वर्षीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कठिन हो रहा है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी तय कर चुका है कि यदि किसी रिटायर व्यक्ति को अतिरिक्त राशि का भुगतान भी हो गया है तो उसकी रिकवरी नहीं की जा सकती। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने पेंशन रोकने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मज़बूत करता है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक अधिकारों की रक्षा करेगा और संविधान को बरकरार रखेगा।

कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि अदालत के हस्तक्षेप ने सरकार की मंशा उजागर कर दी है।

वेणुगोपाल ने कहा, "संसद में चर्चा के दौरान मैंने और कई विपक्षी सांसदों ने माँग की थी कि वक़्फ़ बनाने के लिए 5 साल से मुसलमान होने की अनिवार्यता हटाई जाए, कलेक्टरों को वक़्फ़ विवादों पर फ़ैसला करने का अधिकार न दिया जाए और ग़ैर-मुसलमानों को वक़्फ़ परिषद का सदस्य बनाने का प्रावधान भी हटाया जाए।"

उन्होंने आगे कहा, "यह फ़ैसला इस सरकार के मुँह पर एक और करारा तमाचा है, जो सिर्फ़ संविधान को नष्ट करने पर तुली हुई है। उन्हें इस आदेश से सबक लेना चाहिए और इस क़ानून को तुरंत रद्द करना चाहिए।"

टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कमज़ोर मोदी गठबंधन को एक अहम् संदेश दिया है।

घोष ने कहा, "वक़्फ़ संशोधन अधिनियम की दो सबसे विवादास्पद धाराओं पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। डगमगाते हुए मोदी गठबंधन को एक महत्वपूर्ण संदेश गया है। जल्दबाज़ी में पारित यह क़ानून धर्म की स्वतंत्रता में दख़ल देता है और इस पर दोबारा विचार की ज़रूरत है।"

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, हमारी राय थी कि सरकार को वक़्फ़ में दख़ल नहीं देना चाहिए। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट आगे भी न्याय करेगा

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने विश्वास जताया कि शीर्ष अदालत इस ज़ालिम क़ानून को पूरी तरह रद्द करेगी और संवैधानिक न्याय सुनिश्चित करेगी। इसके अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि अंतरिम राहत से उनकी उम्मीद यक़ीन में बदल गई है कि न्याय अभी भी ज़िंदा है।

उन्होंने कहा कि जमीयत इस "ज़ालिम क़ानून" के रद्द होने तक अपनी क़ानूनी और लोकतांत्रिक लड़ाई जारी रखेगी।"

मदनी ने दावा किया, "यह नया वक़्फ़ क़ानून संविधान पर सीधा हमला है, जो न सिर्फ़ नागरिकों और अल्पसंख्यकों को बराबरी का हक़ देता है बल्कि उन्हें पूरी धार्मिक स्वतंत्रता भी प्रदान करता है। यह क़ानून मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनने की ख़तरनाक, असंवैधानिक साज़िश है।"

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद क़ासिम रसूल इलियास ने कहा, यह तकनीकी रूप से मुस्लिम समुदाय का मामला है। पहले कोई भी बोर्ड का सदस्य हो सकता था, लेकिन अब उनकी संख्या चार से ज़्यादा नहीं हो सकती। अदालत ने उस अपील को स्वीकार किया है, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ़ वे लोग वक़्फ़ बना सकते हैं, जो पिछले पाँच साल से इस्लाम मान रहे हों।

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सोमवार को क़ानून की तीन विवादित धाराओं पर रोक लगाई।

जजों ने उस नियम को ख़ारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ़ वही लोग संपत्ति को वक़्फ़ के नाम कर सकते हैं, जो पाँच साल से इस्लाम मान रहे हों। उन्होंने ज़िलाधिकारियों को वक़्फ़ से जुड़े विवादों पर फ़ैसला करने का अधिकार भी रोक दिया।

पीठ ने वक़्फ़ बोर्डों में ग़ैर-मुसलमानों के प्रतिनिधित्व को सीमित कर दिया। इसके अनुसार, केन्द्रीय वक़्फ़ परिषद में 20 में से अधिकतम 4 और राज्य वक़्फ़ बोर्डों में 11 में से अधिकतम 3 सदस्य ग़ैर-मुसलमान हो सकते हैं।

नए वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के पारित होने के बाद कई लोगों ने इसे चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसकी कुछ अहम धाराओं पर रोक लगाए जाने से यह क़ानूनी लड़ाई अब दिलचस्प मोड़ ले चुकी है।

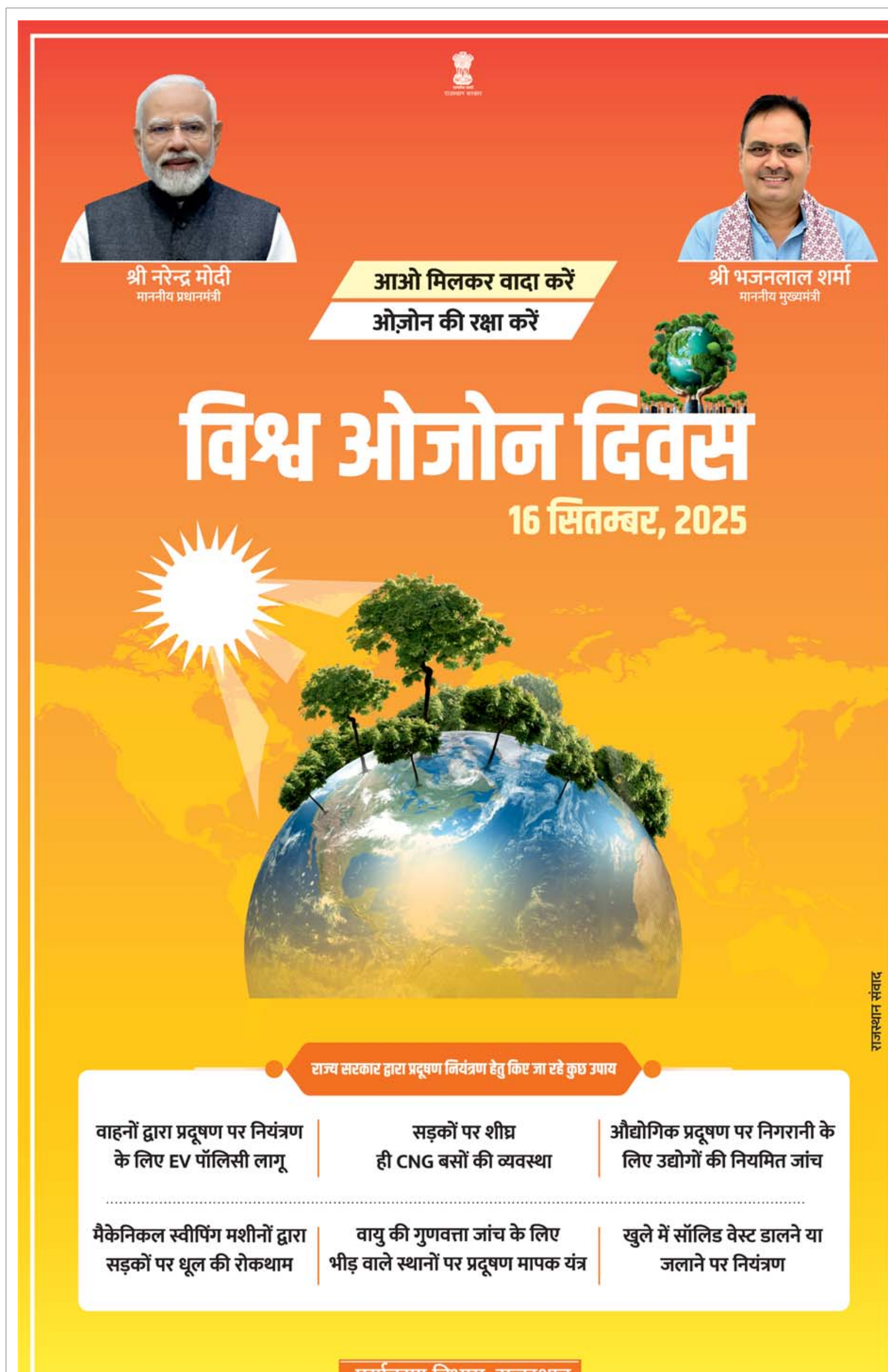

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908